शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बजट आवंटन पर वित्त मंत्री सीतारमण के दावे सच नहीं : सिद्धरामैया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-211

जम्मू कश्मीर के पूर्व पुलिस महानिदेशक का दावा

जम्मू कश्मीर में घुसे 600 पाकिस्तानी कमांडो

जम्मू, 29 जुलाई (ब्यूरो)। जम्मू कश्मीर, खासकर जम्मू में आतंकवादी हमलों में वृद्धि के बीच, प्रदेश के पूर्व पुलिस प्रमुख शेषपाल वैद ने दावा किया है कि पाकिस्तानी सेना के एसएसजी कमांडो बड़ी संख्या में जम्मू कश्मीर के इस हिस्से में घुसपैठ कर चुके हैं और अन्य भी घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं।

एक स्थानीय न्यूज एजेंसी से बात करते हुए एसपी वैद ने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना के 600 से अधिक एसएसजी कमांडो को चिन्हित किया गया है और उनमें से बड़ी संख्या में जम्मू कश्मीर में घुसपैठ कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस कृत्य के पीछे मकसद भारतीय सेना की 15वीं और 16वीं कोर को पूरी तरह से युद्ध में

लीड कर रहा पाकिस्तानी सेना का कर्नल शाहिद सलीम

उलझाना था। वैद कहते हैं कि यह युद्ध की कार्रवाई है और इसके लिए हमारी सेना को अत्यधिक सतर्क रहना होगा। हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में जमीनी हालात को बिगाड़ने की कोशिशें जारी हैं।

पूर्व डीजीपी एसपी वैद ने खुलासा किया कि पाकिस्तान सेना के एसए-सजी कमांडो के जीओसी आदिल रहमानी जम्मू कश्मीर में घुसपैठियों को संगठित और निर्देशित कर रहे हैं। वैद ने दावा किया कि पाक सेना का एक लेफ्टिनेंट कर्नल शाहिद सलीम है जिसके जम्मू कश्मीर में घुस आने की खबरें मिल रही हैं। उसने सभी स्लीपर सेल सक्रिय कर दिए हैं। वैद के अनुसार, जम्मू कश्मीर के इस हिस्से में घुसने के लिए दो और बटालियन तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ये हमले जिस सटीकता से हो रहे हैं। यह युद्ध की कार्रवाई है और भारत को उसी के अनुसार जवाब देने की जरूरत है।

लोकसभा में फिर अमर्यादित आचरण पर उतरे राहुल गांधी

पॉकेट में संविधान संसद में अपमान

राहुल गांधी और ओम बिरला के बीच हुई तीखी बहस

राहुल गांधी के बेजा व्यवहार पर पूरी संसद हुई नाराज

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज फिर लोकसभा में बदतमीजी पर उतर आए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बार-बार मना करने के बावजूद राहुल गांधी अमर्यादित व्यवहार करते रहे। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने राहुल गांधी के अमर्यादित आचरण का पुरजोर विरोध किया, लेकिन इससे राहुल पर कोई फर्क नहीं पड़ा।

प्रतिपक्ष के नेता के संवैधानिक पद पर मनोनीत होने के बावजूद राहुल गांधी संसद में संविधान का सम्मान नहीं रखते, लेकिन पॉकेट में रखा संविधान राजनीति की रोटी सेंकने के वक्त जरूर दिखाते रहते हैं। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि अभिमन्यु को छह लोगों ने मारा था, उनके नाम कर्ण, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, कृतवर्मा, अश्वत्थामा और शकुनि थे। ▶10पर

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, भारत-चीन के संबंध अच्छे नहीं

पर समाधान हमें ही मिलकर निकालना है

चीन के विदेश मंत्री से भारत के विदेश मंत्री की दो टूक

तीसरे पक्ष का हस्तक्षेप किसी भी स्थिति में मंजूर नहीं

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत-चीन सीमा मुद्दे पर कहा है कि चीन के साथ हमारा एक मुद्दा है और इसका समाधान हम दोनों को ही निकालना है। हम भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं।

विदेश मंत्री ने भारत-चीन सीमा विवाद में किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच मुद्दे का समाधान उन्हीं दोनों को निकालना है।

टोक्यो में संवाददाता सम्मेलन में कई सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए हम अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं। ▶10पर

आरक्षण बढ़ाने का बिहार सरकार का फैसला रद्द ही रहेगा

सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट का निर्णय बहाल रखा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार सरकार को सुप्रीम कोर्ट ने झटका दिया है। आरक्षण बढ़ाने का बिहार सरकार का फैसला फिलहाल रद्द ही रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट का निर्णय बहाल रखा है। पटना हाईकोर्ट ने कुछ समय पहले ही बिहार सरकार के नौकरी और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण को बढ़ाने के फैसले पर रोक लगा दी थी। अब इस फैसले पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने भी इन्कार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर सितंबर में सुनवाई करेगा।

20 जून को पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग का आरक्षण 65 फीसदी तक बढ़ाने वाले कानून को रद्द कर दिया था। पटना हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया था। यानी अब शिक्षण संस्थानों व सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, जनजाति, ▶10पर

दिल्ली सरकार का शराब घोटाला

केजरीवाल और अन्य के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्पाद शुल्क नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट दिल्ली में आरोप-पत्र दाखिल किया है।दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने 25 जुलाई को मुख्यमंत्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दी थी। इस मामले में आठ अगस्त को सुनवाई होनी है। ▶10पर

तमिलनाडु में भाजपा कार्यकर्ता की निर्मम हत्या

24 घंटे में तीन अलग-अलग दलों के नेताओं की हत्या

चेन्नई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में भारतीय जनता पार्टी के जिला सचिव सेल्वाकुमार की निर्मम हत्या कर दी गई। शनिवार को भाजपा कार्यकर्ता को सड़क पर घेरकर अज्ञात लोगों ने मौत के घाट उतार दिया। अब भाजपा ने इस हत्या के लिए डीएमके पर निशाना साधा है और राज्य में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। जबकि इलाके के सांसद कार्ति पी चिदंबरम का कहना है कि इस हत्या का कोई राजनीतिक कारण नहीं था। जैसे कि उन्हें पता हो कि भाजपा नेता की हत्या किन कारणों से हुई। सेल्वाकुमार शनिवार (27 जुलाई 2024) को अपने ईंट भट्टे से मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें घेर लिया और उन पर हमला कर उन्हें मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गए। राहगीरों ने सेल्वाकुमार को खून से लथपथ देखा और अधिकारियों को सूचित किया। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सेल्वाकुमार को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

हत्या की खबर सुनने के बाद भाजपा कार्यकर्ता समेत सेल्वाकुमार के समर्थक और ग्रामीण सड़कों पर आ गए। सबकी मांग थी कि आरोपितों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। पुलिस ने स्थिति संभालने के लिए इलाके में पुलिस बल को तैनात किया है। राज्य भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने तमिलनाडु में बिगड़ते कानून व्यवस्था की ओर ध्यान दिलाते हुए इसे हत्याओं की राजधानी कहा। उन्होंने कहा, असामाजिक तत्वों को सरकार या पुलिस का कोई डर नहीं है। मुख्यमंत्री, जिनके नियंत्रण में पुलिस है, एक राजनीतिक नाटक चला रहे हैं। उन्होंने एमके स्टालिन से यह भी कहा कि वे आत्मचिंतन करें कि क्या उन्हें राज्य के मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का अधिकार है। उन्होंने मृतक के परिजनों को आश्वासन दिया है कि भाजपा उन्हें हर तरह से सपोर्ट करेगी। तमिलनाडु में 24 घंटे से भी कम समय में तीन ▶10पर

सोपोर विस्फोट में चार लोगों की मौत

जम्मू, 29 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के सोपोर में सोमवार दोपहर को रहस्यमयी विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शायर कॉलोनी सोपोर में एक रहस्यमयी विस्फोट हुआ, जिसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक जख्मी को एसकेआईएमएस सौरा रेफर किया गया, ▶10पर

बलूचों को अगवा कर उन्हें मार रही पाकिस्तानी सेना

ग्वादर को बनाया बंधक, इंटरनेट बंद

ग्वादर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना नस्लीय नरसंहार को अंजाम दे रही है। आज पूरा ग्वादर अशांत है। हर तरफ संगीनों का साया है। बलूचियों को देखते ही गोली मार दी जा रही है, विरोध करने वालों को अगवा कर गायब कर दिया जा रहा है। हजारों बलूची नागरिक गलत तरीके से डिटेन कर लिए गए हैं। हाल ही में प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने गोलीबारी की, जिसमें एक व्यक्ति की भी मौत हो गई, तो दर्जनों लोग घायल हो गए। यही नहीं, अब प्रशासन ने बलूच नेताओं को खुलेआम सफाए की धमकी भी दी है,

बलूच में प्रदर्शनकारी

जिसके खिलाफ लोगों ने आवाज उठाई है। अब इस मामले में ग्वादर के मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच ने आवाज उठाई है और ग्वादर में पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों को दुनिया के सामने रखा है। महरंग ने बताया है कि ग्वादर को पूरी तरह से कैद कर लिया गया है, जिसकी वजह से न कोई शह में आ सकता है और न ही बाहर जा सकता है। ▶10पर

पाकिस्तानी ईसाई फराज को दी सिर तन से जुदा करने की धमकी

इस्लामाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। थाईलैंड में लंबे समय से रह रहे पाकिस्तानी ईसाई कार्यकर्ता को कट्टरपंथी संगठनों से सर तन से जुदा करने की धमकी मिली है। फराज ने बताया कि अल्लामा मुहम्मद राशिद मदनी हमदी जामिया दारुल उलूम हमदिया नामक देवबंदी संगठन ने उनकी हत्या करने वाले को 20,000 डॉलर (1674450 रुपए) का इनाम देने की घोषणा की है। कट्टर संगठनों का आरोप है कि फराज परवेज ने पैगंबर मोहम्मद की तस्वीर बनाकर ईशनिंदा की है। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 70,360/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,880/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 21^0

कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में डूबने से तीन छात्रों की मौत का मामला

दिल्ली सरकार जेल में है और सिस्टम सड़ चुका है..!

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में भारी बारिश के बाद लोकप्रिय राव आईएएस कोचिंग सेंटर की इमारत के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की दर्दनाक मौत हो गई। यह दर्दनाक हादसा उस वक्त हुआ जब लाइब्रेरी में बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई कर रहे थे। आनन-फानन में सभी छात्र बाहर निकलने लगे। कुछ छात्रों ने तो अपने आपको बचा लिया, लेकिन तीन छात्र सरकारी सिस्टम और कोचिंग सेंटर की नाकामी के कारण अपनी जिंदगी से हाथ धो बैठे। तीनों छात्र सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। मृतक छात्रों की पहचान तानिया सोनी (तेलंगाना), श्रेया यादव (यूपी) और नेविन डालविन (केरल) के तौर पर हुई है। अन्य छात्रों ने इस दर्दनाक घटना के लिए एमसीडी और कोचिंग संस्थान दोनों को दोषी ठहराया है।

यही नहीं हादसे के बाद दिल्ली सरकार का कोई भी प्रतिनिधि छात्रों से मिलने तक नहीं पहुंचा। इस हादसे को लेकर अखिल

छात्रों का दावा : कम से कम 8 से 10 छात्र मरे

भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आज (28 जुलाई 2024) दिल्ली एमसीडी मेयर शैली ओबेरॉय के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। एबीवीपी ने बिना सुरक्षा मानकों के चल रहे कोचिंग संस्थानों को बंद करने की मांग की। साथ ही इसी सप्ताह पटेल नगर में यूपीएससी छात्र की करंट लगने से मौत जैसे मामलों में दिल्ली सरकार और एमसीडी द्वारा कोई सबक नहीं लेने की निंदा की। शराब घोटाले में जेल में बंद दिल्ली के मुखिया तिहाड़ से दिल्ली की सरकार चला रहे हैं। उनका कोई नुमाइंदा सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आएगा और घड़ियाली आंसू बहाकर किसी और पर दोष मढ़कर चलता बनेगा। जबकि दिल्ली में एमसीडी में भी आम आदमी पार्टी नेतृत्व कर रही है। दिल्ली के सड़ चुके सिस्टम को लोग भी दो-तीन दिन बाद भूल जाएंगे।

स्थानीय लोगों और भाजपा ने एमसीडी की लापरवाही को हादसे का कारण बताया है। उनका कहना है कि बीते कई वर्षों से जलभराव की समस्या है। एमसीडी को भी पता है कि मानसून में जलभराव होता है। इसके बावजूद एमसीडी ने नालों की सफाई नहीं करवाई और न ही मानसून में बारिश से निपटने की कोई तैयारी की गई। नाले की सफाई न होने के कारण इमारत अत्यधिक पानी का दबाव नहीं सह पाई, जिससे पानी अचानक बेसमेंट में भर गया और हादसे में तीनों छात्रों की मौत हो गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और सांसद बांसुरी स्वराज का कहना है कि पिछले 10 दिनों से नालों ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सरकारी स्कूल के बच्चों में 1100 स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु शाखा द्वारा राष्ट्रीय प्रकल्प शिक्षा सब के लिए के अंतर्गत शनिवार को दावणगेरे जिले के हरिहर गांव के करीब 10 सरकारी स्कूलों के करीब 1100 बच्चों में स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। शिक्षा को बढ़ावा देने और शिक्षा सब को मिले, के लिए मायूम बेंगलूरु शाखा पिछले 4 सालों से शिक्षा ऑन व्हील कार्यक्रम के अंतर्गत छोटे गांव और कस्बों के बच्चों में स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री का वितरण कर रहा है।

अब तक 3 साल में मायूम बेंगलूरु शाखा की ओर से करीब 13000 से अधिक सरकारी स्कूल के बच्चों को यह बैग और पाठ्य सामग्री दिया गया है। इस अवसर पर मायूम बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू, पूर्व शाखा अध्यक्ष अंकित कुमार मोदी, शाखा उपाध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल, शाखा सचिव शुभम लोहिया, शाखा कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल और शाखा के करीब सभी सदस्य बड़ी संख्या के साथ उपस्थित रहे। शिक्षा के इस प्रकल्प को साथ देने के लिए मायूम कर्नाटक प्रांत से प्रांतीय उपाध्यक्ष गोपाल कुमार, प्रांतीय सचिव मोहित शर्मा एवं कार्यकारिणी सदस्य श्याम जालान भी उपस्थित रहे। शाखा के वरिष्ठ सदस्य पंकज जालान और मनीष मेहनसरिया भी इस कार्यक्रम में पहुंचे। बैग वितरण कार्यक्रम की सराहना और सहयोग करते हुए, स्थानिक लोगों और सरकारी कर्मचारियों ने भी हिस्सा लिया और मंच टीम को धन्यवाद किया।

इस अवसर पर हरिहरा सरकारी स्कूल के हेड मास्टर सर्वना हेगड़े और मंजुप्पा बिदरी उपस्थित रहे।

स्थानिक सहयोग के लिए हरिहर तालुक के ब्लाक शिक्षा अधिकारी दुर्गप्पा डी, मिड डे मिल अधिकारी रामाकृष्णअप्पा, हरिहर कर्नाटक राज्य एसोसिएशन के अध्यक्ष ए.के.भावेश के साथ कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शिक्षा के इस बैग वितरण कार्यक्रम को सहयोग और बढ़ावा देने के लिए बेलगावी जिला से मारवाड़ मायूम बेलगावी शाखा के अध्यक्ष गोपाल कुमार, उपाध्याय, पूर्व अध्यक्ष अजय हेड़ा और मधुसूदन भट्टड भी उपस्थित रहे। दावनगेरे जिले में 1100 स्कूल बैग के वितरण की शुरुआत 26 जुलाई को दोपहर 4 बजे, लालबाग रोड स्थित प्राइड हुलकल बिल्डिंग से हमेशा की तरह कार रैली को हरी झंडी दिखा कर की गई। इस कार रैली कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाने के लिए बेंगलूरु के मारवाड़ी समाज के कई गणमान्य व्यक्ति, दानदाता, वरिष्ठ सदस्य और प्रसिद्ध उद्योगपति पहुंचे। विशेष अतिथि के रूप में मुरारी लाल सरावगी, सुरेंद्र लाल गोयल, सुभाष बंसल, सतीश गोयल, रतनलाल सिंगल, बिमल सरावगी, संजय जाजोदिया, सचिन पण्डिया, सुनील शाह, गणेश मित्तल, संदीप टेबरेवाल उपस्थित रहे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा सेवा कार्य के अंतर्गत श्री लक्ष्मी रंगनाथ स्कूल में 8 विद्यार्थियों का फीस जमा किया गया। प्रिंसिपल ने इस कार्य के लिए मित्र मण्डल का आभार जताया। प्रायोजक परिवार अरविंद हिमत, पवन मंडोत का सहयोग रहा। इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष महेंद्र टेबा उपाध्यक्ष राजेश चावत, मंत्री कैलाश बोहरा, कोषाध्यक्ष विनोद गांधी, राकेश मारू, प्रकल्प के संयोजक गौतम मुणोत और पारस मेहता उपस्थित थे।*

दक्षिणांचल कन्या कार्यशाला ज्योतिर्मय के बैनर का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के अंतर्गत 3 एवं 4 अगस्त को दक्षिणांचल कन्या कार्यशाला ज्योतिर्मय का आयोजन किया जाएगा। जिसके बैनर का अना-वरण साध्वी श्री सिद्ध प्रभा जी के पावन सानिध्य एवं सकल समाज की उपस्थिति में सोमवार को तेरापंथ भवन में किया गया। साध्वी ने अपने आशीर्वचनों द्वारा महिला मंडल एवं कन्या मंडल को कार्यक्रम के सफलता हेतु शुभकामनाएं प्रदान की। कार्यक्रम

में कार्यशाला की मुख्य निर्देशिका राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य वीणा बैद, संयोजिका प्रेम भंसाली, मंडल की अध्यक्ष मंजू गादिया, मंत्री दीपिका गोखरू, सभा अध्यक्ष मंगल कोचर एवं उनकी टीम, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा एवं उनकी टीम तथा मंडल के सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

योगा और जुंबा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित फिट युवा हिट युवा के अंतर्गत 60 दिन फिटनेस चैलेंज में योगा और जुंबा कार्यक्रम का आयोजन विजयनगर स्थित अर्हम भवन में सोमवार सुबह 6:30 बजे से 7:45 बजे तक किया गया। अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। अभातेयुप उपाध्यक्ष प्रथम पवन मांडोत ने बेंगलूरु स्तरीय फिट युवा हिट युवा कार्यक्रम में सभी का उत्साह वर्धन किया। योगा और जुम्बा ट्रेनर खुशबू बेंगानी ने फिटनेस ट्रेनिंग हेतु योगा और जुंबा का अभ्यास करवाया। साथ ही अभातेयुप निर्देशित एक्सरसाइज भी करवाई।

इस विशेष सत्र में लगभग 70 युवाओं ने भाग लिया। अभातेयुप के फिट युवा हिट युवा के साउथ कन्वेनर राकेश पोखरणा ने व्यायाम में प्रतिदिन जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर तेयुप गांधीनगर अध्यक्ष विमल धारीवाल, टी दासरहल्ली अध्यक्ष कन्हैया लाल गांधी, तेयुप प्रबंध मंडल से विकास बांठिया, अशोक मारू, पवन बैद, कमलेश दक, अमित नाहटा, पंकज कोचर, तेयुप पूर्व अध्यक्ष राजेश चावत, महेंद्र टेबा, अमित दक, श्रेयांस गोलछा, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष पुखराज श्रीश्रीमाल, आदि लोग मौजूद रहे।

कर्मों को भुगते बिना मोक्ष की प्राप्ति संभव नहीं: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा जैन धर्म की जैन परंपरा की मौलिक विशेषताएँ जैन धर्म के सिद्धांतों का आधार बनाती हैं और इन्हें जीवन में अपनाने के लिए महापुरुषों ने कहा है। अहिंसा का महत्व सभी धर्मों में है लेकिन अहिंसा का जितना सूक्ष्म वर्णन जैन धर्म में है उतना किसी धर्म में नहीं है।

जैन धर्म की मौलिक विशेषता कर्म सिद्धांत है जिसे सभी धर्म मानते है। सभी धर्म का मानना है कि आप जो कर्म करते है उसका फल भगवान देता है। महावीर

कहते है कि हमारी दुनिया हम स्वयं ही बनाते है।

चाहे दुःख हो या सुख उसके कर्ता हम स्वयं है। उसके भोक्ता भी हम स्वयं है। कोई भगवान हमे सुख या दुख देने वाले नहीं है। सुख और दुख के निर्माता हम स्वयं है। व्यक्ति दुख से बचना चाहता है लेकिन दुख के कारणों से बचना नहीं चाहता। अध्यात्म रामायण में बताया गया है कि जीवन में सुख और दुख देने वाला और कोई नहीं हम स्वयं है। जीवन में सुख और दुख अपने अपने कर्मोनुसार मिल रहा है। सुख और दुख जीवन की डोर से बंधे हुए है। कर्म अनुसार आते और जाते है। यह जीव आत्मा नरक में जाता है वह किसी अन्य के द्वारा नहीं स्वयं अपने कर्मों से जाता है। वह किसी का निमित्त बन सकता है लेकिन कर्ता स्वयं का होता है। कर्मों के भुगतान के बगैर छुटकारा मिलने वाला नहीं है। महापुरुष कहते है जो भी कर्म करो सोच समझ कर करो। जिस प्रकार हजारों गायों में बछड़ा अपनी माँ को पहचान लेता है उसी प्रकार अनंत आत्माओं में कर्म अपने कर्ता को पहचान लेते है। कर्म ऐसे होते है जो भव भव तक पीछा नहीं छोड़ते। किए हुए कर्मों को भुगते बिना मोक्ष की प्राप्ति संभव नहीं है। जैन धर्म के सर्वोच्च लक्ष्य मोक्ष को प्राप्त करना है तो कर्म के बंधनों से मुक्त होना पड़ेगा।

वास्तव में तृष्णा ही दुख का कारण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने श्री संभवनाथ भवन में सोमवार को प्रवचन देते हुए कहा कि हमारी आत्मा में अनादि काल से सुख प्राप्त करने की तीव्र इच्छा है। सुख प्राप्ति के लिए आत्मा प्रयत्न तो करती है, परंतु उसे आज तक सच्चा सुख नहीं मिल पाया है। यदि ऐसा होता तो आत्मा सच्चे सुख के लिए भटकना बंद कर देती। वास्तव में हम सुख पाने के लिए भौतिक पदार्थों के पीछे दौड़ते है। यदि भौतिक पदार्थ से ही सुख

मिलता तो आज कितने ही लोग सुखी हो जाते, परंतु ऐसा नहीं हुआ है। हमारी आत्मा में इन इन्द्रियों के सुख पाने की जो तमन्ना, इच्छा अथवा तृष्णा कूट कूट कर भरी है, वह भोग की सामग्री द्वारा क्षणिक समय के लिए जब कम होती है, तो हमें ये सुख लगता है। लेकिन जब यही तृष्णा फिर से बढ़ती है, तो फिर से भौतिक सुखों के लिए यह प्रयत्न जारी रहता है और कभी खत्म नहीं होता। वास्तव में तृष्णा ही दुख का कारण है। आत्मा में भोग की तृष्णा है और यदि भोग न मिले तो आत्मा दुखी हो जाती है। भोग केवल उपाधि है, सुख आत्मा में है। बाह्य पदार्थों से सुख नहीं मिलता। बाह्य पदार्थों के उपभोग से अगर अन्दर की तृष्णा शांत न हो तो सच्चे सुख का अनुभव नहीं होगा। तृष्णा के शमन अथवा तृष्णा की शांति में जो सुख का अनुभव है, वह केवल आभासिक या काल्पनिक सुख है। अगर व्यक्ति तृष्णा को ही मिटा दे, संतोषी बन जाए तो वो कभी दुखी नहीं होगा, सदैव सुखी एवं तृप्त रहेगा।

क्रोध जीवन का अभिशाप : धर्म प्रभाजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी धर्मप्रभा जी ने कहा कि क्रोध जीवन का अभिशाप हैं। क्रोध आत्मा का सबसे बड़ा शत्रु हैं। नीतिकारों ने क्रोध को अग्नि की संज्ञा दी हैं।

भगवान महावीर ने श्री प्रश्नव्याकरण सूत्र में क्रोध रूपी कषाय को आत्मा के गुणों के लिये घातक बताते हुए फरमाया है कि क्रोध कषाय व्यक्ति के जीवन से सत्य, विनय, शील और शांति, क्षमादि गुणों का नाश करता हैं। क्रोध प्रीति का नाश करता हैं।

जैसे उचित रूप से मिश्री का प्रयोग व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिये उपयोगी हितकारी सिद्ध होता हैं। वैसे ही अपने जीवन में क्षमा के गुण को धारण करने वाले को सर्वत्र आदर शांति- सुख की

प्राप्ति होती हैं। वह साधक अपने कर्मों की महानिर्जरा करते हुए स्वयं के लिए मुक्ति के मार्ग को प्रशस्त करता हैं। उन्होंने कहा कि सभी संसारी छद्मस्थ प्राणी को गुस्सा आना स्वाभाविक हैं। लेकिन जरुरी यह हैं कि क्रोध करने वाला समय पर अपनी गलती का प्रायश्चित कर ले और भूलों को आगे नहीं दोहराए। प्रारंभ में साध्वी स्नेहप्रभा जी ने अपने सारगर्भित प्रवचन में फरमाया कि जब तक हम अपने जीवन में क्रोध, मान, माया, लोभादि कषायों को कम नहीं करेंगे तब तक व्यक्ति के जीवन में सच्चे सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती हैं। प्रेम प्यार का गुण व्यक्ति के व्यक्तित्व को शक्ति प्रदान करते हुए उसके जीवन में सुख शांति, खुशी का नव संचार करता है। हनुमंतनगर संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि आगामी 3 अगस्त को संघ के तत्वावधान एवं विराजित साध्वी धर्मप्रभा जी की पावन निश्रा में राष्ट्रसंत आचार्य सम्राट आनंद नऋषि जी और श्रमण संघीय उपाध्याय केवल मुनि जी की जन्म जयंती आयंबिल दिवस' के रूप में तप- त्याग पूर्वक मनायी जायेगी।

राज्यपाल से मुलाकात कर किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर की टीम ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से राजभवन में मुलाकात कर उन्हें 9 अगस्त को निर्धारित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। अध्यक्ष वीरा भारती छाजेड़ तलेसरा ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल का बेंगलूरु सेंटर 9 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए टाउनहॉल में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक महेश हार्डवेयर एंड पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड है। उन्होंने बताया कि महेश हार्डवेयर के संस्थापक अशोक रांका ने महावीर इंटरनेशनल के इस कार्यक्रम का समर्थन करने का दायित्व लिया है, जो सेना के विशेष बलों, जो पैराशूट

रेजिमेंट टीम के वीरता पुरस्कार विजेताओं को श्रद्धांजलि देने जा रहा है।

इस कार्यक्रम में सुनील व्यास और विनीत चौहान जैसे प्रसिद्ध कवि भी शामिल होंगे, जो राष्ट्र गौरव पर कविताएँ सुनाएंगे। हितेश मेहता और उनकी टीम द्वारा देशभक्ति के गीत गाकर राष्ट्रभक्ति का जश्न भी मनाया जाएगा। महावीर इंटरनेशनल टीम के वीरा नीलम लालवानी, वीर आशीष बाफना और वीरा काजल ने कहा इस दिन हम राष्ट्र को सम्मान देते हुए ध्वजारोहण और विशेष बलों के सैन्य बैंड द्वारा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। यह एक निःशुल्क कार्यक्रम है, जिसे कृष्णा कैटरर्स द्वारा खाद्य प्रायोजक और अन्य सहायक दाताओं के रूप में प्रायोजित किया गया है।

त्रिशला बहू मंडल राजाजीनगर ने मनाया 10वां स्थापना दिवस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में राजाजीनगर त्रिशला बहु मंडल ने अपना स्थापना दिवस भाषण प्रतियोगिता के रूप में मनाया। अध्यक्ष नीतू लूक्कड़ ने सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों का स्वागत किया। मंत्री ललिता कटारिया ने मंडल की गतिविधियों

के बारे में अवगत कराया, सह मंत्री ममता बागरेचा ने मंडल को और ऊंचाइयों पर कैसे ले जाए बताते हुए अपने विचार प्रकट किये। सलाहकार रेखा श्रीश्रीमाल ने रजिस्ट्रेशन का कार्य संभाला। निर्णायक का कार्य सरला दूगड़ एवं संतोष ललवानी ने संभाला। भाषण प्रतियोगिता में राजाजीनगर के अलावा अन्य क्षेत्रों से भी प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें प्रथम तनु संचेती जयनगर से, द्वितीय प्रियंका कोटरिया अक्कीपेट से और तृतीय विजेता दीक्षिता मेडतवाल राजाजीनगर रहे। त्रिशला बहू मंडल के सभी सदस्यों ने बड़ी शांति एवं उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में संघ के सभी पदाधिकारी, त्रिशला महिला मंडल के पदाधिकारी, युवा मंडल के पदाधिकारी, ब्राह्मणी कन्या मंडल से एवं पाठशाला के सभी टीचर्स उपस्थित हुए। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, महामंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट एवं युवा अध्यक्ष धीरज नाहर की उपस्थिति रही।

बजट आवंटन पर वित्त मंत्री सीतारमण के दावे सच नहीं : सिद्धरामैया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कर्नाटक को बजट आवंटन के बारे में झूठ बोल रही हैं। सीएम ने कहा निर्मला सीतारमण, जो पहले कर्नाटक आई थीं, झूठ बोलकर चली गईं। अब, वह फिर से झूठ बोल रही हैं। वित्त मंत्री सीतारमण ने रविवार को कांग्रेस सरकार के उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि केंद्र ने केंद्रीय बजट 2024-25 में राज्य को खराब सुविधाएं दी हैं। उन्होंने इन आरोपों को झूठा करार दिया। बयानों को खारिज करते हुए सीएम सिद्धरामैया ने मैसूरु में मीडिया से बातचीत में कहा वह (निर्मला सीतारमण) दावा करती हैं कि राज्य को अधिक धन आवंटित किया गया है। हालांकि, 15वें वित्त आयोग में जिस राज्य को अन्याय का सामना करना पड़ा, वह कर्नाटक है। वह राज्यसभा में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने दावा किया है कि उद्योग राज्य छोड़ रहे हैं। सच्चाई यह है कि

भारत में आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 31 प्रतिशत की कमी आई है। यह उनकी नीतियों और कार्यक्रमों के कारण है। ये नीतियां निर्मला सीतारमण ही बनाती हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री कौन हैं? केंद्रीय योजनाओं में राज्य के योगदान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने जवाब दिया कि कर भुगतान के मामले में, कर्नाटक दूसरे स्थान पर है। 2023-24 के केंद्रीय बजट में घोषणा की गई थी कि अपर भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये का अनुदान जारी किया जाएगा। फिर सीएम बसवराज बोम्मई ने भी अपने बजट में इसे दोहराया। क्या उन्होंने इसे जारी किया? सीएम सिद्धरामैया ने कहा हमने इसी कारण से नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार किया था। बैठक में तमिलनाडु, तेलंगाना और भाजपा विरोधी अन्य सरकारों ने भाग नहीं लिया था। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बैठक में भाग लिया, लेकिन बैठक से बाहर चली गईं। अब, वे हमें सिखाना चाहते हैं? उन्होंने कहा वे दावा करते हैं कि हमने ज्यादा ऋण लिया है। हमने राजकोषीय उत्तरदायित्व अधिनियम के तहत ऋण लिया है। ऋण राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के 25 प्रतिशत के भीतर होना चाहिए। केंद्र सरकार ने 15 लाख करोड़ रुपये का ऋण लिया है। कर्नाटक भ्रष्ट नहीं है। जब से हम सत्ता में आए हैं, हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ रहे हैं। इसलिए, हमारी सरकार के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार कम हुआ है। मैं मंत्री एम.बी. पाटिल और प्रियांक खड़गे से निर्मला सीतारमण के आरोपों का विस्तृत जवाब देने के लिए कहूँगा। केंद्र सरकार ने बजट बैठक बुलाई थी, और हमने उन्हें याद दिलाया कि उन्होंने अपर भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। उन्हें हमें धनराशि जारी करनी चाहिए। उन्होंने धनराशि आवंटित नहीं की।

15वें वित्त आयोग की सिफारिश के तहत, राज्य के लिए 5,409 करोड़ रुपये का विशेष अनुदान और परिधीय रिंग रोड के लिए 3,000 करोड़ रुपये का वादा किया गया था। क्या यह बजट में है? सीएम सिद्धरामैया ने कहा जल निकायों के विकास के लिए 3,000 करोड़ रुपये देने का वादा किया गया था। क्या उन्होंने इसे दिया? क्या यह अन्याय नहीं है? उन्होंने कहा उन्होंने आंध्र प्रदेश और बिहार के लिए धन आवंटित किया। कर्नाटक को क्या दिया गया है? केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और निर्मला सीतारमण का दावा है कि कर्नाटक के साथ कोई अन्याय नहीं हुआ है।

क्या कर्नाटक को कोई उद्योग गलियारा दिया गया है?

वे राज्य के हित में और अधिक अनुदान प्रस्तावित कर सकते थे, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। वे मेकेदातु परियोजना के लिए अनुमति प्राप्त कर सकते थे। वे कर्नाटक से चुने गए हैं, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। क्या केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी अपने मांड्या संसदीय क्षेत्र में कोई नया उद्योग लाए हैं? क्या कर्नाटक को कोई उद्योग गलियारा दिया गया है? नहीं। उन्हें राज्य द्वारा मांगी गई धनराशि नहीं दी गई है। हमारे लिए कोई मेकेदातु परियोजना नहीं है। हमने रायचूर में एम्स की मांग की, कोई चर्चा नहीं हुई। हमने मैसूरु या हासन में एक आईआईटी की मांग की। क्या उन्होंने इसे मंजूरी दी है? उन्होंने हमें क्या दिया है? वे कैसे दावा कर सकते हैं कि कर्नाटक के साथ कोई अन्याय नहीं हुआ है?

सांसद ने सीएम से अपने खिलाफ लगे आरोपों को वापस लेने का आग्रह कर किया प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने सोमवार को बेंगलूरु में विधान सौधा में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से भोवी निगम में कथित हेराफेरी के संबंध में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को वापस लेने का आग्रह किया। सांसद पुजारी एक तख्ती लेकर धरने पर बैठे और मुख्यमंत्री से या तो उनके खिलाफ लगे आरोपों को वापस लेने या मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आग्रह किया। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, वरिष्ठ भाजपा नेता और विधायक एस सुरेशकुमार सहित अन्य लोग भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा मैंने सीएम सिद्धरामैया को एक पत्र लिखा था, जिसमें उनसे अनुरोध किया गया था कि या तो मेरे खिलाफ लगाए गए झूठे आरोपों को वापस लें या मामले को सीबीआई को सौंप दें। सीएम सिद्धरामैया की चुप्पी से मैं दुखी हूं। इसलिए मैं विधान सौधा में इस प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन का सहारा ले रहा हूँ।

राज्य के लोगों को इस पर अपना फैसला सुनाने दीजिए। पुजारी ने पहले कहा था कि अगर

उनके खिलाफ लगाए गए आरोप वापस नहीं लिए गए तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे। पुजारी ने चुनौती देते हुए कहा सीआईडी आपके नियंत्रण में है। आप एक साल से सीएम हैं। अगर मैं दोषी हूं, तो आपके पास कार्रवाई करने का अधिकार है, जिसमें कारावास भी शामिल है। फिर भी, आपने कुछ नहीं किया। जब मैं मंत्री था, तब आप विपक्ष के नेता थे और आपने कभी कोई मुद्दा नहीं उठाया। अब, आप वाल्मीकि कांड में शामिल अन्य लोगों से ध्यान हटाने के लिए आरोप लगा रहे हैं। पुजारी ने आगे मांग की पिछली सरकार में भी झूठे मामले सामने आए थे। मेरा नाम घोटाले में घसीटा गया, आरोप लगाया गया कि मैं बोरवेल घोटाले में शामिल था। जब मैं मंत्री था, तब मैंने टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायतों की सीआईडी जांच का आदेश दिया था। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को पुष्टि की है कि मेरे समाज कल्याण मंत्री रहते हुए कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ। उन्होंने कहा है कि एक भी रुपये का दुरुपयोग नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि आप मेरे खिलाफ जानबूझकर आरोप लगा रहे हैं। मैंने स्पष्टीकरण के लिए आपको पत्र लिखा है। आपने मुझ पर भोवी निगम के मामलों के संबंध में आरोप लगाया है। जब सिद्धरामैया पहले सीएम थे, तो उन्होंने कुछ अधिकारियों को नियुक्त किया था जो कदाचार और घोटाले में शामिल थे। मैंने तुरंत उन अधिकारियों को निलंबित कर दिया और मामले की सीआईडी जांच का आदेश दिया।

सिद्धरामैया, शिवकुमार आज दिल्ली के दौरे पर

हाईकमान से करेंगे मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार हालिया राजनीतिक घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में आलाकमान नेताओं से मुलाकात करने के लिए मंगलवार को दिल्ली का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि आलाकमान नेताओं ने पार्टी और सरकार के बारे में चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया है। मुडा मामले को लेकर भाजपा और जेडीएस बेंगलूरु से मैसूरु तक पदयात्रा कर रही है। इसके अलावा प्रवर्तन निदेशालय ने महर्षि वाल्मीकि विकास निगम के अवैध धन हस्तांतरण मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को नोटिस जारी करने का प्रस्ताव दिया है। आलोचनाएं सुनने में आ रही हैं कि यह कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने की कोशिश है। इस पृष्ठभूमि में कांग्रेस

आलाकमान ने राज्य के नेताओं के साथ चर्चा करने का फैसला किया है।

समझा जाता है कि अगर प्रवर्तन निदेशालय कोई नोटिस जारी करता है तो हाईकमान आगे की रणनीति बनाने के लिए विचार-विमर्श करेगा। हाईकमान इसका मुकाबला करने के लिए किस तरह की रणनीति अपनाई जाए?

पार्टी में एकता कैसे कायम रखी जाए? के बारे में सुझाव देगा। भाजपा और जेडीएस के कुछ नेताओं का मानना है कि दिसंबर तक कांग्रेस सरकार गिर जाएगी। पर्दे के पीछे अफवाह चल रही है कि केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे।

यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि इस संबंध में कुछ ऑपरेशन चुपचाप चल रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में अपनाए जाने वाले एहतियाती उपायों के बारे में आलाकमान सिद्धरामैया और डी.के.शिवकुमार के साथ चर्चा करेगा। सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार दो दिवसीय यात्रा के लिए मंगलवार को विशेष विमान से दिल्ली रवाना होंगे।

केंद्र सरकार कर्नाटक की आर्थिक वृद्धि को धीमा करने की कर रही कोशिश: डीके सुरेश

मुडा कांड भाजपा के दिमाग की उपज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व सांसद डीके सुरेश ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार पिछले दरवाजे से कर्नाटक की आर्थिक वृद्धि को कम करने की कोशिश कर रही है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में गुजरात और उत्तर भारत सहित उत्तर भारत के राज्यों को उच्च प्राथमिकता दी गई है। लेकिन दक्षिण भारतीय राज्य पूरी तरह से उपेक्षित हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को बेंगलूरु में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और इस बात पर नाराजगी जताई कि कर्नाटक सरकार ने केंद्र सरकार पर धौंस जमाने की कोशिश की है। जिसके बाद सुरेश ने कहा जीएसटी व्यवस्था लागू होने के बाद यहां का टैक्स केंद्र सरकार वसूलेगी। जब वे देते हैं तो हमें लेना ही चाहिए। हम अब

आयकर प्रणाली में मानक नहीं बढ़ा सकते। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सहयोग नहीं करने की शिकायत करने वाली केंद्र सरकार तब सहयोग की बात नहीं करती, जब वह चुपचाप 3.50 लाख करोड़ का टैक्स वसूल रही है। केंद्र सरकार के इस भेदभाव के विरोध ने दक्षिण भारत के राज्यों में विभाजनकारी भावनाएँ पैदा कर दी हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि तमिलनाडु में इस बारे में काफी चर्चा हुई है। केंद्र से राज्य को मिलने वाली आर्थिक मदद किसी की भीख नहीं है। यह हास्यास्पद है कि यूपीए सरकार के दौरान कम फंडिंग हुई। उन्होंने कहा कि तब के बजट आकार और मौजूदा बजट आकार में काफी अंतर है। दक्षिण भारत का इस्तेमाल केंद्र सरकार सिर्फ वोट जीतने के लिए कर रही है। बाकी कोई सहायता प्रदान नहीं कर रहा है। पिछले दरवाजे से लगातार कर्नाटक के विकास में बाधा डालने की कोशिश की जा रही है। मुडा कांड भाजपा के दिमाग की उपज है। हमारी सरकार 1400 प्लॉट आवंटन मामले की जांच कर रही है। इसी तरह वॉल्मीकि कॉर्पोरेशन के घोटाले सामने आने पर जांच के आदेश दिए गए हैं। भाजपा और जेडीएस पार्टियां राज्य में सक्रिय विपक्षी दलों के तौर पर काम कर चुकी हैं। डीके सुरेश ने इस बात पर आपत्ति जताई कि पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी, जो इस बात पर जोर देते थे कि राज्य का विकास केवल क्षेत्रीय दलों के जरिए ही हो सकता है, ने अब अपना मन बदल लिया है।

10 साल में कर्नाटक के विकास के लिए दो लाख करोड़ से ज्यादा दिए

इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि हमने कर्नाटक का हक कभी नहीं मारा। केंद्र सरकार को लेकर कर्नाटक सरकार काफी गलत जानकारी लोगों को दे रही है। हमने 10 साल में कर्नाटक के विकास के लिए दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा दिए हैं। जबकि यूपीए सरकार ने केवल 81 हजार करोड़ रुपये का बजट दिया था। निर्मला सीतारमण ने कहा कि कर्नाटक को केंद्र सरकार ने काफी बजट दिया है। लेकिन कर्नाटक सरकार लोगों को गलत जानकारी दे रही है। लोगों से कहा जाता है कि कर्नाटक का हक मारा जा रहा है, लेकिन केंद्र सरकार ऐसा नहीं करती। मैं जवाब देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार जो कर रही है, उससे किसी का भला नहीं हो रहा है। न तो केंद्र सरकार का और न ही कर्नाटक के लोगों का। वित्त मंत्री ने कहा कि कर्नाटक को 2004 से 2014 के बीच जब दिल्ली में यूपीए सरकार थी तब दस वर्षों में केवल 81,791 करोड़ रुपये मिले। जबकि 2014 से 24 के बीच पीएम मोदी की सरकार में दस वर्षों के दौरान कर्नाटक को 2,95,818 रुपये मिले। वहीं यूपीए ने महज 60,779 करोड़ रुपये सहायता अनुदान दिया। वहीं पीएम मोदी सरकार ने दस वर्षों में 2,39,955 करोड़ रुपये अनुदान दिया।

मेरी नियुक्ति मेरे पिता से जुड़ी नहीं: ध्रुव पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ध्रुव पाटिल, जिन्हें हाल ही में राज्य वन्यजीव बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया था, ने कहा कि उनकी नियुक्ति उनके पिता, प्रमुख उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल से संबंधित नहीं है। उन्होंने अपने नामांकन का श्रेय पिछले ग्यारह वर्षों में एक संरक्षणवादी और वन्यजीव फोटोग्राफर के रूप में उनके काम को दिया है। वे ममदापुरा संरक्षित वन क्षेत्र में पत्रकारों से बात कर रहे थे, जहां उनके संगठन, सोसायटी फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ प्लांट्स एंड एनिमल्स, ने वन विभाग के सहयोग से दो साल पहले कोटि वृक्ष आंदोलन पहल के तहत 1.36 लाख पौधे लगाए थे। उन्होंने मानव-पशु संघर्ष के अपने अध्ययन और एक वन्यजीव फोटोग्राफर के रूप में अपनी उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया, जिसमें ब्लैक पैंथर और बाघ की दुर्लभ तस्वीरें कैप्चर करना शामिल है। उन्होंने कहा कि उन्होंने वाइल्ड विजयपुरा नामक एक वृत्तचित्र भी फिल्माया है, जिसकी प्रशंसा स्वर्गीय सिद्धेश्वर स्वामीजी ने की थी।

सरकार अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस सरकार राज्य में बसे अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगी और उन्हें उनके संबंधित देशों में वापस भेज देगी। बांग्लादेश से अवैध प्रवासियों के लिए बेंगलूरु के आश्रय स्थल बनने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए परमेश्वर ने कहा कि अधिकारी शहर में अवैध प्रवासियों पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा चाहे वे बांग्लादेश से हों, अफ्रीकी देशों से या किसी अन्य देश से, अगर अवैध प्रवासी यहां आते हैं, तो हम कार्रवाई करेंगे और उन्हें वापस भेज देंगे। हमें संबंधित देशों के दूतावासों और उच्चायोगों को सूचित करना होगा और फिर जब वे देश इस पर सहमत होंगे, तो अवैध प्रवासियों को वापस भेज दिया जाएगा। मैंने पहले सत्र में

एक सवाल का जवाब दिया था और एक बयान दिया था कि मादक पदार्थों से संबंधित मामलों के सिलसिले में राज्य से 150 लोगों को वापस भेजा गया है। बांग्लादेश से कई लोगों को वापस भेजा गया है। उन्होंने बताया कि उन्हें बांग्लादेश की सीमा पर ले जाकर निर्वासित करने के मामले सामने आए हैं। हम सतर्क हैं। अगर अवैध अप्रवासी हैं, तो हम कार्रवाई करेंगे। फर्जी दस्तावेज बनाने वालों को पकड़ा जाएगा और कार्रवाई की जाएगी। युवाओं और छात्रों को प्रभावित करने वाले ड्रग के खतरे के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा पुलिस के पास स्थिति से निपटने के लिए अलग-अलग तरीके और साधन हैं, और वे इनका उपयोग करेंगे। हमने इस संबंध में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। हमारे अधिकारी स्कूलों और कॉलेजों में जाकर जागरूकता पैदा कर रहे हैं। अगर कोई इसमें शामिल पाया जाता है, तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान लगातार चल रहा है।

राज्य में बाढ़ के हालात

लगातार भारी बारिश से लोगों का जीना हुआ बेहाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़, मलनाडु और उत्तर कर्नाटक के हिस्सों में लगातार भारी बारिश के कारण लोगों का जीवन असहनीय हो गया है। पुल डूब गए हैं और संचार कट गया है। सैकड़ों गांव पानी में डूबे हुए हैं। हजारों लोगों को देखभाल केंद्रों में ले जाया गया है। कृष्णा, मालाप्रभा, घटप्रभा, वेदगंगा और दूधगंगा नदियों में बाढ़ आने से सैकड़ों गांव जलमग्न हो गए हैं और लोगों के जीवन की चिंता बढ़ गई है। महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में लगातार मूसलाधार बारिश हो रही है, कृष्णा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और बाढ़ की स्थिति के कारण हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। उत्तरी कर्नाटक कृष्णा, बेलगावी, गोकक बाढ़ से जूझ रहा है और घटप्रभा की बाढ़

के कारण कई गांव जलमग्न हो गए हैं और हिडकल बांध और नविलुतीर्था बांध से पानी छोड़े जाने के कारण हजारों लोगों को देखभाल केंद्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। नदी किनारे के गांव और खेत जलमग्न हो गए हैं और लोग संकट में हैं। कृष्णा नदी की बाढ़ ने चिक्कोडी, अथानी और रायभागा तालुकों को संकट में डाल दिया है। मुसुगुप्पी और आदिभट्टी गांव पूरी तरह से पानी से भर गए, सैकड़ों घर और हजारों एकड़ जमीन जलमग्न हो गई। गोककनगर कोन्नूर शहर बारिश के पानी से भर गया है और लोगों को देखभाल केंद्रों में स्थानांतरित किया जा रहा है। मालाप्रभा नदी और नविलुतीर्थ जलाशय से भारी मात्रा में पानी नदी में बहने के कारण, रामदुर्गा शहर के पास थेरबाजार पुल डूब गया और संपर्क टूट गया और कई परिवार विस्थापित हो गए।

महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने खानपुर तालुका का दौरा कर आस-पड़ोस का निरीक्षण किया और लोगों की समस्याएं सुनीं। जिला कलेक्टर ने देखभाल केंद्रों का दौरा किया और लोगों को बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान की जांच की। लोगों को देखभाल केंद्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। चिक्कोडी तालुक में येदियुर वीरभद्रेश्वर मंदिर पूरी तरह से बाढ़ में डूब गया है, हालांकि तटीय क्षेत्र में बारिश कम हो गई है, लेकिन पश्चिमी घाट में नदियों का जलस्तर कम नहीं हुआ। कावेरी बेसिन में भारी बारिश के कारण बेलगोलम, एडामुरी, बालामुरी और कारेपुर के संरक्षित वन क्षेत्र के साथ रंगनाथिटु पक्षी अभयारण्य में बाढ़ आ गई है, जिससे जलाशय भर गए हैं और नदी में बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा गया है। नदी के किनारे बसे कुछ गांवों के रिहायशी इलाकों में पानी घुसना एक समस्या है।

विपक्षी दलों को धमकी देकर हमारे संघर्ष और मार्च को दबाया नहीं जा सकता: विजयेन्द्र

मैसूरु पदयात्रा की तैयारी बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि विपक्षी दलों को धमकी देकर हमारे संघर्ष और मार्च को दबाया नहीं जा सकता। शहर में सोमवार को आयोजित मैसूरु पदयात्रा की तैयारी बैठक के दौरान बोलते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि हमारे कार्यकर्ता मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार की धमकियों से पीछे नहीं हटेंगे। पूरे प्रदेश की अनुसूचित जाति-जनजाति की ओर से हमारा संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने अनुसूचित समाज का पैसा लूटा है। उन्होंने हजारों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कहा कि अगर हम उनके खिलाफ नहीं लड़ेंगे तो भगवान भी हमें माफ नहीं करेंगे। वाल्मीकि कॉरपोरेशन का सैकड़ों करोड़ रुपये गैर-मौजूद कंपनियों के खातों में स्थानांतरित कर दिया गया। अनुसूचित जनजाति के इस पैसे का बाद में लोकसभा चुनाव में दुरुपयोग किया गया। भाजपा लगातार वाल्मीकि निगम घोटाला और मुडा घोटाला के खिलाफ लड़ती रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुडा में सिद्धरामैया के परिवार द्वारा अधिग्रहित 14 भूखंड मुडा को वापस कर दिए जाएंगे और गरीबों को वितरित किए जाएंगे। तीन से चार हजार करोड़ की जमीन स्वेच्छा से दी गई है। उन्होंने बताया कि मुडा अध्यक्ष मारी गौड़ा को ही सिद्धरामैया ने नियुक्त किया था। फाइल में मुडा अध्यक्ष ने खुद जमीन आवंटित नहीं करने का निर्देश दिया था। जिलाधिकारी ने भी जांच करायी थी। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी गयी है और सरकार ने भी कहा है कि यह सही है। उन्होंने आपत्ति जताई कि सरकार के जमीन नहीं देने के आदेश के बाद भी मुडा आयुक्त ने पर्याप्त जमीन आवंटित कर दी है। उन्होंने कहा कि हमने विधानसभा और विधान परिषद में इस मुद्दे पर दबाव डाला।

राज्य में विकास पूरी तरह से ठप हो गया है। यूनियन बैंक ने सीबीआई को पत्र लिखकर कहा है कि वाल्मीकि कॉरपोरेशन में 187 करोड़ का गबन हुआ है। इसमें सीबीआई जांच की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि सीबीआई जांच कानून के मुताबिक चल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने जो एसआईटी बनाई है, वह सिद्धरामैया जांच टीम है। उन्होंने आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री अहिंदा समाज को धोखा दे रहे हैं। मीडियाकर्मियों के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं के नेतृत्व में पड़ोसी क्षेत्र की निगरानी टीमों का गठन किया गया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि सिद्धरामैया के दामाद को बहुत कम कीमत पर 3.16 एकड़ जमीन मिली है।

उन्होंने पूछा कि क्या यही आपका लोकलुभावनवाद है। उन्होंने बताया कि मुडा द्वारा जब्त की गयी जमीन खरीदी गयी थी। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने अपनी बात रखी और आपत्ति व्यक्त की कि वाल्मीकि निगम द्वारा धन का दुरुपयोग अनुसूचित समुदायों के साथ अन्याय है। मुडा भी एक बड़ा घोटाला है।

उन्होंने बताया कि अनुसूचित सदस्यों के लिए आवंटित 25,000 करोड़ रुपये का इस्तेमाल अन्य उद्देश्यों के लिए किया गया, जो अन्याय है। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री डीवी सदानंद गौड़ा, राज्य के प्रधान सचिव सुनील कुमार, प्रीतम गौड़ा, कुदाची राजीव, नंदीश रेड्डी, पूर्व मंत्री बैरथी बसवराज, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, जिला अध्यक्ष और पार्टी नेता उपस्थित थे।

आत्मा के उद्धार के लिए पुण्यवानी बढ़ाएं: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक में विराजित राजेशमुनि ने प्रवचन में फरमाया कि महापुरुषों की संगत में रहने से हमारा ज्ञानवर्धन होता है और हमारी जीवनशैली भी उच्च स्तर की बन जाती है। सत्संग के सहारे हम सभी 18 पापों से छूट सकते हैं। जिनवाणी की राह पकड़कर अपनी आत्मा के उद्धार हेतु सत्कर्मों से जुड़कर अपनी पुण्यवानी में बढ़ोतरी कर सकते हैं। आत्मा को परमात्मा बनाने का सतत प्रयत्न करना चाहिए। इसके लिए जीवन को विनय रूपी खाद और समता रूपी पानी देकर इस जीवन रूपी खेत को भगवान महावीर की बताई राह पर चलकर हरा-भरा बनाना चाहिए और मोक्ष को पाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। लुणावत ने किया।

हमें दुख में भी समभावों में रहकर इस जीवन रूपी सागर को गुरु रूपी खेवैया के सहारे पार करना है। साधु हमें अपने से नहीं, अपितु धर्म से जोड़ने आते हैं। श्रद्धालुओं के सहारे ही साधु एवं जिनशासन की शोभा बढती है। मुनि ने कहा कि भगवान महावीर का संदेश है कि हमें वर्तमान में जीना है न कि अतीत और भविष्य में। इससे ही जिंदगी में बदलाव आयेगा। विनय, विवेक और समता से जीवन रूपी बाग खिल उठती है। धर्म को धन से अधिक महत्व देने की प्रेरणा देते हुए मुनि ने कहा कि पैसों की गर्मी के कारण आज कुछ लोग धर्म भूलते जा रहे हैं। संघ के सहमंत्री नरेंद्र बेताला ने धन्यवाद दिया। धर्मसभा का संचालन मंत्री छगनमल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दर्शन सोशल एंड कल्चरल अकादमी द्वारा मारथहल्ली स्थित कला ग्राम सभागार में सांस्कृतिक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाल प्रतिभाओं के साथ सम्मानित अतिथि महेंद्र मुणोत एवं अकादमी के अध्यक्ष दर्शन मौजूद रहे।

हिट युवा फिट युवा कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित हिट युवा फिट युवा कार्यक्रम का आयोजन लालबाग बोटानिकल गार्डन में किया गया। उपाध्यक्ष प्रथम राहुल मेहता ने बहुत ही तन्मयता से कायोत्सर्ग करवाया और उनके क्या क्या लाभ हैं बताया। अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी का स्वागत करते हुए सबको नित्य व्यायाम करने की प्रेरणा दी। पूर्व अध्यक्ष गौतम खाब्या, निवर्तमान अध्यक्ष अंकुश बैद, उपाध्यक्ष द्वितीय देवेंद्र आंचलिया, मंत्री संदीप चौधरी, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, सहमंत्री द्वितीय रक्षित लोढा, कोषाध्यक्ष धवल बोल्या, नेत्रदान सलाहकार ललित बोहरा, नेत्रदान सहप्रभारी अशोक गांधी, किशोर मण्डल प्रभारी स्वरूप चोपड़ा, विहार सेवा प्रभारी दीक्षित बाफना, महाश्रमण सुर संगम सहप्रभारी सुरेश कोठारी, एमबीडीडी सहप्रभारी गौतम चावत, संयोजक हर्ष कातरेला, सहसंयोजक मनोज पोरवाड़ आदि ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

मानसून संकट के वर्षों में तमिलनाडु के साथ जल बंटवारे का समाधान है मेकेदातु परियोजना: सिद्धरामैया

कृष्णराज सागर जलाशय में पूजा अर्चना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया का मानना है कि मेकेदातु संतुलन जलाशय परियोजना कर्नाटक की तुलना में तमिलनाडु के लिए अधिक लाभकारी है, तथा संकट के वर्ष में निचले तटवर्ती राज्य के लोगों की सहायता करेगी। मैसूरु के निकट कृष्णराज सागर (केआरएस) जलाशय में कावेरी नदी के इस मानसून में अधिकतम जलस्तर 124.80 फीट पहुंचने पर पारंपरिक धन्यवाद 'बगिना' अर्पित करने के बाद उन्होंने यह बात कही। सिद्धरामैया ने परियोजना के प्रति तमिलनाडु की आपत्तियों को राजनीतिक कारण बताया।

हालांकि कावेरी जल बंटवारे का मुद्दा सर्वोच्च न्यायालय में सुलझा लिया गया है, तथा कर्नाटक को 177.25 हजार मिलियन क्यूबिक (टीएमसी) फीट जल छोड़ना है, लेकिन यह आदेश केवल सामान्य वर्ष के दौरान ही लागू होता है, न कि कम वर्षा वाले वर्ष में। उन्होंने बताया तमिलनाडु को 177.25 टीएमसी फीट पानी का अधिकार है, लेकिन केवल सामान्य मानसून के दौरान।

कर्नाटक ने 2022-23 के दौरान और इससे पहले कई मौकों पर जब भी भारी बारिश हुई, अतिरिक्त पानी छोड़ा, लेकिन यह सब समुद्र में चला गया।

उन्होंने कहा मेकेदातु में संतुलन जलाशय न केवल बेंगलूरु के लोगों की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा, बल्कि संकट के वर्ष के दौरान कर्नाटक को तमिलनाडु को पानी छोड़ने में भी सक्षम करेगा, क्योंकि 65 टीएमसी फीट पानी रोका जा सकता है, जो अन्यथा समुद्र में चला जाता।

उन्होंने मेकेदातु परियोजना के लिए अनुमति नहीं देने के लिए केंद्र की आलोचना की, और भाजपा और जेडी(एस) के सांसदों की संसद में कर्नाटक की चिंताओं को व्यक्त करने में विफल रहने के लिए आलोचना की। सिद्धरामैया ने कहा कि विश्वेश्वरैया नहर सहित फीडर नहरों का आधुनिकीकरण और मरम्मत का काम शुरू किया जाएगा और इसे पूरा किया जाएगा क्योंकि नहरों के अंतिम छोर पर रहने वाले किसानों को पानी नहीं मिल रहा है।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि मेकेदातु पानी के बंटवारे का समाधान है। उन्होंने परियोजना के त्वरित कार्यान्वयन के लिए कांग्रेस द्वारा की गई पदयात्रा को याद किया। इससे पहले सिद्धरामैया ने जलाशय पर 'बगीना' (पारंपरिक धन्यवाद) अर्पित किया। उनके साथ शिवकुमार, कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी, समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा, पशुपालन मंत्री वेंकटेश और अन्य लोग भी थे।

गणमान्य व्यक्तियों ने कर्नाटक के लोगों के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हुए भजनों के बीच प्रार्थना की और बगीना अर्पित किया। मुख्यमंत्री ने बाद में बांध से सटी देवी कावेरी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। बगीना अर्पित करने की परंपरा 2023 में समाप्त कर दी गई क्योंकि कर्नाटक अभूतपूर्व सूखे की चपेट में था और जलाशय में जल स्तर अपनी क्षमता से कम था।

कानून-व्यवस्था की स्थिति के कारण कोई कंपनी नहीं गई: परमेश्वर

वित्त मंत्री सीतारमण के आरोपों का किया खंडन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति के कारण कोई कंपनी राज्य से नहीं गई है। मीडिया को संबोधित करते हुए परमेश्वर ने कहा यहां आने वाली कंपनियों के पास हमेशा एक या दो अन्य विकल्प तैयार रहते हैं। वे कर्नाटक, चेन्नई और महाराष्ट्र पर विचार करेंगे और कर संरचना, बिजली प्राथमिकता और मुफ्त भूमि की उपलब्धता जैसे कारकों के आधार पर तय करेंगे कि उन्हें कहां स्थापित होना है। वे इन मापदंडों के आधार पर अपने निर्णय लेते हैं। उन्होंने कहा अभी तक किसी भी कंपनी ने सरकार को सूचित नहीं किया है कि वे राज्य से बाहर जा रहे हैं। केंद्र सरकार के आरोप सही नहीं हैं। बेंगलूरु शहर देश का गौरव है। यह धारणा कि कर्नाटक में होने के कारण बेंगलूरु की प्रगति रुक सकती है, सकारात्मक विकास नहीं है। बेंगलूरु देश का एक प्रतिष्ठित शहर है। यह एक वैश्विक शहर है और इसे मुंबई और नई दिल्ली की तर्ज पर विकसित किया जाना चाहिए। नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा अगर हम इसमें शामिल होते, तो हम भी पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की तरह नीति आयोग की बैठक से बाहर निकल जाते। सवाल यह है कि आप राज्यों के साथ कैसे पेश आते हैं। संविधान संघीय ढांचे की सुविधा देता है। निर्मला सीतारमण के इस दावे पर कि बजट आवंटन में कर्नाटक के साथ कोई अन्याय नहीं हुआ है और एनडीए के कार्यकाल में उसे अधिक धनराशि मिली है, परमेश्वर ने कहा बजट के कुल आकार पर

विचार किए बिना यूपीए और एनडीए के बजट की तुलना करने का कोई मतलब नहीं है। भाजपा ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को 15,000 करोड़ रुपये आवंटित किए। यह आवंटन किस आधार पर किया गया? हम केंद्र द्वारा आवंटन करने पर आपत्ति नहीं करते हैं क्योंकि उन राज्यों को भी प्रगति करनी चाहिए, लेकिन एक मानदंड होना चाहिए। विकास समान रूप से होना चाहिए। उड़ीसा, बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए क्रमशः 15,000 करोड़ रुपये, 26,000 करोड़ रुपये और 11,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। ये आवंटन किस आधार पर किए गए? कर्नाटक के साथ शुरू से ही सौतेला व्यवहार किया गया है, और यही हम दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम राज्य के लिए उचित आवंटन की मांग करने नई दिल्ली पहुंचे और केंद्र सरकार को बताया कि हम अधिक कर दे रहे हैं और हमें कम पैसे मिल रहे हैं। इतना कुछ होने के बाद भी आप राज्य के साथ अन्याय कर रहे हैं। उन्हें कर्नाटक के लिए 10,000 करोड़ रुपये देने चाहिए थे। उन्होंने घोषणा की थी कि भद्रा परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाएगा, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उस परियोजना में सिंचाई के लिए 5,300 करोड़ रुपये का अनुदान घोषित किया गया था, लेकिन इसे प्रदान नहीं किया गया। उचित समय पर वैध अनुदान नहीं दिए गए। राज्य में अभी बाढ़ है। हमने सूखे के दौरान हुए 36,000 करोड़ रुपये तक के नुकसान के लिए 12,000 करोड़ रुपये मांगे थे। बाद में, उन्होंने लगभग 3,624 करोड़ रुपये जारी किए। निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा था कि मौजूदा कांग्रेस सरकार के तहत कर्नाटक राष्ट्रीय औसत से अधिक मुद्रास्फीति से जूझ रहा है और कानून-व्यवस्था की स्थिति कंपनियों को राज्य से बाहर कर रही है।

पुलिस भाजपा-जेडीएस के पैदल मार्च की अनुमति नहीं देगी, इसे रोकेगी भी नहीं

परमेश्वर ने कहा कि पुलिस मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती सहित भूमि खोने वालों को कथित धोखाधड़ी से भूखंड आवंटित करने के विरोध में विपक्षी भाजपा और जेडीएस के पैदल मार्च की अनुमति नहीं देगी, लेकिन उन्हें रोकेगी भी नहीं। भाजपा और जेडीएस ने कथित मुडा घोटाले को लेकर 3 से 10 अगस्त तक बेंगलूरु से मैसूरु तक एक सप्ताह लंबा पैदल मार्च निकालने का फैसला किया है। परमेश्वर ने कहा हम पदयात्रा (पैदल मार्च) की अनुमति नहीं देंगे, उन्हें (भाजपा-जेडीएस) ऐसा करने दें, हम मना नहीं करेंगे, लेकिन पुलिस विभाग आधिकारिक तौर पर कोई अनुमति नहीं देगा। यहां संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा उन्हें प्रदर्शन करने दीजिए। कई कानूनी मामले होंगे, इसलिए हम अनुमति नहीं देंगे। यहां तक कि जब हमने पदयात्रा की थी (जब भाजपा सत्ता में थी) तब भी हमें अनुमति नहीं दी गई थी। हमने भी (बिना अनुमति के) ऐसा किया था। हम उन्हें नहीं रोकेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या कांग्रेस विपक्ष के पैदल मार्च का मुकाबला करने के लिए कोई योजना बना रही है, परमेश्वर ने कहा कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार रणनीति तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा हमें इसका मुकाबला करना होगा। वे राजनीति कर रहे हैं, इसलिए हमें भी राजनीति करनी होगी। हम पार्टी के माध्यम से ऐसा करेंगे, सरकार का इस्तेमाल करके नहीं।

भारत में बाघों की संख्या 10 साल में 65 फीसदी बढ़ी

10 साल में 2,226 बाघों से 3,682 हो गए

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। देश में बाघों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। वर्ष2014 से लेकर 2024 के बीच देश में बाघों की संख्या 65 फीसदी बढ़ गई है।केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, 2014 में देश के अंदर कुल बाघों की संख्या 2,226 थी, जो अब बढ़कर 3,682 हो गई है।

खास बात है कि बाघों की संख्या के साथ दुनिया में वन्य जीवों के संरक्षण कार्यक्रम में भी भारत का डंका बज रहा है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया के 70 प्रतिशत से अधिक जंगली बाघों का घर भारत ही है। अन्य देशों के मुकाबले भारत में तेजी से वन्य जीवों के संरक्षण पर काम हुआ।

1973 में पहली बार सरकार ने टाइगर रिजर्व बनाने का ऐलान किया था। शुरुआती चरण में देशभर में नौ टाइगर रिजर्व बनाए गए थे। इनमें कॉर्बेट (उत्तर प्रदेश), पलामू (बिहार), सिमिलिपाल (ओड़ीशा), सुंदरवन (पश्चिम बंगाल), मानस (असम), रणथंभौर (राजस्थान), कान्हा (मध्य प्रदेश), मेलघाट (महाराष्ट्र) और बांदीपुर (मैसूर) शामिल हैं। हाल ही में सरकार ने मध्य प्रदेश में वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की घोषणा की है। इसी के साथ देश में अब कुल 54 टाइगर रिजर्व हो गए हैं।

देश में बढ़ती बाघों की संख्या

2006	–	1,411
2010	–	1,706
2014	–	2,226
2018	–	2,967
2023	–	3,682

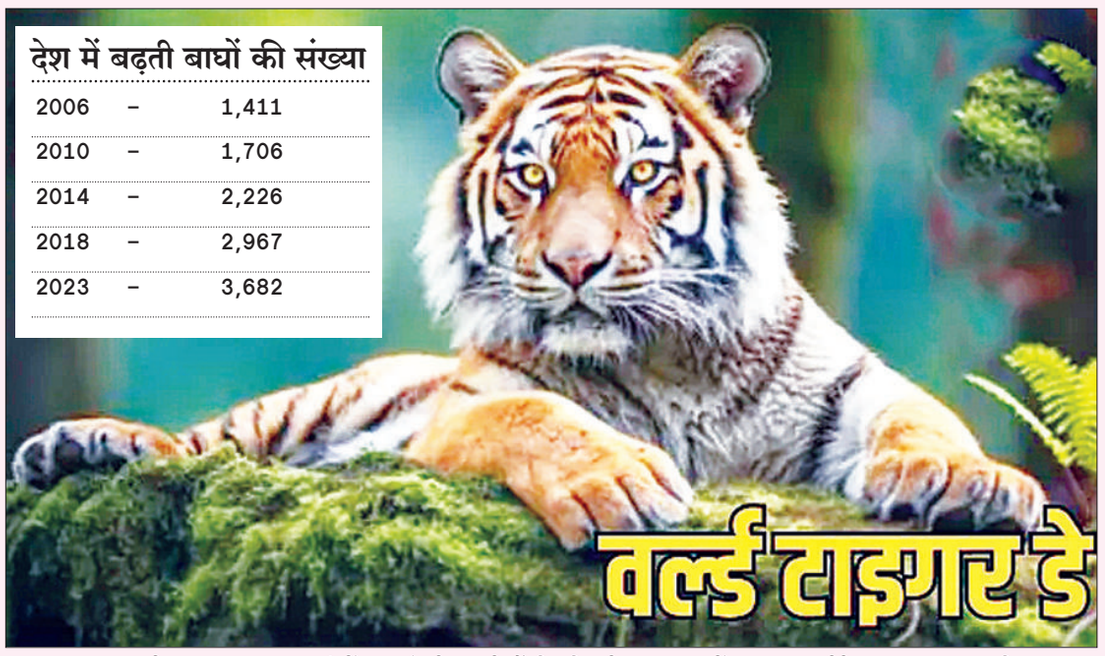

सरकार बाघ के साथ अन्य वन्य जीवों के संरक्षण पर भी काम कर रही है। अप्रैल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस यानी आईबीसीए की नींव रखी। इसकी शुरुआत बाघ, शेर, तेंदुए, हिम तेंदुए, चीता, जगुआर और प्यूमा, यानी बिग कैट्स के संरक्षण के लिए हुआ है। यह एलाइंस बाघ सहित अन्य बड़ी बिल्लियों और उनकी कई लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण में बड़ी भूमिका निभा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले दस साल में भारत में न केवल बाघों की आबादी में बढ़ोतरी हुई है, बल्कि उन्हें अनुकूल वातावरण भी मिला है। दुनिया के केवल 2.4 प्रतिशत भूमि क्षेत्र के साथ भारत, वैश्विक जैव विविधता में लगभग 8 प्रतिशत योगदान देता है।

1969 से वन्य जीवों के संरक्षण की दिशा में सरकार ने काम करना शुरू किया। सबसे पहले वन्य जीवों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया। 1972 में वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया गया। 1973 में केंद्र सरकार ने बाघ परियोजना शुरू किया। 2006 में सरकार ने वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट में बड़े बदलाव किए और वन्य जीवों के संरक्षण को और मजबूती प्रदान की। 2010 में पहली बार सरकार ने ऐलान किया कि हर 29 जुलाई को वर्ल्ड टाइगर डे मनाया जाएगा। 2023 में पीएम मोदी ने इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस यानी आईबीसीए की नींव रखी।

दो अक्टूबर को राजनीतिक दल की घोषणा करेंगे पीके

प्रशांत किशोर का दावा : एक लाख सदस्य जुटेंगे

पटना, 29 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले चुनाव रणनीतिकार से राज-नेता बने प्रशांत किशोर ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने की घोषणा कर दी है। प्रशांत किशोर ने रविवार को घोषणा की है कि वह 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर नई राजनीतिक पार्टी शुरू करेंगे। उनकी घोषणा का सबसे महत्व-पूर्ण पहलू यह है कि वह बिहार विधानसभा चुनाव से पहले अपनी राजनीतिक पार्टी शुरू करेंगे।

पटना के बापू सभागार में जन सुराज अभियान के दौरान पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि पार्टी की आधारशिला 2 अक्टूबर को रखी जाएगी। उनकी पार्टी की शुरुआत एक लाख से अधिक लोगों की सदस्यता के साथ होगी। चुनाव रणनीतिकार ने यह भी बताया कि वह पार्टी का नेतृत्व करेंगे। इन नेताओं को उनके संबंधित विधानसभा क्षेत्रों से चुना जाएगा। इस दौरान प्रशांत किशोर ने 2025 में बिहार में विधानसभा चुनाव जीतने का भरोसा जताया।

पटना में आयोजित इस बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की पोती डॉ. जागृति समेत तीन बड़े नाम भी उनके जन सुराज अभियान में शामिल हुए। 2024 के लोकसभा चुनाव में बक्सर से निर्दलीय उम्मीदवार आनंद मिश्रा ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। उन्होंने प्रशांत किशोर के प्रयासों की सराहना की। प्रोफेसर रामबली सिंह चंद्रवंशी ने भी प्रशांत किशोर के राज्य में विकास लाने के उद्देश्य से प्रभावित होकर जन सुराज अभियान की सदस्यता ग्रहण की। जेएसपी ने बताया, 2 अक्टूबर 2024 को जन सुराज अभियान एक राजनीतिक दल का गठन करने जा रहा है।

नई पार्टी की तैयारी के लिए पूरे बिहार में अभियान से जुड़े 1.5 लाख से अधिक पदाधिकारियों की कुल 8 अलग-अलग राज्य स्तरीय बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इन बैठकों में सभी पदाधिकारियों के साथ पार्टी के गठन की प्रक्रिया, उसका नेतृत्व, संविधान और पार्टी की प्राथमिकताएं तय की जानी है। पहली बैठक 28 जुलाई को पटना में आयोजित हुई। इस बैठक में सभी जिला और प्रखंड स्तर के पदाधिकारी शामिल हुए। दूसरी बैठक 4 अगस्त को होगी, जिसमें जन सुराज से जुड़े सभी युवा पदाधिकारी भाग लेंगे।

किरायेदारों का ब्यौरा नहीं देने पर 11 मकान मालिकों पर केस

जम्मू, 29 जुलाई (ब्यूरो)। जम्मू संभाग के जिला सांबा में मकान मालिकों द्वारा अपने किरायेदारों का विवरण नहीं नहीं देने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत सांबा, विजयपुर और राजपुरा पुलिस थानों में 11 मामले दर्ज किए गए हैं।

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू में किरायेदारों और घरेलू सहायकों की आड़ में आवासीय क्षेत्रों में राष्ट्र विरोधी तत्वों के रहने के कई मामले सामने आने के बाद सत्यापन प्रक्रिया शुरू की गई। इस अभियान के दौरान भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत सांबा, विजयपुर और राजपुरा पुलिस थानों में 11 मामले दर्ज किए गए हैं। सांबा जिला मजिस्ट्रेट ने पहले ही मालिकों को किराएदारों का पुलिस सत्यापन करवाने के आदेश जारी कर दिए हैं। बावजूद इसके कुछ मकान मालिक अपने किरायेदारों की ब्यौरा नहीं दे रहे हैं।

पुलिस का मानना है कि किरायेदारों का वेरिफिकेशन नहीं होने के चलते राष्ट्र विरोधी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, क्योंकि आतंकवादी किरायेदारों के रूप में रहकर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। वहीं, पुलिस ने निवासियों से अपील की है कि वे आगे आएं और अपने किरायेदारों और घरेलू सहायकों का पूरा विवरण अपने निकटतम पुलिस स्टेशन को उपलब्ध कराएं और समय पर सत्यापन करवाएं।

दाऊद शेख ने यशश्री को चाकुओं से क्षत विक्षत कर डाला

नवी मुंबई, 29 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में लगभग 20 वर्षीय युवती की चाकू से गोद-गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई है। यशश्री शिंदे के रूप में पहचानी गई युवती का वीभत्स शव उरण रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में मिला है। पहचान मिटाने के लिए उसके चेहरे को कुचल दिया गया था। उसके निजी अंगों से लेकर शरीर पर जगह-जगह चाकू गोदे गए थे। हत्या का आरोप उसके जानकार दाऊद शेख पर है, जो फिलहाल फरार है।

नवी मुंबई के पुलिस उपायुक्त विवेक पानसरे ने बताया कि पुलिस को 27 जुलाई की रात करीब दो बजे फोन आया कि उरण रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में एक लड़की का शव मिला है। शव पर कई चोट के निशान और चाकू से वार के निशान हैं। इससे पता चलता है कि उसकी बहुत बेरहमी से हत्या की गई है। उधर यशश्री की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज थी। बाद में परिजनों ने यशश्री को कपड़ों से पहचाना। जानकारी के मुताबिक, यशश्री के प्राइवेट अंगों पर काफी वार किए गए हैं। उसके हाथ-पैर तोड़ दिए गए हैं। पीठ और पेट पर धारदार हथियार से कई वार किए गए हैं। उसकी छाती पर भी काफी निशान हैं। चेहरे को भी बुरी तरह कुचल दिया गया है। यशश्री के शव के बाल भी काट दिए हैं। शव के कपड़े भी फटे हुए मिले हैं। हत्या से पहले उसके साथ रेप हुआ है या नहीं, इसके लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

मृतका के पिता सुरेश शिंदे ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उनकी पत्नी ने 25 जुलाई को नवी मुंबई के उरन पुलिस स्टेशन में उनकी बेटी यशस्वी शिंदे के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने इसमें मामला दर्ज करते हुए खोजबीन शुरू की। इसी बीच रेलवे स्टेशन के पास एक युवती का कुचला शव मिला और उसके कपड़ों ने परिजन ने यशश्री के रूप में पहचान की।

दरअसल, मृतक यशश्री उरण की रहने वाली थी और बेलापुर में एक कॉल सेंटर में काम करती थी। वह 25 जुलाई 2024 को सुबह घर से निकली, लेकिन वापस घर नहीं लौटी।

हर जगह खोजने के बाद परिजनों ने थक-हार कर पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो उसे अंतिम बार लगभग 1:30 बजे उरण मार्केट एरिया में देखा गया।

पुलिस ने उसके कॉल रिकॉर्ड खंगाला तो उसके सीडीआर से पता चला कि मृतका का एक नंबर पर लगातार घंटों बातचीत करती थी। यह नंबर दाऊद शेख नाम के लड़के का है। गुमशुदगी के दौरान पुलिस को अंदेशा हुआ कि यशश्री कहीं-कहीं भागकर दाऊद शेख के साथ चली गई है। हालांकि, पुलिस को पता चला कि जिस दिन से लड़की गायब है, उसी दिन से उसका फोन भी बंद है।

पुलिस ने दाऊद शेख का बैकग्राउंड खंगाला तो पता चला कि यशश्री और उसके परिवार ने साल 2019 में उसके खिलाफ पॉक्सो केस में एफआईआर दर्ज करवाई थी। लड़की के परिजनों ने दाऊद शेख को यशश्री के साथ गलत हरकत करते हुए देख लिया था। उस समय यशश्री नाबालिग थी।

इसके बाद पॉक्सो में मामला दर्ज करते हुए पुलिस ने दाऊद शेख को गिरफ्तार कर लिया था। लंबे समय तक जेल में रहने के बाद जब दाऊद शेख बाहर आया तो कहा जाता है कि वह कर्नाटक चला गया था। पुलिस को यह भी आशंका है कि वह जेल से निकलने के बाद यशश्री से बदला लेना चाहता था। इसके लिए उसने यशश्री को फिर से अपने चंगुल में फंसाने की कोशिश की। रिपोर्ट के मुताबिक, उसने यशश्री से बार-बार माफी मांगी और फिर से दोस्ती करने के लिए आग्रह किया।

यशश्री उसकी बातों में आ गई और दोनों के बीच फिर से बातचीत होने लगी। दाऊद और यशश्री घंटों बातें किया करते थे। पुलिस इस सवाल में उलझी हुई हुई है कि क्या वाकई दाऊद बदला लेने के लिए नाटक किया था या कुछ और था। यदि दाऊद को यशश्री से मोहब्बत थी तो ऐसा क्या हुआ कि उसने इतनी बेरहमी से यशश्री की हत्या कर दी। दाऊद शेख भी उरण का ही रहने वाला है। जांच में यह भी पता चला है कि घटना के दिन दाऊद की लोकेशन उरण में थी। इसलिए आशंका जताई जा रही है कि उसने कर्नाटक से उरण आने के बाद यशश्री को बुलाया और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी और भाग गया। हालांकि, हत्या की असली वजह उसकी गिरफ्तारी के बाद ही पता चल पाएगा। पुलिस फिलहाल उसकी जोर-शोर से तलाश कर रही है। एक टीम कर्नाटक भेजी गई है।

मौसम परिवर्तन से परेशान हैं कश्मीरी

जम्मू, 29 जुलाई (ब्यूरो)। पल-पल बदलते मौसम के कारण कश्मीरी बहुत परेशान हैं। उन्हें सबसे अधिक चिंता बढ़ती गर्मी से है जिसके कारण उनके जीवन का हर पहलू प्रभावित हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन, जो तापमान और मौसम के पैटर्न में दीर्घकालिक बदलावों की विशेषता है, कश्मीर में गर्मी की लहर को तेज कर रहा है और इसके लोगों की आजीविका को खतरे में डाल रहा है।

विशेषज्ञ कहते हैं कि किसान, जिनका भरण-पोषण बागवानी और कृषि क्षेत्रों पर निर्भर करता है, सिंचाई के पानी की कमी और लीफ माइनर जैसी बीमारियों के बढ़ते जोखिम के कारण विशेष रूप से परेशान हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव बढ़ने की संभावना है, जिसके प्रभावों को कम करने के लिए अनुकूलन उपायों की आवश्यकता है।

पत्रकारों से बात करते हुए, पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. आमिर हुसैन भट ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जिसके परिणामस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग हुई है, अत्यधिक गर्मी का प्राथमिक चालक है, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर उच्च तापमान की सूचना दी गई है। उन्होंने कहा कि अन्य योगदान देने वाले कारकों में वनों की कटाई, शहरीकरण, प्रदूषण और कम बर्फ कवर शामिल हैं। शहरीकरण के कारण हरे भरे स्थानों की कमी से गर्मी पैदा होती है, जबकि वन कवर में कमी से जलवायु विनियमन बाधित होता है। वाहनों और उद्योगों से निकलने वाले उत्सर्जन से ग्रीनहाउस प्रभाव बढ़ता है, तापमान बढ़ता है और बर्फ का आवरण कम होने से समग्र तापमान विनियमन प्रभावित होता है।

एक अन्य पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. मुहम्मद सुल्तान कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन से चरम घटनाएं होती हैं। इसका मतलब है कि सर्दियों में अत्यधिक ठंडे तापमान वाले क्षेत्र गर्म हो सकते हैं, और गर्मियों में गर्म तापमान वाले क्षेत्र और भी गर्म हो सकते हैं। जबकि पहले भी गर्मी की लहरें आती रही हैं, जलवायु परिवर्तन से उनकी आवृत्ति में वृद्धि होने की संभावना है। उदाहरण के लिए, यदि पहले गर्मी की लहरें एक दशक में दो बार आती थीं, तो भविष्य में वे एक दशक में पांच से छह बार आ सकती हैं, साथ ही सूखे, तूफान और असमान वर्षा वितरण भी हो सकता है।

डॉ. सुल्तान कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण असमान वर्षा वितरण हुआ है, जो कृषि और बागवानी क्षेत्रों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। वर्षा की परिवर्तनशीलता बढ़ गई है, अब वर्षा तीन महीनों में फैलने के बजाय कम अवधि में हो रही है। यह परिवर्तनशीलता बाढ़ की ओर ले जाती है, जिससे सतही और भूजल दोनों संसाधन प्रभावित होते हैं। इन प्रभावों को कम करने के लिए, विशेषज्ञों ने शमन और अनुकूलनशीलता उपायों का आह्वान किया है। वे अधिक पेड़ लगाने, जल संरक्षण करने, उचित अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से अपशिष्ट को कम करने और पुनर्चक्रित करने, ऊर्जा की बचत करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने की सलाह देते हैं। इन कार्यों को करके, उनका मानना है कि एक स्थायी कश्मीर हासिल किया जा सकता है, और पर्यावरण को भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया जा सकता है।

गर्मी इस बार कश्मीरियों की जबरदस्त वाट लगा रही है। हालत यह है कि 132 सालों के बाद कश्मीर में सबसे गर्म रात के बाद प्रशासन को स्कूलों में दो दिनों के अवकाश की घोषणा करनी पड़ी है। अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में लगातार दूसरी रात 24.8 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ मौसम की सबसे गर्म रात दर्ज की गई। स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमान कर्ता फैजान आरिफ केंग ने बताया कि श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.0 डिग्री सेल्सियस अधिक था।

वे कहते हैं कि यह 26 जुलाई 2021 को दर्ज किए गए 24.8 डिग्री सेल्सियस के दूसरे सबसे अधिक न्यूनतम तापमान के बराबर है, जबकि 21 जुलाई 1988 को दर्ज किया गया न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस सबसे ऊपर है। हालांकि मौसम वैज्ञानिकों ने भविष्यवाणी की है कि जम्मू-कश्मीर में आज से तापमान में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिलेगी। यही कारण था कि लगातार पड़ रही भीषण गर्मी के बीच कश्मीर संभाग प्रशासन ने रविवार देर रात को सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में प्राथमिक स्तर तक के छात्रों के लिए 29 और 30 जुलाई को कक्षाएं स्थगित करने का आदेश दिया था।

संभागीय आयुक्त कश्मीर वी के बिधूड़ी द्वारा जारी आधिकारिक आदेश में हालांकि कहा गया है कि उन स्कूलों में शिक्षण कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर आते रहेंगे। अधिकारियों के अनुसार बिधूड़ी ने एक आदेश में कहा कि कश्मीर में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी दोनों स्कूलों में प्राथमिक स्तर तक के छात्रों के लिए 29 और 30 जुलाई 2024 को कक्षाएं स्थगित रहेंगी। हालांकि, सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी हमेशा की तरह अपनी ड्यूटी पर आते रहेंगे।

संविधान विरोधी छवि खत्म करने की मुहिम चलाएगी

अब विपक्ष के एजेंडे पर चल पड़ी भाजपा

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। विपक्ष की ओर से भाजपा को लेकर बनाई गई आरक्षण और संविधान विरोधी छवि को ध्वस्त करने के लिए भाजपा शासित राज्य बड़ी मुहिम चलाएंगे। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने अपने मुख्यमंत्रियों को सरकार और संगठन के बीच हर स्तर पर समन्वय बनाने का सख्त निर्देश दिया है। भाजपा शासित राज्यों को रोजगार पर विशेष ध्यान देने, केंद्रीय योजनाओं को युद्धस्तर पर जमीन पर लागू करने और धार्मिक-सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने को भी कहा गया है।

भाजपा शासित राज्यों के 13 मुख्यमंत्रियों और 15 उपमुख्यमंत्रियों की बैठक दूसरे दिन रविवार को भी हुई। इसमें त्रिपुरा के आमार सरकार कार्यक्रम, असम में एक लाख युवाओं को नौकरी देने की योजना, यूपी सरकार की ग्रामीण सचिवालय योजना, गुजरात सरकार की सौर ऊर्जा निर्माण और बिहार सरकार के अवैध खनन पर रोक अभियान की जमकर तारीफ हुई। सरकार और आम लोगों के बीच सीधे जुड़ाव और युवाओं की नाराजगी खत्म करने के लिए अन्य राज्यों से भी भविष्य में ऐसे ही प्रयास करने का आह्वान किया गया है।

बैठक में सबसे अधिक जोर

सरकार और संगठन के बीच समन्वय को लेकर रहा। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि समन्वय हर स्तर पर और हर हाल में होना चाहिए। राज्य की योजनाओं के प्रचार, प्रसार और उचित लोगों तक पहुंच के लिए सरकार संगठन को माध्यम बनाएं।संगठन से फीडबैक लेकर नई नीति और योजना बनाई जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के लिए विरासत का विकास और विकास की विरासत को हथियार बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें अधिक मजबूती से लोक कल्याण के लिए समन्वित प्रयास करती हैं तो विकसित भारत का लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल होगा। मुख्यमंत्री परिषद के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को 5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाने के लिए विकास कार्यक्रमों में जनभागीदारी पर और अधिक बल देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी और परिवर्तनकारी सरकारी योजनाओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों का उपयोग करें। हर योजना लक्षित लाभार्थी वर्ग तक पहुंचे, इसकी सशक्त प्रणाली बनाएं।

मुख्यमंत्रियों से अयोध्या, काशी विश्वनाथ और उज्जैन कॉरिडोर की तर्ज पर राज्य से जुड़े धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के महत्व को अपने एजेंडे में प्राथमिकता के तौर पर लेने का निर्देश दिया गया। कहा गया कि राज्य सरकारें ऐसे स्थलों का विकास करें। कोई प्राचीन धरोहर है तो तत्काल उसकी मरम्मत करे। बैठक में विपक्ष की ओर से मोदी सरकार और भाजपा के खिलाफ बनाई गई संविधान और आरक्षण विरोधी धारणा पर लंबी चर्चा हुई। राज्य सरकारों को इस धारणा को तोड़ने के लिए वंचित वर्ग से जुड़ी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने, कांग्रेस के आपातकाल पर चर्चा कराने की रणनीति बनी।

पीएम मोदी ने इस दौरान मुख्यमंत्रियों की हौसला अफजाई भी की। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणाम से निराश होने की जरूरत नहीं है। पार्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया है। राज्य सरकारें पहले की तरह सुशासन और विकास पर ध्यान दें। वंचित और गरीब लक्षित योजनाएं बनाएं। इससे जुड़ी पूर्व में चल रही योजनाओं को सफलतापूर्वक जमीन पर उतारें। बैठक में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई शिक्षा नीति पर प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि इस नीति को जमीन पर उतारने के लिए राज्य सरकारों को किस तरह की भूमिका अपनानी चाहिए। उन्होंने इस संदर्भ में राज्य सरकारों को अपनी अपेक्षाओं से भी अवगत कराया। पीएम ने पार्टी शासित राज्यों से नया सोचने और लगातार नया करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए सत्ता शासन का जरिया नहीं, बल्कि जनकल्याण है। भाजपा का लक्ष्य वंचित, गरीब, किसान, महिलाओं का उत्थान करना है। इन्हें देश के विकास का सही अर्थों में सा-झीदार बनाना है। ऐसे में राज्य सरकारें इन्हें ही केंद्र में रखकर नया करने की सोचें और नया करें। नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं के माध्यम से इनके जीवन स्तर में बदलाव लाने के लिए जीजान से जुट जाएं।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का सुरक्षित ठिकाना बना यूपी

रायबरेली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

सलोन में फर्जी प्रमाणपत्रों के बांग्लादेशी और रोहिंग्या कनेक्शन का मामला नया नहीं है। जिला पहले भी घुसपैठियों और आतंकियों का सुरक्षित ठिकाना बना रहा। अब कानपुर और उन्नाव के रास्ते रोहिंग्या भी यहां आने लगे हैं। ऐसे में यहां की संवेदनशीलता बढ़ती जा रही है। करीब 20 हजार फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले ने रायबरेली को पूरे देश में चर्चा में ला दिया है। अभी तक की जांच में पता चला है कि पकड़ा गया सीएससी संचालक जीशान तो बस मोहरा मात्र है।

असल वजीर कोई और है, जिसकी शह पर सारा खेल हुआ है। भाजपा विधायक अशोक कुमार इसे आतंकी साजिश बता चुके हैं, वहीं हिंदू संगठन भी इसमें आतंकियों के शामिल होने का आरोप लगाकर रोष जता चुके हैं।

रायबरेली 90 के दशक में लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन और डी-2 गैंग का सेफ जोन रहा है। 1992 में आतंकी अब्दुल करीम टुंडा रायबरेली आया था। इसी तरह हिजबुल मुजाहिदीन का एरिया कमांडर बिलाल अहमद भी रायबरेली के खिन्नी तल्ला में शरण ले चुका था। रायबरेली की खुफिया एजेंसी इस दौरान इन दोनों को नहीं ढूंढ़ सकी। उनके पनाहगार कौन थे? इस पर जिम्मेदारों ने चुप्पी साध ली। कभी कार्रवाई की जहमत नहीं उठाई।

सलोन क्षेत्र हमेशा से संवेदनशील रहा है। कमजोर खुफिया तंत्र का फायदा उठाकर कानपुर से उन्नाव और सलोन में लश्कर-ए-तैयबा का कमांडर इमरान अंसारी सक्रिय रहा। किसी तरह से एटीएस ने उसे 2006 में पकड़ा, लेकिन इमरान को पनाह किसने दी? इसकी पड़ताल नहीं हो सकी। इसी तरह बछरावां डी-2 गैंग का सेंटर रहा है। जब मुंबई में डी-2 गैंग का असर कम हुआ तो कानपुर के डी-39 गैंग के सदस्यों ने यहां पैर जमा लिए। खुफिया विभाग को इसकी भनक तक नहीं लगी।

आतंकियों को लिए प्रदेश में कानपुर कमांड सेंटर सरीखा रहा है। कानपुर में नई सड़क, बेकनगंज, फेथफुलगंज, तलाकमोहाल, बजरिया, मूलगंज ऐसे इलाके हैं, जहां पर दाउद और टाइगर मेनन जैसे आंतकियों के कनेक्शन रहे हैं। 90 के दशक से ही कानपुर से दाउद के गुर्गों ने उन्नाव की ओर रुख किया और शुक्लागंज से कटरी के गांवों में पैठ बनाई। समय जैसे-जैसे बीता तो कानपुर का जाजमऊ घुसपैठियों का बड़ा सेंटर बना। राजनीतिक सरपरस्ती ने भी इनका काम आसान किया। जाजमऊ से शुक्लागंज होते हुए बांग्लादेशियों और रोहिंग्या ने उन्नाव शहर में भी अपने रिहाइश का इंतजाम कर लिया। 2021 में एसटीएफ ने रोहिंग्या की घुसपैठ की आशंका में उन्नाव नगर पालिका के दस्तावेजों को खंगाला, जिसमें अहम जानकारी हाथ लगी थी। उन्नाव के रास्ते खीरों होते हुए घुसपैठिए बिना किसी रोक के रायबरेली में पैर जमाने में लगे हैं। सलोन फर्जी प्रमाणपत्र प्रकरण भी इसी का एक हिस्सा है।

18 जुलाई को यूपी एटीएस ने जन सेवा केंद्र संचालक जीशान खान, सुहैल, रियाज खान और वीडीओ विजय बहादुर यादव से अलग-अलग पूछताछ की थी। सूत्रों के अनुसार इस दौरान एक बड़ नेटवर्क की जानकारी हाथ लगी है, जो बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को जगह-जगह बसाने में लगा है। कानपुर, उन्नाव, प्रयागराज, लखनऊ में भी इसी तरह का खेल चल रहा है। इसके बाद एटीएस बिहार, असम, कर्नाटक, केरल, मुंबई तक के तार जोड़ने में लगा है।

रायबरेली के एएसपी नवीन कुमार सिंह ने कहा, खुफिया तंत्र सक्रिय है। फर्जी प्रमाणपत्र मामले में पुलिस की जांच चल रही है। जिले की सीमाओं पर भी जांच होती है और साथ ही पुलिस घरों का सर्वे भी करती है। पूर्व डीजीपी बृजलाल ने इस बारे में कहा, फर्जी प्रमाणपत्र के मामले में एटीएस जांच कर रही है तो कई राज खुलकर सामने आएंगे। मैं एटीएस का फाउंडर रहा हूं तो मुझे मालूम है कि एटीएस इस तरह की घटनाओं का खुलासा पूरी जड़ से करती है। एटीएस अपना काम बखूबी करती है। समय लग सकता है। कारण जांच बड़े स्तर पर चलती है। घुसपैठ को रोकने के लिए स्थानीय पुलिस को अपना नेटवर्क तेज करना होगा। इसके लिए खुफिया तंत्र बहुत सक्रिय होना चाहिए।

रोहिंग्या-बांग्लादेशियों को सर्टिफिकेट देता था जीशान

रायबरेली, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के कई जिले रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुस्लिमों के पनाहगाह बन गए हैं। कानपुर के बाद उन्नाव एवं रायबरेली में रोहिंग्या मुस्लिमों को बसाने वाले तंत्र के खुलासे के बाद शासन-प्रशासन और खुफिया एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। करीब 20,000 फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनाने के मामले में गिरफ्तार जीशान और ग्राम विकास अधिकारी विकास यादव ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।

यूपी एटीएस की जांच में अभी तक पता चला है कि पकड़ा गया सीएससी संचालक जीशान बस मोहरा है। इस पूरे खेल का असली सूत्रधार कोई और है। सूत्रधार के इशारे पर ही ये सारा खेल हुआ है। भाजपा के स्थानीय विधायक अशोक कुमार ने इसे आतंकी साजिश बताया है। 18 जुलाई को यूपी एटीएस ने जनसेवा केंद्र संचालक जीशान खान, सुहैल, रियाज खान और वीडीओ विजय यादव से अलग-अलग पूछताछ की थी। इस दौरान एटीएस को एक बड़े नेटवर्क की जानकारी मिली। यह नेटवर्क बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुस्लिमों को जगह-जगह बसाने में लगा हुआ है। कानपुर, उन्नाव, प्रयागराज, लखनऊ में भी इस तरह का खेल चल रहा है।

एटीएस इस मामले में बिहार, असम, कर्नाटक, केरल, मुंबई तक के तार जोड़ने में लगी हुई है। पुलिस को पता चला है कि इन लोगों को 20 हजार से अधिक बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों का फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाकर अलग-अलग जगहों पर बसाया है। रायबरेली का सलोन इलाका शुरू से ही संवेदनशील रहा है और यहां एक से बढ़कर एक आतंकी हुए हैं। उधर, सलोन के प्रखंड विकास अधिकारी ने कहा है कि फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाले ग्राम विकास अधिकारी विजय यादव के खिलाफ ऋखठ दर्ज कराई गई है। इसके अलावा, यादव को निलंबित करके उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई है। कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है। विजय यादव की आईडी से दो साल में 20 हजार से अधिक जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

रायबरेली के पलाही गांव की कुल जनसंख्या 4500 है और यहां सिर्फ एक मुस्लिम परिवार है, लेकिन इस गांव के पते पर 819 मुस्लिमों के जन्म प्रमाण पत्र बना दिए गए।

जनप्रतिनिधियों के उठाए मसले तुरंत हल होंगे : सीएम योगी

मानसून सत्र के पहले विधान भवन में पत्रकारों से बोले सीएम

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मानसून सत्र प्रारंभ होने के पहले विधान भवन में पत्रकारों से वार्ता की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र आज से प्रारंभ हो रहा है। सभी विधायकों, विधान परिषद सदस्यों और विधान मंडल की कार्यवाही को सकुशल संपन्न करने में योगदान देने वाले सभी दलों से जुड़े हुए सहयोगियों तथा विधानसभा विधान परिषद सचिवालय से जुड़े हुए अफसरों का हृदय से स्वागत करता हूं। सीएम ने कहा कि मानसून सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी से अपेक्षा व आकांक्षा रखता हूं। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य जिन भी रचनात्मक मुद्दों को लेकर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहेंगे। प्रदेश के विकास और जनता-जनार्दन से जुड़ी उन हर समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्ध है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने फरवरी में ही अपना बजट पास किया था। प्रदेश की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए पहला अनुपूरक मांग मानसून सत्र में सदन में प्रस्तुत होगा। उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर हुआ है। उत्तर प्रदेश ने पिछले सात वर्ष में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व व मार्गदर्शन में जिन ऊंचाइयों को प्राप्त किया है, वह अभूतपूर्व, अविस्मरणीय व अनुकरणीय है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सभी जनप्रतिनिधियों का आह्वान करते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले और उत्तर प्रदेश के विकास में सत्ता व विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों का योगदान मिल सके।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्षी सदस्य जिन भी रचनात्मक मुद्दों को लेकर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहेंगे। प्रदेश के विकास और जनता-जनार्दन से जुड़ी उन हर समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्ध है। सीएम ने आग्रह किया कि सदन चर्चा-परिचर्चा का मंच बने। सरकार हर मुद्दों का पूरी तत्परता से जवाब देगी। सीएम ने माननीय सदस्यों से अपील की कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चल सके, विधायी कार्य सकुशल संपन्न हो सके। इसके लिए माननीय सदस्य से अपील करूंगा कि वे मानसून सत्र के सुचारू रूप से संपन्न करने में योगदान देंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह देवाधिदेव महादेव का पावन सावन मास है। बड़े पैमाने पर इस मास में शिवभक्त कार्यक्रम के साथ जुड़े हुए हैं। सावन मास में एक तरफ शिवभक्तों की कांवड़ यात्रा तो दूसरी तरफ जनता-जनार्दन की सेवा के लिए हमारे जनप्रतिनिधि निरंतर प्रयत्नशील हैं। हमारे जनप्रतिनिधियों के द्वारा सदन के पटल पर जनता-जनार्दन और प्रदेश के विकास-समस्या को लेकर रखी गई बातों पर सरकार सकारात्मक बहस के लिए तैयार है। मुझे विश्वास है कि मानसून सत्र को प्रदेश के विकास, जनकल्याण से जुड़े अनुपूरक मांगों को सार्थक चर्चा का विषय बनाकर व्यवस्थित रूप से बढ़ाने में सभी अपना योगदान देंगे। इस दौरान उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, संसदीय कार्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और जसवंत सैनी भी मौजूद थे।

सांसद अफजाल अंसारी को हाईकोर्ट से राहत

गैंगस्टर मामले में मिली सजा रद्द

प्रयागराज, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कृष्णानंद हत्याकांड मामले में गैंगस्टर के तहत मिली सजा को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अफजाल अंसारी की अपील स्वीकार कर ली है। इसके साथ ही गैंगस्टर मामले में विशेष कोर्ट की ओर से सुनाई गई चार साल की सजा रद्द हो गई है। अब अफजाल की संसद सदस्यता बरकरार रहेगी। यह फैसला न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह की अदालत ने सुनाया।

गौरतलब है कि अफजाल अंसारी को गाजीपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने कृष्णानंद हत्याकांड के बाद लगाई शुरू हुए गैंगस्टर मामले में चार साल की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ अफजाल अंसारी ने सजा को रद्द करने और राज्य सरकार और कृष्णानंद राय के बेटे ने सजा बढ़ाने की अपील हाईकोर्ट में दाखिल की थी। इसके पहले अफजाल की अपील हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने सजा को निलंबित करते हुए फिर से सुनवाई के लिए मामले को हाइकोर्ट वापस भेज दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई सुनवाई के बाद अदालत ने चार जुलाई को फैसला सुरक्षित किया था। अफजल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल स्वरूप चतुर्वेदी, दयाशंकर मिश्रा और उपेंद्र उपाध्याय ने बहस करते हुए तर्क दिया था कि कृष्णानंद राय हत्याकांड के कारण शुरू हुए गैंगस्टर की कार्रवाई अवैधानिक है, क्योंकि अफजाल अंसारी कृष्णानंद राय हत्याकांड से बरी हो चुके हैं।

यूपी को पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स का हब बनाने की तैयारी

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर कर प्रदेश की प्रगति के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने तेजी से वन ट्रिलियन इकॉनमी बनने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के लिहाज से तेज प्रगति दर्ज की है। इसके पीछे कई कारण हैं, मगर जो सबसे बड़ा कारण है वह यह है कि प्रदेश में उद्योग, निवेश, पर्यटन व नागरिक सुविधाओं के विकास समेत ऊर्जा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के सुधार किए गए हैं। इन सुधारों ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। एक ओर, प्रदेश में सौर व पवन ऊर्जा की परियोजनाओं को वृहद स्तर पर गति दी जा रही है, वहीं अब उत्तर प्रदेश को पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स के हब के तौर पर प्रोजेक्ट करने और इसके लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए योगी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश में पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स (पीएसपी) के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए इन्वेस्ट यूपी को जिम्मा सौंपा गया है। इन्वेस्ट यूपी में इस संबंध में एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है और कार्यों को प्रगति देने के लिए उसके द्वारा कंसल्टेंसी फर्म के निर्धारण व कार्यावंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सीएम योगी के विजन अनुसार, प्रदेश को सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी के साथ ही अब पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट्स (पीएसपी) के लिए भी हब बनाने पर फोकस किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सीएम योगी के मार्गदर्शन में एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है जिस पर कार्य शुरू कर दिया गया है। इस क्रम में, प्रदेश में निवेश की नोडल एजेंसी के तौर पर कार्यरत इन्वेस्ट यूपी अब कन्सलटेंसी फर्म के निर्धारण व कार्यावंटन के जरिए पीएसपी साइट्स की क्षमता, जरूरतें, विकास के मानकों का निर्धारण समेत विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर प्रारंभिक आकलन रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में पीएसपी के लिए चार मंडल चिह्नित किए गए हैं जिसमें चित्रकूट धाम, झांसी, वाराणसी व विंध्याचल मंडल में इन प्रोजेक्ट्स की साइट्स की शॉर्टलिस्टिंग व इन से संबंधित प्रारंभिक आकलन रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इनमें से, सोनभद्र में 1200 मेगावॉट के पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट को पहले ही योगी सरकार की ओर से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है।

पीएसपी योजना कई मायने में विशिष्ट है। यह तेजी से रैंपिंग क्षमता प्रदान करती है जो ऊर्जा उत्पादन में कमी को पूरा करने के लिए आवश्यक है। जब नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन अप्रत्याशित रूप से गिरता है और सौर व पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उत्पादन में कमी आती है, तब हाइड्रो इलेक्ट्रिक एनर्जी बेस्ड पीएसपी विकल्प के तौर पर ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर सकता है। वे इंट्रा-डे व इंटर-डे फर्मिंग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वह कम मांग की अवधि के दौरान ऊर्जा का भंडारण करते हैं और पीक अवधि के दौरान आपूर्ति करते हैं, जो ऊर्जा आपूर्ति और मांग में दैनिक और साप्ताहिक उतार-चढ़ाव को प्रबंधित करने में मदद करता है। पीएसपी बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण के माध्यम से ऊर्जा दक्षता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, उत्पादित बिजली के उपयोग को अनुकूलित करते हैं और समग्र दक्षता को बढ़ाते हैं।

प्रदेश में पीएसपी फ्रेमवर्क को बढ़ाने के लिए इन्वेस्ट यूपी द्वारा जिस कंसल्टेंसी एजेंसी का निर्धारण व कार्यावंटन होगा वह 500 मेगावाट से ज्यादा कैपेसिटी के प्रोजेक्ट्स को तरजीह देगी।

दोनों डिप्टी सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ

अटकलों और चर्चाओं पर फिरा पानी

केशव मौर्य ने कहा, धोखा है अखिलेश का पीडीए

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

आज से यूपी विधानसभा का मानसून सत्र शुरू हो गया। आज लंबे अरसे बाद यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सत्र शुरू होने से पहले विधायक दल की बैठक में मंच पर अपने दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक के साथ नजर आए। यह मौका इसलिए खास था क्योंकि लंबे वक्त से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि दोनों ही डिप्टी सीएम योगी से अलग हैं और यूपी भाजपा में फूट हो गई है। लोकसभा चुनाव के बाद से जारी कयासों पर आज तीनों ने एक साथ आकर ब्रेक लगा दिया।

लंबे वक्त से अटकलें चल रही थीं कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को लगे झटके के बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सीएम योगी के खिलाफ अंदरखाने मोर्चा खोले हुए थे और उन्होंने आलाकमान के सामने सीएम योगी को हटाने तक की मांग रखी थी। दूसरी ओर केशव प्रसाद मौर्य से लेकर बृजेश पाठक तक, दोनों ही सीएम योगी की कैबिनेट बैठक में नहीं पहुंच रहे थे। यूपी की दस सीटों पर होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर सीएम योगी द्वारा गठित 30 मंत्रियों की टीम में दोनों ही डिप्टी का नाम शामिल नहीं था।

विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर समाजवादी पार्टी के मुखिया और लोकसभा सांसद अखिलेश यादव पर करारा हमला बोला और कहा कि अखिलेश की असलियत जनता के सामने आ चुकी है और पीडीए एक बहुत बड़ा धोखा है। हम माता प्रसाद पांडे का सम्मान करते हैं और उन्हें नेता विपक्ष बनने की बधाई देते हैं लेकिन अखिलेश का असली चेहरा सामने आ गया है।

केशव प्रसाद मौर्य ने लोकसभा चुनाव परिणाम और भाजपा को हुए नुकसान को लेकर कहा कि अभी जो फीडबैक आ रहे हैं, उसमें पता चलता है सपा-कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में जनता को गुमराह करके वोट लिए हैं, उस वर्ग से आने वाले लोग बहुत मायूस हैं, क्योंकि उन्होंने बहुत ज्यादा सपने संजोए थे। इतना ही नहीं, केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश के चाचा और सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव पर भी निशाना साधा और कहा कि चाचा भी सपने संजोए हुए थे और पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मन में बहुत सी इच्छाएं लेकर बैठे हुए थे लेकिन अखिलेश यादव ने उन सभी की पीठ पर छुरा घोंप दिया है।

अहम बात यह है कि यूपी विधानसभा के इस मानसून सेशन में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव नहीं हैं, क्योंकि कन्नौज से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है। अखिलेश ने सपा के दिग्गज नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रहे माता प्रसाद पांडेय को विधानसभा में नेता विपक्ष बनाया है, वहीं चीफ व्हिप का पद कमाल अख्तर को दिया है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि माता प्रसाद पांडे क्या अखिलेश यादव की तरह ही सीएम योगी और उनकी सरकार पर हमलावर हो पाते हैं या नहीं।

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को दी बधाई

लखनऊ, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

विधानमंडल के मानसून सत्र प्रारंभ होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को बधाई दी। सीएम योगी ने पुष्प-गुच्छ देकर नवनियुक्त नेता प्रतिपक्ष व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष को शुभकामनाएं दीं। सीएम ने विश्वास जताया कि मानसून सत्र के सकुशल संचालन में विपक्ष भी बहुमूल्य योगदान देगा। वहीं मुख्यमंत्री ने मानसून सत्र प्रारंभ होने के पूर्व विधान भवन स्थित नवनिर्मित समिति कक्ष का भी उद्घाटन किया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में माननीय अध्यक्ष सतीश महाना के दो वर्ष स्मारिका का विमोचन भी किया।

इन कार्यक्रमों के दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, विधान परिषद के सभापति मानवेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, मयंकेश्वर शरण सिंह, कांग्रेस विधायक अनुराधा मिश्रा मोना, सपा विधायक ओमप्रकाश सिंह, संग्राम सिंह यादव, जयकुमार सिंह जैकी, आकाश सक्सेना, प्रेमसागर पटेल आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

कोर्ट ने प्रवेश कार्यक्रम को दी प्राथमिकता

नीट परीक्षाओं को लेकर देशव्यापी हंगामे व राजनीतिक बयानबाजियों के बावजूद यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिये आयोजित हुई नीट परीक्षा को दुबारा कराने की मांग खारिज कर दी है। हालांकि, मंगलवार को आए फैसले का मानवीय पक्ष यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 लाख अभ्यर्थियों को होने वाली परेशानी को प्राथमिकता दी है। इसके बावजूद शीर्ष अदालत का फैसला भारत में परीक्षा प्रक्रियाओं में प्रणालीगत सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कोर्ट के व्यावहारिक फैसले के बावजूद इस विवाद ने हमारी शैक्षिक व परीक्षा प्रणाली के भीतर व्याप्त विसंगतियों को भी उजागर किया है। बहरहाल, मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी कि लीक परीक्षा प्रणाली का उल्लंघन नहीं है, एक अस्थायी राहत जरूर प्रदान करता है। लेकिन इस सिस्टम में अंतर्निहित कमजोरियों को संबोधित किया जाना जरूरी है। इसके बावजूद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी एनटीए और आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अनुसार बिहार के हजारीबाग और पटना में लीक महत्वाकांक्षी चिकित्सा पेशेवरों के लिये होने वाली महत्वपूर्ण परीक्षा आयोजन के तौर-तरीकों की विश्वसनीयता पर प्रश्न तो उठाते ही हैं। प्रभावित छात्रों के मामलों को निपटाने के लिये, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी पर न्यायालय की निर्भरता समस्या के दीर्घकालीन समाधान के बजाय एक कामचलाऊ दृष्टिकोण को ही दर्शाती है। वहीं दूसरी ओर गत जून माह में यूजीसी-नेट परीक्षा का रद्द होना भी चिंताओं को और बढ़ा देता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को अज्ञात सूत्रों से मिले तथ्यों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की थी। हालांकि यह कदम छात्रों के हितों की तात्कालिक रक्षा की दृष्टि से सार्थक है लेकिन यह घटनाक्रम हमारी परीक्षातंत्र के बुनियादी ढांचे की कमजोरी को ही उजागर करता है। कह सकते हैं कि परीक्षा तंत्र की संवेदनशीलता के मद्देनजर ऐसे तदर्थवाद व पारदर्शिता की कमी छात्र समुदाय में अविश्वास व चिंता को बढ़ाते हैं। बहरहाल, हाल की ये घटनाएं प्रतियोगी परीक्षाओं तथा परीक्षाएं आयोजित करने वाले तंत्र के ढांचे में व्यापक बदलाव की जरूरत को बताती हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि एन.टी.ए. की संरचना की समीक्षा के लिये एक उच्च स्तरीय समिति की स्थापना की जाएगी, निश्चित रूप से यह संस्था की विश्वसनीयता बनाये रखने की दिशा में एक उचित कदम है। हालांकि, इसके साथ ही परीक्षाओं में सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिये मजबूत उपायों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। निस्संदेह, गाहे-बगाहे होने वाले परीक्षा घोटाले न केवल शैक्षणिक संस्थानों की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं बल्कि शिक्षा और कैरियर के नाजुक मोड़ पर खड़े युवा उम्मीदवारों के भविष्य को भी प्रभावित करते हैं। भारत एक युवाओं का देश है। ऐसे में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का सदुपयोग करने के लिये प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इस घटनाक्रम के बाद सरकार को परीक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करने और युवाओं की आकांक्षाओं को संबल देने के लिये इस क्षेत्र में सुधारों को वरीयता देनी चाहिए। निस्संदेह, मेडिकल प्रवेश परीक्षा के मामले के निस्तारण में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता की सराहना की जानी चाहिए। बड़ी संख्या में याचिकाएं परीक्षा दोबारा आयोजित कराने के लिये दायर किये जाने के बावजूद, लाखों छात्रों के हित व वक्त की जरूरत के मुताबिक कोर्ट ने तार्किक फैसला दिया। जिसमें इस बात पर ध्यान दिया गया कि किसी गड़बड़ी से परीक्षा किस सीमा तक प्रभावित हुई है। कोर्ट ने इस बाबत ठोस व तार्किक पक्ष को प्राथमिकता दी। साथ ही परीक्षा के सामाजिक पक्षों को भी ध्यान में रखा। निश्चित रूप से जिन परीक्षार्थियों का चयन हो चुका था, उन्हें पुनः परीक्षा देने को बाध्य करना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता।

देशव्यापी हंगामे व राजनीतिक बयानबाजियों के बावजूद यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश के लिये आयोजित हुई नीट परीक्षा को दुबारा कराने की मांग खारिज कर दी है। हालांकि, मंगलवार को आए फैसले का मानवीय पक्ष यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 लाख अभ्यर्थियों को होने वाली परेशानी को प्राथमिकता दी है। इसके बावजूद शीर्ष अदालत का फैसला भारत में परीक्षा प्रक्रियाओं में प्रणालीगत सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। कोर्ट के व्यावहारिक फैसले के बावजूद इस विवाद ने हमारी शैक्षिक व परीक्षा प्रणाली के भीतर व्याप्त विसंगतियों को भी उजागर किया है। बहरहाल, मुख्य न्यायाधीश डी .वाई . चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी कि लीक परीक्षा प्रणाली का उल्लंघन नहीं है, एक अस्थायी राहत जरूर प्रदान करता है। लेकिन इस सिस्टम में अंतर्निहित कमजोरियों को संबोधित किया जाना जरूरी है।

रक्षा के साथ रोजगार की चुनौतियां साधता रक्षा-बजट

भारत के लिए सर्वाधिक आवश्यक है ताकतवर सेना

डॉ. मोतीलाल गुप्ता 'आदित्य'

यह बात किसी से छुपी नहीं है कि हमारे बाएं कंधे पर बैठा चीन और दाएं कंधे पर बैठा है पाकिस्तान। दोनों भारत के परम शत्रु हैं और दोनों ने आपस में हाथ मिला रखा है जो लगातार भारत को घाव देते रहे हैं। यह भी सही है कि पिछले कई दशकों में चीन लगातार आर्थिक और सामरिक तौर पर शक्तिशाली होता गया है, जिसके कारण आज वह अमेरिका जैसी महाशक्ति को भी चुनौती देने लगा है। चीन एक ऐसा देश है जिस पर कभी भी भरोसा नहीं किया जा सकता। मुंह में राम, बगल में छुरी वाली कहावत उस पर सटीक बैठती है। 1962 में हिंदी चीनी भाई-भाई करते हुए उसने भारत पर हमला किया और भारत की हजारों वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया था। पिछले दिनों गलवान घाटी में हुई झड़प और उसकी हरकतें भारत को ही नहीं आसपास के सभी देशों के लिए चिंताजनक हैं। ऐसी स्थिति में भारत की रक्षा चुनौतियों को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

लेकिन यदि हम थोड़ा पीछे मुड़कर देखें तो हम पाते हैं कि मोदी शासन के पहले की कई सरकारों द्वारा रक्षा चुनौतियों को गंभीरता से नहीं लिया गया। आर्थिक स्थिति और पर्याप्त फंड का अभाव बताकर सेनाओं के लिए उनकी आवश्यकता के अनुरूप अस्त्र-शस्त्र नहीं खरीदे गए। इसलिए भारत को पड़ोस से मिलने वाली रक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए बहुत अधिक खर्च करने की आवश्यकता है। हमें पहले की कमजोरी को भी दूर करना है और नई चुनौतियों की अनुरूप भी स्वयं को तैयार करना है। सीमाओं पर सड़क सुरंग और फूलों का भी जाल बिछाना है ताकि युद्ध के समय सेनाएं तेजी से सीमाओं पर पहुंचकर दुश्मन का मुकाबला कर सकें र उन्हें रसद तथा गोला-बारूद पहुंचाया जा सके।। कहना न होगा कि पिछले 10 वर्षों में इस पर बहुत अधिक ध्यान दिया गया है और अब उत्तर पूर्व में दूर-दूर तक न केवल ऊंचाई और पहाड़ों तक सड़कें पहुच गई हैं बल्कि रेल भी पहुंच गई है। सीमा पर जल्द पहुंचने के लिए कई लंबी सुरंगें और पुल भी बनाए गए हैं। ऊंचे पहाड़ों पर टैंक, युद्धक विमान व मिसाइलें आदि भी तैनात की गई हैं।

अगर 2013-14 के बाद के बजट को देखा जाए तो उसमें लगातार रक्षा बजट को प्राथमिकता देते हुए बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय सेनाओं के लिए अस्त्र-शस्त्र खरीदे गए हैं। जिसकी चलती भारत विश्व का अस्त्र-शस्त्र का सबसे बड़ा आयातक बन गया। यह भी सही है कि केवल आयात के भरोसे कोई देश रक्षा क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ सकता। इसलिए भारत द्वारा पिछले कुछ वर्षों में आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत भारतीय रक्षा उद्योग को तेजी से आगे बढ़ाया गया है। इसका परिणाम यह है कि भारत में न केवल अत्यधिक युद्धपोत और पनडुब्बियां तैयार की जाने लगी है बल्कि विक्रांत जैसे विमानवाहक युद्धपोत भी भारत में बनने लगे है। तेजस जैसे युद्धक विमान बनाकर उनके निर्यात करने की भी शुरुआत हो चुकी है। आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत निजी क्षेत्र के पूंजी निवेश को जोड़ते हुए रक्षा क्षेत्र में उत्पादन पर जोर देते हुए इसे तेजी से आगे बढ़ाया गया है। भारत द्वारा न केवल तेजस विमान बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल का भी निर्यात किया जाने लगा है, जिसकी मांग दुनिया में लगातार बढ़ रही है। इसका परिणाम है कि भारत की पहचान अब उभरती हुई महाशक्ति के रूप में होने लगी है।

रक्षा बजट की बात करें तो वर्ष 2012-13 में रक्षा बजट जो पहले से ही काफी कम था, उसमें भी कटौती की गई। जैसा कि संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2012-13 से पता चलता है, भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष में दशक के निचले स्तर पांच प्रतिशत (2010-11 में 9.3 प्रतिशत के शिखर से नीचे) की दर से बढ़ने की उम्मीद थी, जो आने वाले वित्त वर्ष में 6.1 से 6.7 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना थी। इस विकास दर पर, सरकार की राजस्व प्राप्तियां भारी दबाव में आ गई थीं, जिससे उसे अपने पर्स को कड़ा करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। बढ़ते राजकोषीय घाटे के कारण रेटिंग एजेंसियां भारत को कबाड़ की स्थिति में डालने के लिए इच्छुक थीं। डाउनग्रेड का डर इतना गहरा था कि वित्त मंत्री ने न केवल राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 5.2 प्रतिशत पर सीमित रखने के लिए चालू वर्ष के व्यय में कमी की। जैसा कि आंकड़े दिखाते हैं, रक्षा बजट ने संभवतः उचित से अधिक बोझ उठाया। दूसरे शब्दों में, रक्षा बजट को न केवल बड़े राजकोषीय घाटे के हित में, बल्कि अन्य सरकारी व्यय मदों के अपेक्षाकृत बड़े हिस्से को समायोजित करने के लिए कठोरता से नियंत्रित किया गया।

यद्यपि रक्षा बजट 2013-14 में मामूली 5.3 प्रतिशत की वृद्धि की गई, फिर भी वृद्धि दर 2012-13 के संशोधित अनुमान से 14.1 प्रतिशत अधिक थी। इन वृद्धि दरों में अंतर 2012-13 के बजट से 14,903.8 करोड़ रुपए (या 7.7 प्रतिशत) की कटौती के कारण था। कुल कटौती में से 67 प्रतिशत पूंजीगत व्यय के लिए था, जिसे मूल आवंटन से 10,000 करोड़ रुपए (12.6 प्रतिशत) कम किया गया था। पूंजीगत व्यय में कुल कटौती का लगभग 87 प्रतिशत आधुनिकीकरण बजट के सामान्यतः ज्ञात कम-खर्च के कारण था, जिसे 8,663.2 करोड़ रुपए (13 प्रतिशत) घटाकर 57,796.3 करोड़ रुपए कर दिया गया था। जिसके आधुनिकीकरण बजट में 10,000 करोड़ रुपए की कटौती की गई है। 6,500 करोड़ (26.9 प्रतिशत) से 17,651.5 करोड़ रुपए तक की कटौती की गई, इसके अलावा राजस्व व्यय में 4,903.8 करोड़ रुपए (4.3 प्रतिशत) की कटौती की गई। इस कटौती का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा सशस्त्र बलों के वेतन और भत्तों में कटौती के कारण था। वर्ष 2013-14 के बजट में मामूली वृद्धि करते हुए रक्षा बजट 203672.1 करोड़ रुपए यानी 37.4 बिलियन डॉलर रखा गया था।

इसके बाद 2014 में जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार सत्ता में आई तो रक्षा तैयारी पर विशेष ध्यान दिया गया और बजट में वृद्धि करते हुए सेनाओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए रक्षा पर पहले के मुकाबले अधिक खर्च होने लगा। वर्ष 2013-14 की बजट में रक्षा के लिए आवंटित 203672 .1 करोड़ रुपए के मुकाबले अगले वर्ष यानी 2014-15 में सरकार द्वारा 317207 करोड़ रुपए खर्च किए गए। 2015-16 में इस बढ़ते हुए 327 096 करोड़ रुपए खर्च किए गए। 2016-17 में यह राशि बढ़ाकर 389 614 करोड़ 2017- 18 में 4017242 करोड़ रुपए, 2018 - 19 में 442683 करोड़ रुपए, 2019-20 में 488795 करोड़ रुपए, 2020-21 में 523330 करोड़ रुपए, 2021-22 में 535008 करोड़ रुपए, 2023-24 में 5935537.94 करोड़ रुपए और इस वर्ष यानी 2024- 25 के बजट में यह राशि बढ़ाकर 620000 करोड़ रुपए कर दी गई है। इस प्रकार हम पाते हैं कि जहां वर्ष 2013-14 में रक्षा बजट 37.4 बिलियन डॉलर था, वही यह 2024 25 में बढ़कर लगभग 75 बिलियन डॉलर हो गया है। जो कि तब के मुकाबले लगभग दोगुना है। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि मोदी सरकार द्वारा रक्षा चुनौतियों को किस प्रकार से गंभीरता से लेते हुए निरंतर बजट को बढ़ाया गया है और बड़े पैमाने पर सेना की आवश्यकता को ध्यान में रहकर तमाम तरह के विमान, युद्धपोत तथा सुरक्षा प्रणाली आदि को आयात करने पर बहुत बड़ा खर्च किया गया। वहीं आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत निजी क्षेत्र के सहयोग से भारत में बड़े पैमाने पर रक्षा निर्माण एवं उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया गया है, जिससे न केवल निर्यात बढ़ा बल्कि हमारी विदेश विदेश से आयात पर निर्भरता भी कम हो।

जैसे की मैंने ऊपर बताया कि इस बार के बजट में रक्षा बजट में 6.2 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, यह बजट वित्त मंत्रालय के बजट के बाद दूसरे नंबर पर है। हमने पिछले वर्षों में देखा है की रक्षा पर अनुमानित खर्च से ज्यादा ही खर्च हुआ है तो हो सकता है यह खर्च बढ़कर 6.5 लाख करोड़ या उससे भी अधिक हो जाए। इस भारी भरकम रक्षा बजट पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को धन्यवाद दिया है। हालांकि विशेषज्ञों का यह मानना है कि हमारे निकटतम पड़ोसी और निकटतम शत्रु चीन का रक्षा बजट आज भी भारत के रक्षा बजट से तीन गुना से भी अधिक है जो कि 231.36 बिलियन डॉलर है। यह भी ठीक है कि भारत की आर्थिक स्थिति वैसी नहीं है कि रक्षा बजट पर हम चीन का पूरी तरह मुकाबला कर सकें लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह बजट बहुत अच्छा है और यह पहले की कांग्रेस सरकार के बजट से दोगुना है। रक्षा विशेषज्ञों का यह मानना है कि भारत के सम्मुख चीन की रक्षा चुनौतियों को देखते हुए आगामी वर्षों में हमें रक्षा बजट को और अधिक बढ़ाना होगा।

भारत की वर्ष 2024-25 के रक्षा बजट की सबसे बड़ी बात यह है कि यह बजट जहाँ एक ओर हमारी रक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए है, वहीं दूसरी ओर इस बजट से बेरोजगारी की चुनौतियों का सामना करने की भी योजना है। 6.2 लाख करोड़ रुपए के इस भारी भरकम बजट में से 1.72 लाख करोड़ रुपए सेना के लिए नया साजो-सामान तथा अस्त्र-शस्त्र की खरीद के लिए हैं। शेष राशि सेना के वेतन - भत्तों, पेंशन तथा संचालन संबंधी खर्चों के लिए है। इस 1.72 लाख करोड़ रुपए के बज़ट में से 1.07 लाख करोड़ रुपए भारत में रक्षा निर्माण के लिए निर्धारित किए गए हैं। इस राशि से विमान ऑर युद्धपोतों, पनडुब्बियों और तरह-तरह के हथियारों के निर्माण पर खर्च किए जाएंगे।

यहां सोचने की बात यह है कि जब इतनी बड़ी राशि खर्च करके भारत में निर्माण कार्य होगा तो उसे कितने बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य होगा और उसे कितनी बड़ी आबादी को रोजगार मिलने लगेगा। यहां यह भी विचारणीय है कि जब हमारी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड कंपनी युद्धक विमान का निर्माण और हमारे नौसेना के युद्धपोत आदि बनाने वाली कंपनियां निर्माण कार्य करती हैं तो इनमें लगने वाली सारी चीज ये खुद नहीं बनाती, बना भी नहीं सकती, बल्कि दूसरों से बनवाती हैं या खरीदती हैं। जिसके कारण तरह-तरह के कारखाने लगने लगते हैं। इसी प्रकार जब पनडुब्बी, युद्धपोत आदि बनते हैं तो भी उसमें बहुत सारी चीज बनाई जाती हैं, जिससे रोजगार सृजित होता है। रक्षा क्षेत्र में भारत में अब बड़े पैमाने पर निजी क्षेत्र द्वारा भी पूंजी निवेश किया जा रहा है। जब उन्हें इतने बड़े पैमाने पर निर्माण के आदेश मिलेंगे तो वहां पर भी कार्मिकों की, इंजीनियरों की तरह-तरह की विशेषज्ञों की आवश्यकता होगी तो निश्चय ही वहां भी रोजगार पैदा होगा। इसे अगर और सरल भाषा में समझा जाए तो हम कह सकते हैं कि जब हमारी सेनाएं 1.07 लाख करोड़ रुपए के अस्त्र-शस्त्र, युद्धक विमान, पोत और पनडुब्बी आदि की खरीद पर खर्च करेगी तो उससे चारों तरफ आर्थिक विकास और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। यहां हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि भारत का रक्षा-निर्यात अब तेजी से बढ़ने लगा है। पिछले 10 वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात लगभग 30 गुना बड़ा है और भारत 25 रक्षा निर्यातकों में शामिल हो गया है।

सेनाओं के अलावा भी हमारे अर्धसैनिक बलों, विभिन्न राज्यों के सशस्त्र बल और पुलिस आदि को भी अस्त्र-शस्त्र की आवश्यकता होती है। रक्षा वाहनों आदि की आवश्यकता होती है, इस प्रकार रक्षा निर्माण में होने वाला यह खर्च बहुत अधिक बढ़ जाता है। यदि हमारे देश में अत्याधुनिक राइफलें आदि बनती हैं तो उसकी मांग हमारी सेनाओं के अलावा राज्य पुलिस और सुरक्षाबलों द्वारा भी की जाएगी। इस तरह रक्षा उद्योग का विस्तार होने से समग्र रूप से अर्थव्यवस्था के लिए एक अनुकूल वातावरण बनेगा. जिससे रोजगार के विभिन्न अवसर भी सृजित होंगे। इस प्रकार हम यह पाते हैं कि भारत सरकार का 2024-25 का रक्षा बजट रक्षा चुनौतियों के साथ-साथ रोजगार की चुनौतियों का सामना करने के लिए और रक्षा आयात के साथ-साथ रक्षा-निर्यात के क्षेत्र में आगे कदम बढ़ाने के लिए बनाया गया है। निश्चय ही इससे विश्व में भारत की शक्ति और धमक भी सामने आएगी और भारत की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी।

कुछ अलग

केंद्र को झटका

आखिरकार केंद्र और राज्यों के बीच अधिकारों की कानूनी लड़ाई तार्किक परिणति तक पहुंच ही गई है। देश की शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया है कि किसी भी राज्य के खनिजों पर देय रॉयल्टी एक कर नहीं है। साथ ही स्पष्ट किया कि राज्यों के पास खानों, खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता निर्धारित है। दरअसल, इस सारे विवाद के मूल में खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 रहा है। इस अधिनियम का हवाला देते हुए केंद्र सरकार की दलील थी कि केवल संसद ही खनिजों पर कर लगा सकती है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की बैंच ने इस बाबत फैसला सुनाया कि कानून राज्यों को खानों और खनिज विकास पर कर लगाने से प्रतिबंधित नहीं करता है। निश्चित रूप से इस फैसले से प्राकृतिक संपदा से संपन्न गरीब राज्यों मसलन झारखंड और ओडिशा को विशेष रूप से लाभ होने की उम्मीद जगी है। ये राज्य केंद्र द्वारा खानों और खनिजों पर लगाये गए हजारों करोड़ों रुपये के करों की वसूली की मांग करते रहे हैं। निस्संदेह, यदि केंद्र सरकार राज्यों की माली हालत के मद्देनजर उनकी जरूरतों तथा आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील होती तो निश्चित रूप से इस विवाद को बातचीत के जरिये सुलझाया भी जा सकता था। जब लंबे समय तक इस मामले का निस्तारण नहीं हो सका तो अन्ततः देश की शीर्ष अदालत को गतिरोध तोड़ने के लिये हस्तक्षेप करना ही पड़ा। इसमें दो राय नहीं है कि केंद्र और राज्यों के बीच कई मुद्दों पर टकराव कोई नई बात नहीं है। लेकिन देखने में आया है कि हाल के वर्षों में यह विवाद आम बात हो चला है। निश्चित रूप से किसी भी राष्ट्र की संघीय व्यवस्था के लिये ये टकराव व विवाद कोई शुभ संकेत तो कदापि नहीं हैं। इसमें दो राय नहीं कि कुछ मुद्दे सहमति, सामंजस्य और संवेदनशीलता से भी सुलझाए जा सकते हैं। जिससे राज्यों के आर्थिक संकट को भी दूर किया जा सकता है। दरअसल, इस बात पर गंभीर विमर्श की जरूरत है कि हाल के वर्षों में केंद्र-राज्यों के बीच कलह के मामले लगातार क्यों बढ़ते जा रहे हैं। निस्संदेह, इस टकराव के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। इस विवाद को हाल में संसद में प्रस्तुत आम बजट के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा सकता है। यही वजह है कि वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट में राजग गठबंधन में शामिल बिहार तथा आंध्र प्रदेश के लिये घोषित विशेष पैकेजों ने विपक्ष को गैर भाजपा शासित राज्यों से कथित भेदभाव के आक्षेपों के साथ सवाल उठाने का मौका दिया है। विपक्ष ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक रूप से पक्षपात वाला बजट बनाने का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं कई विपक्षी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बजट में भेदभाव का आरोप लगाते हुए आगामी 27 जुलाई को होने वाली नीति आयोग की बैठक में शामिल न होने की बात कही है। जो कि केंद्र व राज्यों के बीच टकराव की अप्रिय स्थिति को ही दर्शाता है। यदि अतीत के पन्ने पलटें तो वर्ष 1980 के दशक के उत्तरार्ध में, सरकारिया आयोग ने सहकारी संघवाद के सिद्धांतों के आधार पर सामंजस्यपूर्ण संघ-राज्य संबंधों की जरूरत पर बल दिया था। वहीं दूसरी ओर सरकारिया आयोग ने चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया था कि देश में शक्तियों के अधिक केंद्रीयकरण ने लोगों की समस्याओं का समाधान करने की बजाय उसमें और वृद्धि कर दी है। केंद्र सरकार के लिये बेहतर होगा कि आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को साफ करके उसका बेहद बारीक व संवेदनशील ढंग से अध्ययन करे। इस तरह के आक्षेपों के बीच एक बात तो साफ है कि एक शक्तिशाली केंद्र भारत जैसे विकासशील देश को विकसित भारत में कदापि नहीं बदल सकता है। वहीं केंद्र व राज्यों में सामंजस्य व सहयोग के रिश्ते भारत जैसे संघीय ढांचे वाले देश को निश्चित तौर पर मजबूती ही देंगे।

देश दुनिया से

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में सबला कमला

इस साल के अंत में दुनिया के सबसे ताकतवर लोकतंत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दावेदारी से लगता है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की किस्मत चमक सकती है। अब तक राष्ट्रपति पद के लिये डेमोक्रेट प्रत्याशी के रूप में मजबूत दावेदारी कर रहे जो बाइडेन ने इस चुनावी दौड़ से अपने को अलग कर लिया है। बाइडेन ने यह कदम बढ़ती उम्र के चलते उन पर रेस से बाहर होने के लिये बढ़ रहे दबाव के बीच उठाया। रिपब्लिकन प्रत्याशी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टीवी बहस में पिछड़ने के बाद लगता था कि उम्रदराज बाइडेन के मुकाबले ट्रंप सशक्त दावेदार हैं, लेकिन कमला हैरिस के डेमोक्रेटिक प्रत्याशी के रूप में सामने आने से तस्वीर बदल गई है। अब ट्रंप बाइडेन की जगह सबसे ज्यादा उम्रदराज प्रत्याशी बन गए हैं।

बहरहाल, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की उम्मीदवारी का समर्थन किया है। जिससे अब यह चुनाव दिलचस्प हो चला है। अमेरिकी इतिहास में कमला हैरिस राष्ट्रपति पद के लिये पहली अश्वेत महिला दावेदार हैं। डेमोक्रेट्स के लिये यह एक ऐसा जोखिम जो उन्हें उठाना पड़ेगा। दरअसल, ट्रंप अमेरिका में श्वेतवाद के प्रबल समर्थक हैं। ऐसा ही जोखिम बाइडेन ने कमला को उपराष्ट्रपति पद के लिये चुनकर उठाया था। बहरहाल, अमेरिका में धीरे-धीरे डेमोक्रेट कमला के पक्ष में खुलकर सामने आने लगे हैं। बहरहाल, कमला की दावेदारी पर अगले महीने शिकागो में होने वाले डेमोक्रेट्स के राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतिम मोहर लगेगी। कमला के लिए धनात्मक पक्ष यह है कि वे बाइडेन के बाद दूसरे नंबर के संवैधानिक पद पर विराजमान हैं। जाहिर है कि डेमोक्रेट्स एक महिला व एक अश्वेत प्रत्याशी की दावेदारी को शायद ही नकार सकें। हालांकि, उपराष्ट्रपति कार्यकाल की कुछ नाकामियों का खमियाजा भी कमला को भुगतना होगा। खासकर अवैध प्रवासियों वाले मुद्दे पर उनकी आलोचना हुई है। हालांकि, गर्भपात के अधिकारों के मुद्दे पर उनकी कामयाबी रही है। बहरहाल, अब कमला की दावेदारी से ट्रंप के लिये चुनौतियां बढ़ गई हैं। हालांकि, अभी कमला की दावेदारी को महत्वाकांक्षी डेमोक्रेट्स की चुनौती मिल सकती है। फिलहाल, कमला हैरिस के आने से अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव खासा दिलचस्प हो गया है। रिपब्लिकन को डेमोक्रेट्स के विरोध के लिये नये मुद्दे गढ़ने पड़ेंगे।

वहीं दूसरी ओर भारत में कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद की दावेदारी सामने आने से खासा उत्साह है। दरअसल, भारतीय मूल की मां और जमैका मूल के पिता डॉनल्ड हैरिस की बड़ी संतान कमला को भारतवंशी की तरह देखा जाता है। हालांकि, कहना कठिन है कि उनका भारत व भारतीय संस्कारों से लगाव कितना भावनात्मक और कितना राजनीतिक है। अमेरिका में भारतीयों का एक वर्ग मानता है कि वे भारतीयों के बजाय अफ्रीकी समुदाय के अश्वेतों के मुद्दों पर अधिक सक्रिय रही हैं। हालांकि, वह अपनी भारतीय मूल की पहचान का जिक्र भारतीयों के बीच बखूबी करती रही हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में भी वे भारतवंशियों को लुभाने के लिये अपने अतीत व तमिलनाडु में अपनी ननिहाल से जुड़े अनुभवों का जिक्र करती रही हैं। निस्संदेह, कमला एक बहुआयामी व्यक्तित्व की धनी राजनेता हैं। यही वजह है कि उपराष्ट्रपति पद के लिये कमला हैरिस के चयन के समय बाइडेन ने कहा था कि मैं देश के लिये नया नेतृत्व तैयार कर रहा हूं। लगता है आज उनके राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बनने से वह घड़ी आ गई है।

उल्लेखनीय है कि चेन्नई में जन्मी उनकी मां श्यामला गोपालन ऐसे वक्त पर सात समुंदर पार अमेरिका जाने का साहस जुटा सकी थी, जब अकेली लड़की को विदेश पढ़ाने की अनुमति देना बेहद मुश्किल माना जाता था। दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद वह वर्ष 1958 में न्यूट्रीशियन और एंडोक्रोनोलॉजी में पीएचडी करने अमेरिका गई थीं। बाद में ब्रेस्ट कैंसर के क्षेत्र में शोधार्थी बनीं। कालांतर में बर्कले में मानवाधिकारों के लिये संघर्ष करते हुए श्यामला डॉनल्ड हैरिस के संपर्क में आईं और उनसे विवाह किया।

लोकतंत्र संयुक्त राज्य अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दावेदारी से लगता है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की किस्मत चमक सकती है। अब तक राष्ट्रपति पद के लिये डेमोक्रेट प्रत्याशी के रूप में मजबूत दावेदारी कर रहे जो बाइडेन ने इस चुनावी दौड़ से अपने को अलग कर लिया है। बाइडेन ने यह कदम बढ़ती उम्र के चलते उन पर रेस से बाहर होने के लिये बढ़ रहे दबाव के बीच उठाया। रिपब्लिकन प्रत्याशी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टीवी बहस में पिछड़ने के बाद लगता था कि उम्रदराज बाइडेन के मुकाबले ट्रंप सशक्त दावेदार हैं, लेकिन कमला हैरिस के डेमोक्रेटिक प्रत्याशी के रूप में सामने आने से तस्वीर बदल गई है।

आप का नजरिया

दीर्घकालीन लक्ष्य होते हैं आदर्श बजट के

हर साल केंद्रीय सरकार पहले आर्थिक सर्वे और फिर बजट प्रस्तुत करती है। सर्वे के जरिये बताया जाता है कि अर्थव्यवस्था की हालत क्या है और बज़ट के माध्यम से अपनी सोची कार्ययोजना पेश करती है। इनको दो विचारों के मद्देनज़र देखा जाता है : मौजूदा परिस्थिति के परिप्रेक्ष्य में क्या किया जाना चाहिए? और क्या चीज़ें सही दिशा में जाने वाली हैं? किंतु लगता है सरकार इतने में खुश है कि पिछले 10 सालों की सत्ता के दौरान उसकी उपलब्धि क्या रही। वित्तीय वर्ष -2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 8.2 फीसदी रही, इस तरह भारत दुनियाभर की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ती आर्थिकी बना, जबकि वर्ष 2023 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 3.2 प्रतिशत रही। भारत को इस बात पर यकीन है 2024-25 में मुद्रास्फीति 4.5 फीसदी के अंदर रख पाएगा। लेकिन यह दृश्यावली इतनी भी गुलाबी नहीं है। वर्ष 2023-24 के बीच खुदरा महंगाई दर 5.4 प्रतिशत रही। इससे भी अधिक चिंताजनक यह कि खाद्य महंगाई दर 7.5 प्रतिशत जितनी ऊंची रही। कुल मिलाकर, इस क्षेत्र में कारगुजारी बेहतर रहने के साथ, आर्थिक सर्वे में 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के ध्येय की पूर्ति हेतु अगले सालों में वृद्धि दर पाने की रणनीति के बारे में बताया गया है। वृद्धि निरंतर बनी रहे इसके लिए निजी क्षेत्र को अपनी पूंजी तलाशनी होगी। भारत को हरित ऊर्जा राष्ट्र में तबदील करने के लिए सार्वजनिक-निजी साझेदारी को बढ़ावा देना होगा। सरकार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग तंत्र में खामियों को दूर करना होगा ताकि उनकी तरक्की होती रहे। नीतियों को अमलीजामा पहनाने के लिए राजकीय मशीनरी और व्यवस्था के लिए अपनी कामकाजी गति बढ़ाना जरूरी है। यदि यह अगले 25 सालों का दीर्घकालीन ध्येय है तो इसकी शुरुआत अब हम कहां से करें? प्रथम, करदाताओं के लिए अच्छी खबर यह है कि मानक कर कटौती (स्टैंडर्ड टैक्स डिडक्शन) को 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दिया गया है। टैक्स स्लैब में कुछ बदलाव किया गया है ताकि नौकरीपेशा लोगों के हाथ में 17,000 रुपये तक बचत हो पाए। व्यावसायिक लोग कार्यबल का हिस्सा बनें, इसके लिए उन्हें प्रोत्साहन पैकेज मिलेगा। इससे 20 लाख से अधिक युवाओं को फायदा होने की उम्मीद है। न केवल वेतन पाने वालों को बल्कि पूंजी निवेश से लाभ कमाने वालों को भी आमदनी कर में छूट देकर राहत दी गई है। इस प्रकार, यह बजट मध्य वर्ग का मददगार है, क्योंकि उन्हें कर कम चुकाना पड़ेगा। विद्रूपता यह कि सबसे गरीब तबका, जिसे यूं तो आयकर नहीं देना पड़ता, तथापि अपने उपभोग की तमाम उन वस्तुओं पर वह कर चुकाता है, जो जीएसटी तंत्र के तहत आती हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों को जीएसटी से जुड़े विषयों में सुधार और अधिक किए जाने की जरूरत है, हालांकि इन पर सर्वसम्मति पाना सदा कठिन रहा है। इसके अलावा, यह भी गलत है कि सेस से होने वाली कमाई अकेले केंद्र के हिस्से आए, जिसे वह आगे राज्यों से बांटना नहीं चाहता। उगाहे गए कराधान की जरूरत सूबों को भी उतनी है ताकि वे अपने विकास ध्येयों को पूरा कर पाएं।

सीक्रेट सर्विस की महिला एजेंट्स के बचाव में आए डोनाल्ड ट्रंप, कहा- मुझे बचाते हुए वह कुचली तक गई थी

वॉशिंगटन, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

एक कहावत है 'जाको राखे साइयां, मार सके न कोय' यह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर उस समय बिल्कुल सटीक साबित हुई थी, जब पेंसिल्वेनिया में उनपर जानलेवा हमला किया गया था। एक गोली उन्हें छूते हुए निकल गई थी। हालांकि, इस पूरे मामले के बाद सीक्रेट सर्विस की महिला एजेंटों की भूमिका पर सवाल उठने लगे थे। किसी के कद पर तो किसी के हथियार नहीं संभाल पाने को लेकर निशाना साधा गया। हालांकि, अब पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप खुद इनके बचाव में उतर आए हैं। उन्होंने हमले के दौरान उनकी रक्षा करने के लिए महिला एजेंटों की सराहना की है।

रैली के दौरान हुआ था हमला- बता दें, ट्रंप पर 13 जुलाई को एक रैली के दौरान हमला किया गया था। उस समय उनके साथ मंच पर मौजूद सीक्रेट सर्विस की महिला एजेंटों की अपने से बड़े और लंबे कद के शख्स की उचित तरीके से रक्षा नहीं करने और पेशेवर तरीके से काम नहीं करने को लेकर आलोचना की गई थी।

बस उनकी लंबाई काफी नहीं थी इसलिए-एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने मिनेसोटा की एक रैली में अपने समर्थकों से कहा, वह एक सुंदर इंसान है। वह मेरी ढाल बन रही थी, वह जो कुछ भी कर सकती थी सब कर रही थी। यहां तक कि वह कुचली तक गई थी। बस उनकी लंबाई काफी नहीं थी इसलिए फर्जी खबरों ने उनकी आलोचना की।

वह मुझे हर चीज से बचा रही थी-उन्होंने आगे कहा, ठीक है, आप जानते हैं उनकी लंबाई काफी नहीं थी। इसलिए क्योंकि मैं लंबा हूं और वह उतनी लंबी नहीं थीं। उनकी आलोचना की गई। वह बहुत बहादूर थी। वह मुझे हर चीज से बचा रही थी। वहां गोलीबारी हो रही थी और यहां तक कि वह गोली खाने तक को तैयार थी।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने महिला एजेंट को बहादुर बताया और कहा कि वह उनके लिए गोली खाना चाहती थीं।

20 साल के क्रुक्स ने किया था हमला- एक चुनावी रैली में रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप पर गोलीबारी की गई थी। इस हमले में पूर्व राष्ट्रपति बाल-बाल बच गए। इस पूरी घटना के पीछे जिस शख्स की पहचान हुई वो महज 20 साल का थॉमस मैथ्यू क्रुक्स था। उसे गोलीबारी के तुरंत बाद ही एक स्नाइपर ने मार गिराया था।

न्यूज ब्रीफ

उत्तरी न्यूयॉर्क के पार्क में सामूहिक गोलीबारी, एक की मौत छह घायल

वॉशिंगटन। उत्तरी न्यूयॉर्क के एक पार्क में हुई सामूहिक गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। यह घटना एक स्थानीय कार्यक्रम के दौरान हुई, जब अचानक गोलियों की आवाज से पार्क गूंज उठा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पार्क में चल रहे कार्यक्रम के बीच में ही अज्ञात हमलावर ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस भयावह घटना के चलते वहां अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू में किया और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे इस घटना की जांच कर रहे हैं और हमलावर की तलाश में जुटे हैं। उन्होंने जनता से अपील की है कि अगर किसी के पास इस घटना से संबंधित कोई जानकारी हो तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। अब तक हमलावर के बारे में कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। इस घटना ने स्थानीय समुदाय में डर और चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ाने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का आश्वासन दिया है। स्थानीय निवासियों ने इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

कनाडा में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ जहर उगल रहे खालिस्तानी

कैलगरी। कनाडा में भारत विरोधी गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रहीं। अब यहां के कैलगरी में खालिस्तान पर जनमत संग्रह का तमाशा देखने को मिला। इसमें हिस्सा लेने के लिए कनाडा में रह रहे हजारों सिख कैलगरी के म्यूनिसिपल प्लाजा पहुंचे। यह प्लाजा स्थानीय संयुक्त राज्य राजनयिक मिशन के सामने है। एक चैनल ने इस बारे में विस्तार से रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, इसका आयोजन खालिस्तान समर्थक सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) समूह ने किया। समूह ने इसका आयोजन अल्बर्टा प्रांत के सिखों की राय जानने के लिए किया। अनुमानत: 10 लाख सिख कनाडा और लगभग एक लाख कैलगरी में रहते हैं। हरदीप सिंह निज्जर के परिवार ने जनमत संग्रह के लिए सबसे पहले मतदान किया। खालिस्तान परिषद के अध्यक्ष डॉ. बख्शीश सिंह संधू ने मतदान की शुरुआत में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ जहर उगला।

हिंसा प्रभावित बांग्लादेश में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं 10 दिन बाद बहाल

ढाका। बांग्लादेश में देशव्यापी हिंसा और आगजनी के चलते 10 दिनों से बंद मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बहाल कर दी गईं। ज्ञात रहे कि पड़ोसी बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग लेकर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जल्द पूरे देश में हिंसा में तब्दील हो गई। सरकार ने सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों के प्रसार को रोकने के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया था। खबर के अनुसार, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक ने संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि सेवाएं बहाल होने के बाद तीन दिन तक सभी उपयोगकर्ताओं को 5 जीबी इंटरनेट मुफ्त दिया जाएगा। स्थानीय समयानुसार अपराह्न लगभग तीन बजे मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को फिर से शुरू कर दिया गया। खबर के अनुसार, ढाका में रॉबी, ग्रामीणफोन, बांग्लालिंक और अन्य ऑपरेटर के उपयोगकर्ताओं ने कहा कि वे अपराह्न तीन बजे के आसपास अपने मोबाइल फोन पर इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। सरकार ने 18 जुलाई को देशभर में हिंसा बढ़ने के बाद मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया था। ढाका और अन्य शहरों में विश्वविद्यालय के छात्रों ने 1971 में बांग्लादेश के 'मुक्ति संग्राम' के लिए लड़ने वाले युद्ध नायकों के रिश्तेदारों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों को आरक्षित करने की प्रणाली के खिलाफ प्रदर्शन किया था, जिसने हिंसक रूप ले लिया था। खबरों के अनुसार, हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, मौतों के बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाने का आदेश देने के अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि लोगों के जीवन और उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए गए। बांग्लादेश में हालांकि बुधवार को स्थिति सामान्य हो गई।

चार देशों के समूह क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में जयशंकर बोले

स्थिरता, सुरक्षा, प्रगति और समृद्धि के लिए भरोसेमंद भागीदारों की जरूरत

टोक्यो, 29 जुलाई (एजेंसियां)। चार देशों के समूह क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में सबसे पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कई मुद्दों पर बात रखी। उसके बाद अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री ने भी अपनी बात रखी। आइए जानते हैं किसने क्या कहा।

क्या बोले जयशंकर?

जापान के टोक्यो में क्वाड विदेश मामलों के मंत्रियों की बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'क्वाड और हमारे संबंधित द्विपक्षीय या यहां तक कि त्रिपक्षीय संबंधों के बीच एक मजबूत बातचीत है। एक मोर्चे पर प्रगति दूसरे को मजबूत करती है और इस तरह क्वाड के महत्व को बढ़ाती है। ये चुनौतीपूर्ण समय हैं। चाहे वह स्थिरता और सुरक्षा हो या प्रगति और समृद्धि, अच्छी चीजें अपने आप नहीं होती हैं। उन्हें भरोसेमंद भागीदारों की जरूरत है, उन्हें अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। क्वाड दोनों का एक बेहतरीन समकालीन उदाहरण है।'

उन्होंने आगे कहा, जब मैंने विशेष उदाहरण दिए हैं तो यह जरूरी है कि हम सभी बिंदुओं को जोड़े। कुल मिलाकर संदेश यह है कि हमारे चार देश एक स्वतंत्र हिंद-प्रशांत के लिए, नियम-आधारित व्यवस्था और वैश्विक भलाई के लिए मिलकर काम कर रहे हैं, जो अपने आप में एक अनिश्चित और अस्थिर दुनिया में एक शक्तिशाली स्थिर कारक है।

यह कोई चर्चा की दुकान नहीं

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, यह कोई बातचीत की दुकान नहीं है, बल्कि एक ऐसा मंच है जो व्यावहारिक परिणाम देता है। उदाहरण के लिए, हमारी एचएडीआर बातचीत हमारी नौसेनाओं के बीच समझ और एसओपी में दिखाई देती है। क्वाड से निकली इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस पहल आज सूचना संलयन केंद्रों को जोड़ती है। हमने जिसके बारे में बहुत बात की है वो है ओपन आरएएन नेटवर्क, जिसे पलाऊ में तैनात किया जा रहा है। मॉरीशस में जल्द ही एक अंतरिक्ष-आधारित जलवायु चेतावनी प्रणाली शुरू की जाएगी। कोविड के दौरान, हमने इस क्षेत्र के देशों को टीके पहुंचाने के लिए सहयोग किया। क्वाड स्क्वॉशरू फेलोशिप का पहला समूह पास आउट हो रहा है और दूसरा भी आसियान को कवर करेगा।

उन्होंने कहा, हम विश्वसनीय दूरसंचार प्रौद्योगिकी और समुद्र के नीचे केबल कनेक्टिविटी से लेकर मानवीय और आपदा राहत, महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकी, साइबर और स्वास्थ्य सुरक्षा, जलवायु कार्रवाई, बुनियादी ढांचे, क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण, समुद्री डोमेन जागरूकता, एसटीईएम शिक्षा और आतंकवाद का मुकाबला करने तक काम कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, एक मंत्री के रूप में नहीं बल्कि एक व्यक्ति के तौर पर, जो क्वाड से सबसे लंबे समय से जुड़ा हुआ है, मुझे जो सच में संतुष्टि मिलती है वह यह है कि यह हमारी विदेश नीतियों में कितनी गहराई से और व्यवस्थित रूप से अंतर्निहित है। हमारी सरकार की विभिन्न एजेंसियां और उनके अलावा अन्य हितधारक अब नियमित रूप से मिलते हैं। इसका विस्तार होता रहता है। हमारे नेताओं ने व्यक्तिगत रूप से क्वाड के विकास का नेतृत्व किया है। पिछले कुछ वर्षों में हमने जो विस्तृत एजेंडा बनाया है, उसकी मैं सराहना करता हूं।

हम एक विश्वास के साथ जुड़े हुए-एंटनी ब्लिंकन

विदेश मंत्री जयशंकर के अलावा अमेरिकी विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन भी बैठक में बोले। उन्होंने कहा, यह हमारे चार देशों के बीच शानदार रणनीतिक बैठक का पल है। हमारे चार देश हैं जो एक मुक्त और खुले, जुड़े, समृद्ध और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक साझा दृष्टिकोण से एकजुट हैं। हम एक विश्वास के साथ भी जुड़े हुए हैं कि हम एक साथ भविष्य को इस तरह से आकार देने में मदद कर सकते हैं जो हमारे और पूरे क्षेत्र के कई अन्य लोगों को लाभ पहुंचाएगा।

नियमों को तोड़ा-मरोड़ा जा रहा

ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री पेनी वॉन्ग ने कहा, हम ऐसे समय में रह रहे हैं जहां हमारी दुनिया और हमारे क्षेत्र को नया रूप दिया जा रहा है। संघर्षों से लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है और जान की कीमत चुकानी पड़ रही है। लंबे समय से चले आ रहे नियमों को तोड़ा-मरोड़ा जा रहा है। देशों को एकजुट व्यापार उपायों, अस्थिर ऋण, राजनीतिक हस्तक्षेप और गलत सूचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया के लिए क्वाड साझेदारी इस बात पर केंद्रीय है कि हम इन परिस्थितियों का कैसे जवाब दे सकते हैं।

भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने नवंबर 2017 में 'क्वाड' की स्थापना की थी, ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए एक नयी रणनीति विकसित की जा सके। चीन, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है, जबकि फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान भी इस समुद्री क्षेत्र पर दावे करते हैं।

पाकिस्तान में भड़की भयानक हिंसा

36 लोगों की मौत सैड़कों हुए घायल

इस्लामाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

आतंक को पालने वाले देश पाकिस्तान का अब खुद ही बुरा हाल होता जा रहा है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में दो कबाइली समूहों के बीच बड़ी हिंसा हुई है। इस हिंसा में अब तक 36 लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं, सैकड़ों लोग घाल भी हुए हैं। अधिकारियों ने बताया है कि दो समूहों के बीच पांच दिन पहले भीषण झड़पें शुरू हो गई थीं। इस झड़प में हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया था।

कैसे भड़की हिंसा?

पाकिस्तान के स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में जमीन के एक टुकड़े के लिए दो कबाइली समूहों के बीच ये सशस्त्र संघर्ष शुरू हुआ है। हिंसा में 36 लोग मारे गए और 162 घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया है कि इस गांव में पहले भी जनजातियों और धार्मिक समूहों के बीच घातक संघर्ष के साथ-साथ सांप्रदायिक झड़पें और आतंकवादी हमले हो चुके हैं।

पुलिस ने क्या बताया?

पूरी हिंसा के बारे में पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में बीते पांच दिनों में हुई जनजातीय हिंसा में 36 लोग मारे गए और 162 अन्य घायल हुए हैं। ये घटना ऊपरी कुर्रम जिले के बोशेरा गांव में हुई है।

गोलीबारी अभी भी जारी

अधिकारियों ने बताया है कि आदिवासी बुजुर्गों, सैन्य नेतृत्व, पुलिस और जिला प्रशासन की मदद से कुछ समय पहले बोशेरा, मलिकेल और डंडार इलाकों में शिया तथा सुन्नी जनजातियों के बीच समझौता कराया गया है। हालांकि, जिले के कुछ अन्य हिस्सों में गोलीबारी अभी भी जारी है। वहीं, एक अधिकारी ने बताया कि शेष क्षेत्रों में भी संघर्षविराम के प्रयास किए जा रहे हैं।

निकोलस तीसरी बार चुने गए वेनेजुएला के राष्ट्रपति, विपक्ष ने लगाए धांधली के आरोप

कराकास, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

वेनेजुएला में हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक बार फिर निकोलस मादुरौ की सत्ता में वापसी हुई है और वह लगातार तीसरी बार वेनेजुएला के राष्ट्रपति चुने गए हैं। हालांकि विपक्ष ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाते हुए नतीजों पर सवाल उठाए हैं। वेनेजुएला में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रविवार को मतदान हुआ था। देश के विभिन्न मतदान केंद्रों पर लोगों की भारी भीड़ देखी गई थी और करीब दो करोड़ पंजीकृत मतदाताओं ने राष्ट्रपति चुनाव में मतदान किया था।

विपक्ष अपनी जीत को लेकर था आश्वस्त-वेनेजुएला के चुनाव आयोग नेशनल इलेक्टोरल काउंसिल के प्रमुख एल्विस एमोरोसो ने बताया कि निकोलस मादुरो को 51 प्रतिशत वोट मिले। वहीं विपक्ष के नेता एडमुंडो गोंजालेज को 44 प्रतिशत मत मिले। विपक्ष अपनी जीत को लेकर इतना सुनिश्चित था कि चुनाव नतीजे आने से पहले ही विपक्ष के नेताओं ने सोशल मीडिया पर जीत के दावे करना और जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया था। एग्जिट पोल्स के नतीजों में भी गोंजालेज को बड़े अंतर से जीतता हुआ बताया गया था, जिससे विपक्ष के हौसले बुलंद थे। हालांकि जैसे ही नतीजे सामने आए तो विपक्ष हैरान रह गया। विपक्ष चुनाव में धांधली का आरोप लगा रहा है।

मौजूदा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को इस चुनाव में एकजुट विपक्ष से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था। विपक्ष ने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया था कि वे बीते एक दशक से जारी आर्थिक संकट को दूर करेंगे। वेनेजुएला में आर्थिक संकट के चलते करीब 70 लाख लोग देश छोड़कर अन्य देशों में बस चुके हैं। 74 वर्षीय एडमुंडो गोंजालेज युरुशिया के नेतृत्व में विपक्ष ने मादुरो के खिलाफ चुनाव लड़ा था। हालांकि वह बीते 11 वर्षों से सत्ता पर काबिज निकोलस मादुरो को मात नहीं दे सके। वेनेजुएला में दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार हैं और कभी लैटिन अमेरिका की सबसे उन्नत अर्थव्यवस्था थी, लेकिन मादुरो के सत्ता में आने के बाद देश में आर्थिक गिरावट का दौर शुरू हुआ। यूएस के आर्थिक प्रतिबंधों ने भी स्थिति को और खराब किया। विपक्ष ने देश में व्याप्त विशाल असमानताओं पर ध्यान केंद्रित करने और बेहतर नौकरी की संभावनाएं देने का वादा किया था।

अमेरिका ने उठाए मादुरो की जीत पर सवाल, राष्ट्रपति बोले- धोखाधड़ी का रोना फिर शुरू, ये नई बात नहीं

कराकास, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

वेनेजुएला में राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने के बाद अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए निकोलस मादुरो ने कहा कि 'विपक्ष ने नतीजों के बाद फिर से चुनाव में धोखाधड़ी का रोना शुरू कर दिया है।' मादुरो ने कहा कि 'हम पहले भी कई बार इस फिल्म को देख चुके हैं।' वहीं अमेरिका की सरकार ने वेनेजुएला के चुनाव नतीजों को लेकर चिंता जाहिर की है और कहा है कि ये नतीजे वेनेजुएला के लोगों की इच्छा को प्रदर्शित नहीं करते हैं।

मादुरो ने विपक्ष पर लगाए आरोप

राजधानी काराकास में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए निकोलस मादुरो ने कहा कि 'मैं 20 साल पहले राजनीति में आया था, उस वक्त आपमें से कई पैदा भी नहीं हुए होंगे और वे तब से ही चुनाव के नतीजों में धांधली का आरोप लगा रहे हैं। वे (विपक्षी) सब बुरे चेहरे वाले लोग हैं और आप (समर्थक) जो यहां हैं, वो समझदार और शानदार लोग हैं। मादुरो ने कहा कि उनका फिर से राष्ट्रपति

पद पर चुना जाना शांति और स्थिरता लेकर आएगा।'

मादुरो ने 900 से ज्यादा चुनाव सर्वेक्षकों की भी तारीफ की और कहा कि अगले 24 घंटे में हम ऐसे सबूत देंगे,, जिससे यह पक्का हो जाएगा कि चुनाव नतीजे पूरी तरह से सही हैं। गौरतलब है कि निकोलस मादुरो की तीसरी बार सत्ता में वापसी हो रही है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति पद के चुनाव नतीजों में मादुरो को सबसे ज्यादा 51 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला। वहीं विपक्षी नेता गोंजालेज को 44 फीसदी लोगों ने समर्थन दिया।

अमेरिका ने मादुरो की जीत पर उठाए सवाल

अमेरिका की सरकार ने वेनेजुएला के चुनाव नतीजों पर चिंता जाहिर की है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका वेनेजुएला के चुनाव नतीजों को लेकर चिंतित है। ब्लिंकन ने कहा कि नतीजों में निकोलस मादुरो को विजेता घोषित किया गया है, लेकिन हमें चिंता है कि ये चुनाव नतीजे सही नहीं हैं। घोषित चुनाव नतीजे वेनेजुएला के लोगों के इच्छा को प्रदर्शित नहीं करते हैं। चुनाव नतीजे जारी होने से पहले भी ब्लिंकन ने कहा था कि वेनेजुएला में चुनाव नतीजे निष्पक्ष और पारदर्शी होने चाहिए।

बता दें कि वेनेजुएला में विपक्ष ने चुनाव नतीजों में धांधली के गंभीर आरोप लगाए हैं। गौरतलब है कि एग्जिट पोल्स के नतीजों में विपक्ष को बहुमत मिलने का दावा किया गया था, जिसके बाद विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों ने जीत का जश्न भी मनाना शुरू कर दिया था, लेकिन अब चुनाव नतीजों से उन्हें तगड़ा झटका लगा है।

रुश्दी ने एक वर्चुअल कार्यक्रम 'साउथ एशियन मेन फॉर हैरिस' में चर्चा करते हुए कहा

कमला हैरिस राष्ट्रपति पद की सशक्त उम्मीदवार, उनके न जीतने की कोई वजह नहीं

वॉशिंगटन, 29 जुलाई (एजेंसियां)।

मुंबई में जन्मे लेखक सलमान रुश्दी ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस की उम्मीदवारी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि हैरिस ही एक वह शख्स हैं, जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को देश को अधिनायकवाद की ओर खींचने से रोक सकती हैं।

रुश्दी ने एक वर्चुअल 'साउथ एशियन मेन फॉर हैरिस' कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैरिस के प्रति अपना समर्थन जताया। इस दौरान सांसद, लेखक, नीति विशेषज्ञ, उद्यमी और प्रवासी संगठनों सहित भारतीय-अमेरिकी समुदाय के कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। लेखक ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण पल है। मैं मुंबई का लड़का हूं और एक भारतीय महिला को व्हाइट हाउस के लिए चुनाव लड़ते देखना बहुत अच्छा है। मेरी पत्नी अफ्रीकी-अमेरिकी हैं, इसलिए हमें यह तथ्य पसंद आया कि एक अश्वेत और भारतीय महिला व्हाइट हाउस के लिए चुनाव लड़ रही है।

बाइडन चुनावी दौड़ से बाहर

गौरतलब है, कुछ दिन पहले यानी 21 जुलाई को 81 साल के जो बाइडन ने चुनावी दौड़ से बाहर होने का एलान कर सबको चौंका दिया था। हालांकि, राष्ट्रपति बाइडन ने 59 साल की कमला हैरिस को अपना समर्थन दिया था। वहीं, 26 जुलाई को पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी उनका समर्थन किया है। अगले महीने डेमोक्रेट्स उन्हें आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित कर सकती हैं।

हेली के लिए नहीं होता ऐसे कोई इकट्ठा

77 वर्षीय ब्रिटिश-अमेरिकी

उपन्यासकार ने यह भी कहा कि जातीयता अपने आप में पर्याप्त नहीं है। उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वेंस की भारतीय-अमेरिकी पत्नी और दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर भारतीय-अमेरिकी का जिक्र करते हुए कहा, हम इस तरह से उषा वैंस या निक्की हेली के लिए इकट्ठा नहीं होते।

हैरिस की उम्मीदवारी से बदली बातचीत

रुश्दी ने जोर देकर कहा कि सियासी गलियारे में हलचल इसलिए तेज हुई है क्योंकि केवल एक सप्ताह के भीतर बहुत कुछ बदला है। कमला हैरिस की उम्मीदवारी के साथ ही बातचीत पूरी तरह से बदल गई है और यह सबसे खुशी, आशावाद और सकारात्मक, दूरगामी सोच का एक तरीका है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समुदाय को यह काम करना होगा क्योंकि हम विकल्प को लाने नहीं दे सकते।

ट्रंप पर किया हमला

उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि एक भी अच्छा गुण नहीं रखने वाला यह खोखला शख्स इस देश को अधिनायकवाद की ओर खींचने की कोशिश कर रहा है। ऐसा नहीं होने दिया जा सकता है। उन्होंने आगे विश्वास जताते हुए कहा कि हैरिस ही एक ऐसी शख्स है, जो इसे रोक सकती है। इसलिए मैं उनके लिए साथ 1,000 प्रतिशत खड़ा हूं।

रुश्दी ने पूर्व राष्ट्रपति की लोकप्रियता को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, ठीक है, अभी वह स्टार की तरह नहीं दिखते हैं। वह बूढ़े, मोटे आदमी की तरह दिखते हैं। कमला सुपरस्टार की तरह दिखती हैं। मुझे लगता है कि वह जो करिश्मा अभियान में लेकर आती हैं, वह आने वाले हफ्तों में महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब समय बदल गया

यह पूछे जाने पर कि देश में ऐसे संशयवादी हैं जो मानते हैं कि अमेरिका अश्वेत और भारतीय मूल की महिला को राष्ट्रपति के रूप में नहीं चुनेगा, रुश्दी ने कहा कि यह तर्क शायद एक दशक पहले भी दिया जाता रहा होगा, लेकिन समय बदल गया है। मुझे लगता है कि अब महिला नेतृत्व को जिस तरह से देखा जाता है, वह अलग है। जिस तरह से नस्ल के मुद्दे को सकारात्मक बनाया जा सकता है, वह एक नई बात है। इसलिए मुझे लगता है कि कमला के न जीतने की कोई वजह नहीं है और वास्तव में वह आसानी से जीतेंगी।

क्रिकेट का ओलंपिक हिस्सा बनना सचमुच अभूतपूर्व : राहुल द्रविड़

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक के खेल कार्यक्रम में क्रिकेट को शामिल किए जाने की सराहना करते हुए इसे वास्तव में अभूतपूर्व बताया। द्रविड़ ड्रीम स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित एक विशेष पैनल चर्चा का हिस्सा थे, जिसका शीर्षक था ओलंपिक में क्रिकेट – एक नए युग की शुरुआत, जो चल रहे पेरिस ओलंपिक में पहली बार इंडिया हाउस में आयोजित किया गया था।

इंडिया हाउस की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में द्रविड़ के हवाले से कहा गया, अगर आपको खेल से उतना ही प्यार है जितना मुझे है, तो आप ओलंपिक के साथ बड़े हुए हैं। मेरी सबसे पुरानी यादें कार्ल लुईस के ओलंपिक जीतने और भारत में टेलीविजन के आने से जुड़ी हैं। हम इन महान एथलीटों को खेलते और खेलते देखने के लिए टेलीविजन सेट से चिपके रहते थे। आप हमेशा एक महान आयोजन का हिस्सा बनना चाहते हैं। क्रिकेट में आपके पास शानदार आयोजन हैं, लेकिन वे व्यक्तिगत आयोजन हैं। इस तरह के माहौल, ऊर्जा और जोश में होना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक सपने के सच होने जैसा है। पैनल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सीईओ ज्योफ एलार्डिस और ड्रीम स्पोर्ट्स के सीईओ हर्ष जैन भी शामिल थे।

एलार्डिस ने खेल को आगे बढ़ाने के आईसीसी के दृष्टिकोण के बारे में कहा, आप देख सकते हैं कि टी विश्व कप में यूएसए ने कैसा प्रदर्शन किया और अचानक से क्रिकेट के बारे में न जानने वाले लोग भी यूएसए टीम के प्रदर्शन के बारे में बात करने लगे। 2028 में ओलंपिक की मेजबानी से पहले, यह पहला वास्तविक बयान था। ओलंपिक की मेजबानी से चार साल पहले यूएसए के पास वास्तव में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट टीम होना वास्तव में एक अच्छा कदम है।

दुनिया के आधे से ज़्यादा लोग क्रिकेट खेलते हैं

क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल किए जाने को बहुत पहले से लंबित बताते हुए जैन ने कहा, आईसीस के 100 से ज़्यादा सदस्य हैं, इसलिए दुनिया के आधे से ज़्यादा लोग क्रिकेट खेलते हैं। यह दुनिया के लिए एक बड़ी जीत है कि एक अरब से ज़्यादा लोग ओलंपिक देखेंगे। यह भारत और क्रिकेट के लिए एक बड़ा क्षण है। यह दुनिया में क्रिकेट के विकास के लिए एक बड़ा क्षण है। जमीनी स्तर पर क्रिकेट को शामिल करने के लिए बहुत ज़्यादा धन खर्च किया जाएगा।

द्रविड़ ने अमेरिका में खेल के प्रति जुनून पर भी बात की और कहा कि वहां इस खेल के प्रति जबरदस्त जुनून है।

अमेरिका में क्रिकेट के प्रति लोगों में अभूतपूर्व जुनून है

भारत के पूर्व मुख्य कोच ने कहा, हमें पता है कि अमेरिका में क्रिकेट के लिए अविश्वसनीय दर्शक हैं। हम यह सिर्फ अमेरिका से विश्व कप के अन्य आयोजनों में आने वाले लोगों की संख्या से जानते हैं। अमेरिका में इस खेल के लिए बहुत जुनून है। खेल को बढ़ावा देना और अधिक लोगों का खेल खेलना अभूतपूर्व है।

यह वास्तव में अभूतपूर्व है

खुद को खेल प्रशंसक बताने वाले द्रविड़ ओलंपिक में क्रिकेट के शामिल होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, मुझे हमेशा से लगता था कि क्रिकेट को इसका हिस्सा होना चाहिए। यह वास्तव में एक शानदार खेल है। दुनिया भर में बहुत से लोग इसे पसंद करते हैं। यह मेरे जैसे किसी व्यक्ति के लिए शानदार है जो अब केवल एक प्रशंसक है। यह वास्तव में अभूतपूर्व है।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस ओलंपिक : महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में 7वें स्थान पर रहीं रमिता जिंदल

पेरिस। भारतीय निशानेबाज रमिता जिंदल सोमवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं। वह एलिमिनेशन के लिए फ्रांस की ओसेन मुलर के साथ शूट-ऑफ में शामिल थीं और 10.5 अंकों के साथ बाहर हो गईं, जबकि फ्रांसीसी शूटर 10.8 अंक ही बना पाईं। फाइनल के बाद भारतीय शूटर का कुल स्कोर 145.3 रहा। रमिता पहले नौ शॉट के बाद तीसरे स्थान पर थीं, लेकिन 10वें शॉट में वह मात्र 9.7 अंक ही बना पाईं, जिससे वह सातवें स्थान पर खिसक गईं। लेकिन उन्होंने 10.4 और 10.5 के शॉट के साथ पहले एलिमिनेशन को टालने के लिए घबराहट से लड़ाई लड़ी। अगले कुछ शॉट में, उन्होंने 10.2 के समान स्कोर बनाए और मुलर के साथ बराबरी पर रहीं, लेकिन बाद में शूट-ऑफ में मुलर ने जीत हासिल की। वहीं दूसरी तरफ अर्जुन बाबूता सोमवार को पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर पुरुष एयर राइफल स्पर्धा में पोडियम स्थान के बेहद करीब पहुंच गए थे, लेकिन उन्हें चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा।

पेरिस ओलंपिक टेबल टेनिस : राउंड ऑफ 64 मैच में हारे हरमीत देसाई

पेरिस। भारतीय पैडलर हरमीत देसाई को रविवार रात पेरिस ओलंपिक में टेबल टेनिस पुरुष एकल के 64वें राउंड के मैच में फ्रांस के फेलिक्स लेब्रन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हरमीत देसाई को फेलिक्स लेब्रन के खिलाफ़ 11-8, 11-8, 11-6, 11-8 से हार का सामना करना पड़ा। लेब्रन ने पहले सेट से ही खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और मैच को सिर्फ़ 28 मिनट में ही समाप्त कर दिया। 31 वर्षीय भारतीय पैडलर ने शनिवार को प्रारंभिक दौर में जॉर्डन के जैद अबो यमन को सीधे गेम में हराकर पेरिस 2024 के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया था। लेकिन टेबल टेनिस पुरुष एकल स्पर्धा में आगे बढ़ने में असफल रहे। इससे पहले दिन में भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना पहला पदक जीता, जब शीर्ष निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। 22 वर्षीय मनु भाकर ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भाकर ने चल रहे मेगा इवेंट में 221.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

बोपन्ना-बालाजी की जोड़ी पहले ही दौर में हारकर हुई बाहर

पेरिस। रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी की भारतीय जोड़ी रविवार देर रात पेरिस ओलंपिक में टेनिस पुरुष युगल स्पर्धा के पहले दौर के मैच में हारकर बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी को फ्रांसीसी जोड़ी गेल मोनफिल्स और एडौर्ड रोजर-वेसलिन के खिलाफ सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। यह खेल 1 घंटे 16 मिनट तक चला। फ्रांसीसी जोड़ी ने अपने तीन ब्रेक-पॉइंट मौकों में से दो को भुनाया, जिससे उन्हें पहला सेट जीतने में मदद मिली। इस बीच, बोपन्ना-बालाजी ने 15 अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे वे मैच पर नियंत्रण नहीं बना पाए। दूसरे सेट में फ्रांसीसी जोड़ी ने चौथे और आठवें गेम में बोपन्ना-बालाजी की सर्विस तोड़कर सीधे जीत हासिल की। इससे पहले दिन में भारत ने पेरिस ओलंपिक में अपना पहला पदक जीता जब शीर्ष निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर महिला एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। 22 वर्षीय मनु भाकर ओलंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। भाकर ने 221.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीतकर चल रहे मेगा इवेंट में भारत को पहला पदक दिलाया।

चिराग-सात्विक क्वार्टरफाइनल में, लक्ष्य ने भी जीत दर्ज की

पेरिस 29 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक 2024 बैडमिंटन स्पर्धा में पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। एकल मुकाबले में लक्ष्य सेन ने बेल्जियम के शटलर जूलियन कैरागी को हराया।

चिराग-सात्विकसाईराज की जोड़ी का मुकाबला जर्मनी के मार्क लैम्सफस और मार्विन सीडेल से होना था। लैम्सफस चोट के कारण इस जोड़ी को ओलंपिक से हटना पड़ा, जिसके कारण मैच रद्द हो गया। दुनिया की तीसरे नंबर की चिराग-सात्विक की जोड़ी ने अपने पेरिस 2024 अभियान की शुरुआत 40वीं रैंकिंग वाले फ्रांस के लुकास कोरवी और रोनन लाबर को 21-17, 21-14 से हराकर की थी। वहीं, कोरवी और लाबर को दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के मुहम्मद रियान अर्दियांतो और फजर अल्फियान से हार मिली। फ्रांसीसी जोड़ी के दो मैच हारने के कारण भारतीय जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में आराम से जगह बना ली। सात्विक-चिराग का अगला ग्रुप सी मुकाबला मंगलवार को इंडोनेशियाई जोड़ी से होगा।

इसके अलावा भारत के लक्ष्य सेन ने सोमवार को पेरिस ओलंपिक में ग्रुप एल पुरुष एकल मुकाबले में जीत दर्ज की। सेन ने ला चैपल एरिना में 43 मिनट तक चले मुकाबले में 21-19, 21-14 से जीत हासिल की। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी इस मुकाबले में 52वीं रैंक के प्रतिद्वंद्वी पर पूरी तरह से हावी रहे और बेल्जियम के शटलर जूलियन कैरागी को शिकस्त दी।

सेन बुधवार को अपने एल ग्रुप मुकाबले में तीसरी वरीयता प्राप्त 26 वर्षीय जोनाटन क्रिस्टी से भिड़ेंगे। अगर सेन अपने इंडोनेशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत हासिल करते हैं तो वह ग्रुप विजेता के रूप में प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच जायेंगे।

वहीं बैडमिंटन महिला युगल ग्रुप सी मुकाबले में भारत की तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को जापान की नामी मत्सुयामा और चिहारू ने 21-11, 21-12 से हराया। चौथी वरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी ने क्रास्टो-पोनप्पा को 48 मिनट में हरा दिया।

भारतीय जोड़ी को शनिवार को दक्षिण कोरिया की किम सो येओंग और कोंग ही योंग से सामना करना पड़ा था। क्रास्टो-पोनप्पा मंगलवार को अपने अंतिम ग्रुप-स्टेज मैच में ऑस्ट्रेलिया के सेत्याना मापसा और एंजेला यू से मुकाबला करेंगी।

हरमनप्रीत के आखिरी क्षणों में किए गए गोल की बदौलत भारत ने अर्जेंटीना को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के 59वें मिनट में किये गए गोल की बदौलत भारत ने सोमवार को यहां यवेस-डू-मानोइर स्टेडियम में पूल बी के मैच में अर्जेंटीना को 1-1 से बराबरी पर रोक दिया। लुकास मार्टिनेज (22%) ने शुरुआत में ही अर्जेंटीना को बढ़त दिला दी थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच 3-2 से जीतने के आत्मविश्वास के साथ मैच में उतरते हुए भारत ने पहले क्वार्टर में दबदबा बनाया, जिसमें युवा भारतीय फॉरवर्ड ने जोरदार हमला किया, लेकिन अर्जेंटीना की गतिरोध को तोड़ना एक संघर्ष था। इस बीच, अर्जेंटीना, जिसने अपना पिछला मैच ऑस्ट्रेलिया से 0-1 से गंवाया था, शुरुआती हूटर से ही भारत को दबाव में रखने के लिए अधिक दृढ़ संकल्पित दिख रहा था। पहला क्वार्टर गोल रहित रहने के बाद, भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत 19वें मिनट में लगातार पेनल्टी कॉर्नर (पीसी) हासिल कर की, लेकिन अर्जेंटीना के गोलकीपर सैंटियागो ने भारत के कप्तान को गोल करने से रोके रखा। मैच के 22वें मिनट में लुकास मार्टिनेज ने डिफेंडर हरमनप्रीत को चकमा देते हुए सर्कल में जगह बनाते हुए गोलकीपर श्रीजेश को छकाकर बेहतरीन गोल किया और अपनी टीम को 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि भारत ने इस क्वार्टर में बराबरी करने के लिए कुछ संभावित प्रयास किए, लेकिन अर्जेंटीना की बैकलाइन पूरे समय दृढ़ रही। पहले हॉफ की समाप्ति पर अर्जेंटीना की टीम 1-0 से आगे रही। हॉफ टाइम के बाद भी भारत का संघर्ष जारी रहा, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिली। अंतिम क्वार्टर पूरी तरह से नाटकीय था, फिर भी भारत के लिए तनावपूर्ण था क्योंकि भारतीय टीम अभी भी बराबरी करने की कोशिश में थी, लेकिन अर्जेंटीना के डिफेंस को वे भेद नहीं पा रहे थे। अंतिम कुछ क्षण काफी रोमांचक रहे क्योंकि भारत ने पीसी की झड़ी लगा दी और आखिरकार आखिरी समय में बढ़त बनाने में सफल रहा। हरमनप्रीत ने शानदार प्रदर्शन किया और शक्तिशाली ड्रैग के साथ गोलकीपर सैंटियागो को छकाते हुए शानदार गोल कर भारत को 1-1 से बराबरी दिला दी। आखिरी में किए गए इस गोल ने स्टैंड में मौजूद भारतीय प्रशंसकों के बीच जश्न का माहौल बना दिया। भारतीय टीम अपने अगले मैच में मंगलवार, 30 जुलाई को आयरलैंड से भिड़ेगी।

नडाल और जोकोविच का होगा आमना-सामना, 2022 के बाद पहली बार एक दूसरे के सामने होंगे

पेरिस, 29 जुलाई (एजेंसियां) ।

स्पेन के स्टार राफेल नडाल और 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता नोवाक जोकोविच का पेरिस ओलंपिक के पुरुष एकल वर्ग में सामना होगा। दोनों दिग्गज खिलाड़ी 2022 के बाद पहली बार एक दूसरे के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। स्पेनिश स्टार राफेल नडाल ने अंतिम मिनट में एकल में खेलने का फैसला करते हुए रविवार को पहले दौर के मैच में मार्टन फुकसोविक्स पर जीत दर्ज की।

नडाल ने यहां 14 बार रोलां गैरों की लाल बजरी पर रिकॉर्ड फ्रेंच ओपन खिताब जीते हैं। उन्होंने फुकसोविक्स पर 6-1, 4-6, 6-4 से जीत दर्ज की। नडाल का दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाकर स्वागत किया जिनमें से कई ने अपने फोन के कैमरे से उस पल को कैद किया जब वह कोर्ट फिलिप चैटियर में पहुंचे। नडाल और अल्कारेज की जोड़ी ने युगल के पहले दौर में शनिवार को अर्जेंटीना के मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्टेनी को 7-6, 6-4 से मात दी थी। और साढ़े 18 घंटे बाद नडाल फिर से एकल खेलने कोर्ट पर थे जिसमें खेलने को लेकर पहले स्पष्टता नहीं थी।

नडाल और जोकोविच पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा समय के दिग्गज खिलाड़ी हैं। इन दोनों के नाम ओपन एरा में सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम जीतने के रिकॉर्ड दर्ज हैं। हालांकि, जोकोविच सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम जीतने के मामले में नडाल से आगे चल रहे हैं, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी को लाल बजरी का बादशाह कहा जाता है इसलिए इस सतह पर नडाल को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। नडाल की तुलना में जोकोविच ने पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा मैच खेले हैं। जोकोविच ओलंपिक से पहले फ्रेंच ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे जहां उन्हें अल्कारेज से हार का सामना करना पड़ा था। नडाल और जोकोविच के बीच पिछली बार 2022 में रोलां गैरों के क्वार्टर फाइनल का मुकाबला खेला गया था जिसमें नडाल ने चार सेटों में जीत दर्ज की थी। जोकोविच और नडाल के फिलहाल जीत हार का रिकॉर्ड 30-29 का है और सर्बियाई खिलाड़ी मौजूदा समय में नडाल से आगे हैं।

नडाल ने कहा कि जोकोविच इस मैच में दावेदार हैं। उन्होंने कहा, %हम दोनों के लिए स्थिति पूरी तरह अलग है। जोकोविच काफी प्रतिस्पर्धी हैं और पिछले दो साल से मैं इतना प्रतिस्पर्धी नहीं हूं। इसलिए जोकोविच इस मैच को जीतने के बड़े दावेदार हैं। जोकोविच ने कहा कि नडाल हमेशा से उनके करियर में सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी रह हे हैं। उन्होंने कहा, जब तक हम दोनों खेल रहे हैं, नडाल मेरे सबसे बड़े प्रतिस्पर्धी हैं।

अगली आईसीसी बैठक की मेजबानी करेगा बांग्लादेश : नजमुल

ढाका, 29 जुलाई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष नजमुल हसन ने कहा कि बांग्लादेश अगली आईसीसी बोर्ड बैठक की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और साथ ही खेल की शासी संस्था के चुनाव होने की भी संभावना है।

ग्रेग बार्कले आईसीसी के वर्तमान अध्यक्ष हैं। नवंबर 2022 में, बार्कले को सर्वसम्मति से दूसरे दो साल के कार्यकाल के लिए आईसीसी के अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, जो इस साल के अंत में समाप्त हो रहा है।

नजमुल ने सचिवालय में एक अचानक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संवाददाताओं से कहा, यह पुष्टि हो गई है कि अगली आईसीसी बोर्ड बैठक ढाका में होगी। संभवत: आईसीसी चुनाव भी यहीं होंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आईसीसी चुनाव यहीं होंगे क्योंकि वर्तमान अध्यक्ष की यह आखिरी बोर्ड बैठक होगी। हमें इस समय तक अपना चुनाव जनादेश देने की उम्मीद है। नजमुल ने आगे बताया कि आईसीसी देश में अशांति को लेकर चिंतित है, लेकिन आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में उनकी मौजूदगी ने शासी निकाय को आश्वस्त किया है कि बांग्लादेश आगामी महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी की योजना पर काम कर रहा है।

इससे पहले, बीसीबी के मुख्य कार्यकारी निजामुद्दीन चौधरी और बीसीबी महिला विंग के अध्यक्ष शफीउल आलम चौधरी नाडेल ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की थी। ऐसी खबरें थीं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सदस्य बांग्लादेश में स्थिति पर नजर रख रहे हैं, जहां

सरकार को सड़कों पर लोगों के विरोध प्रदर्शन के बाद राज्य के मामलों को नियंत्रित करने के लिए पिछले सप्ताह आपातकाल लगाना पड़ा था, जिसे अभी तक हटाया नहीं गया है। नजमुल ने इसे पूरी तरह से नकारा नहीं, लेकिन जोर देकर कहा कि विभिन्न देशों के प्रतिनिधि आश्वस्त थे कि श्रीलंका में आईसीसी की बैठक में पहुंचने के बाद टूर्नामेंट को तय कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया जा सकता है। नजमुल ने कहा, जब मैं वहां गया था, तो देश की स्थिति बहुत खराब थी और बांग्लादेश के साथ बाहर से कोई संवाद नहीं था और उन्हें जो खबरें मिल रही थीं, उससे वे काफी डरे हुए थे। लेकिन मुझे देखने के बाद उन्होंने कहा कि कम से कम उन्हें यकीन है कि देश में सब कुछ ठीक है। इसके बाद इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई और वे बस यही जानना चाहते थे कि क्या हुआ था। हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात महिला विश्व कप है जिसकी मेजबानी हम यहां करेंगे।

टी-20 प्रारूप में 2025 के पुरुष एशिया कप की मेजबानी करेगा भारत

: नई दिल्ली, 29 जुलाई ।

भारत अगले साल टी-20 प्रारूप में पुरुषों के एशिया कप की मेजबानी करेगा, जबकि यह टूर्नामेंट 2027 में बांग्लादेश में 50 ओवर के प्रारूप में खेला जाएगा।

एशियाई क्रिकेट परिषद द्वारा जारी प्रायोजन अधिकार दस्तावेज़ के लिए रुचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण के अनुसार, कुल 13 मैच टूर्नामेंट में होंगे जिसमें छह टीमें – भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफ़गानिस्तान भाग लेंगी और छठी टीम क्वालीफाइंग इवेंट के ज़रिए चुनी जाएगी।

हालांकि तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, लेकिन सूत्रों ने संकेत दिया है कि देश में मानसून का मौसम खत्म होने के बाद सितंबर में इसे आयोजित किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) 2023-27 के अनुसार, भारत का अगले साल काफी व्यस्त कार्यक्रम है, क्योंकि जनवरी-फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज होगी,

उसके बाद फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी होगी।

आईपीएल खत्म होने के बाद, टीम जून से अगस्त तक इंग्लैंड का दौरा करेगी और फिर तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने के लिए बांग्लादेश जाएगी। इसलिए, एशिया कप बांग्लादेश सीरीज के बाद और अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले आयोजित होने की उम्मीद है। हालांकि, बीसीसीआई के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि संभावित स्थलों के बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। जबकि 2026 में कोई पुरुष एशियाई टूर्नामेंट नहीं होगा, उस साल महिला एशिया कप टी20 प्रारूप में खेला जाएगा, उसके बाद पुरुषों का अंडर-19 और इमर्जिंग टीम एशिया कप टूर्नामेंट होगा।

पिछले साल, एशिया कप हाइब्रिड मॉडल में खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने अपने घरेलू मैदान पर कुछ मैचों की मेजबानी की थी, जबकि भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर खिताब जीता था।

भारतीय खिलाड़ी को इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मिली बड़ी उपलब्धि

1,000 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बने यशस्वी जायसवाल

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इस कैलेंडर वर्ष में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1,000 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

जायसवाल ने पल्लेकेले में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी 20 मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। बारिश से प्रभावित मैच में 8 ओवर में 78 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, जायसवाल ने सिर्फ 15 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 30 रनों की तेज पारी खेली। उनके रन 200.00 के स्ट्राइक रेट से आए।

94.54 की स्ट्राइक रेट से बनाए रन

इस साल सिर्फ 13 मैचों में, जायसवाल ने 63.93 की औसत और 94.54 की स्ट्राइक रेट से 1,023 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और पांच अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 214* है। विशेष रूप से, ये सभी टेस्ट और टी-20 में उनके प्रदर्शन से आए हैं क्योंकि उन्होंने अभी तक अपना वनडे डेब्यू नहीं किया है।

कुसल मेंडिस दूसरे नंबर पर

दूसरे नंबर पर, श्रीलंकाई खिलाड़ी कुसल मेंडिस (26 मैचों में 888 रन, छह अर्द्धशतक के साथ) और तीसरे नंबर पर अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान (25 मैचों में 844 रन, एक शतक और आठ अर्द्धशतक के साथ) हैं।

इस साल छह टेस्ट मैचों में जायसवाल ने 11 पारियों के बाद 74.00 की औसत से 740 रन बनाए हैं। इसमें दो

दोहरे शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 214* है। सात टी20आई में उन्होंने 47.16 की औसत से 283 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक और 175.77 की स्ट्राइक रेट शामिल है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 77* है।

मैच की बात करें तो भारत ने श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। कुसल परेरा (34 गेंदों में छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 53 रन), पथुम निसांका (24 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 32 रन) की शानदार पारियों और उनकी 64 रन की साझेदारी ने श्रीलंका को शानदार शुरुआत दिलाई। परेरा और कामिंदु मेंडिस (23 गेंदों में 26 रन, चार चौके) के बीच एक और 50 रन की साझेदारी के बाद, टीम इंडिया ने दबदबा बनाना शुरू किया और 130/2 की शानदार स्थिति से श्रीलंका को 20 ओवरों में 161/9 पर रोक दिया।

जीत में जायसवाल का अहम योगदान

भारत के लिए रवि बिश्नोई (3/26) ने बेहतरीन गेंदबाजी की। हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह को दो-दो विकेट मिले। बारिश के बाद तय की गई नई खेल परिस्थितियों में आठ ओवरों में 78 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, जायसवाल (30), कप्तान सूर्यकुमार यादव (12 गेंदों में 26 रन, चार चौके और एक छक्का) और हार्दिक पांड्या (नौ गेंदों में 22* रन, तीन चौके और एक छक्का) ने भारत को नौ गेंद शेष रहते तीन विकेट से जीत दिलाई। बिश्नोई को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

सावन में यूजर ने मंगाया शाकाहारी खाना, घर पहुंचा चिकन पालक, मामला गरमाया तो कंपनी ने मांगी माफी

नई दिल्ली,29 जुलाई (एजेंसियां)। फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म पर एक यूजर ने शाकाहारी खाना ऑर्डर किया लेकिन उसके घर पहुंचा चिकन पालक। उपभोक्ता ने सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत करते हुए इसकी शिकायत की। जोमैटो की एक महिला यूजर ने अपना अनुभव सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि उन्होंने ईटफिट के जरिए शुद्ध शाकाहारी खाना मंगवाया था लेकिन उनके घर पर चिकन बिरयानी की डिलिवरी की गई। उन्होंने उक्त घटना की जानकारी देते हुए अपनी पोस्ट के साथ जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल व अन्य हितधारकों को भी टैग किया है। दूसरी तरफ दुकानों पर नाम लिखने से लोग कहते हैं कि एहतियात क्यों बरता जा रहा।

एक्स पर अपने पोस्ट में जोमैटो की ग्राहक हिमांशी ने कहा, 'सावन के महीने में चिकन की डिलिवरी पूरी तरह से अस्वीकार्य है।' उसके बाद हिमांशी ने अपनी ऑर्डर की जानकारी भी साझा की। उन्होंने बताया, 'जोमैटो पर ईटफिट से पालक पनीर, सोया मटर और मिलेट पुलाव ऑर्डर किया था। पालक पनीर की जगह जोमैटो की ओर से चिकन पालक की डिलिवरी की गई। सावन के महीने में चिकन की डिलिवरी पूरी तरह से अस्वीकार्य है क्योंकि मैंने केवल शाकाहारी खाने का ऑर्डर दिया था।'

रविवार की देर रात शेयर किए गए इस सोशल मीडिया पोस्ट पर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी और गड़बड़ी के लिए जोमैटो की खिंचाई की। सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू होने के बाद जोमैटो और ईटफ्रेश ने भी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए माफी मांगी। ईट फ्रेश ने असुविधा के लिए माफी मांगते हुए ऑर्डर की जानकारी शेयर करने को कहा और भरोसा दिया कि इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।

जोमैटो ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'हम समझ सकते हैं कि इस गड़बड़ी से आपको कितनी परेशानी हुई होगी। हम आहार संबंधी प्राथमिकताओं को गंभीरता से लेते हैं और हमारा इरादा कभी अनादर का नहीं होता। हमें इस मामले की जांच के लिए थोड़ समय दीजिए, नए अपडेट के साथ जल्द से जल्द हम आपसे संपर्क करेंगे।'

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली-एनसीआर में 60 रुपए प्रति किलो के भाव से टमाटर बेच रही सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) के माध्यम से 60 रुपये प्रति किलोग्राम के दाम पर टमाटर की बिक्री शुरू कर दी है। सरकार ने उभोक्ताओं को सस्ती दर पर टमाटर मुहैया कराने के लिए यह कदम उठाया है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में 60 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव टमाटर बेचने का निर्णय किया है। उन्होंने बताया कि एनसीसीएफ के 18 सेंटरों के माध्यम से टमाटर की बिक्री शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इसके लिए हमने तीन मंडियों से 15000 किलोग्राम टमाटर खरीद कर एनसीसीएफ सेंटरों पर भेजे हैं। केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में टमाटर टमाटर के भाव 70-80 रुपये किलोग्राम हैं। इसके मद्देनजर सरकार एनसीसीएफ के जनिए एक आदमी को एक किलो टमाटर अभी दे रहा है। उन्होंने बताया कि ये सुविधा दिल्ली-एनसीआर में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि वेसे आने वाले 7-8 दिनों में बाजार में टमाटर के दाम कम हो जाएंगे। लेकिन तब तक हम टमाटर भेजते रहेंगे। उधर एनसीसीएफ ने जारी बयान में कहा कि दिल्ली-एनसीआर के 16 जगहों पर मोबाइल वैन के जरिए टमाटर बेचना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही तीन मेट्रो स्टेशनों पर स्थिति स्टोर्स में भी सस्ती दर पर टमाटर की बिक्री शुरू की गई है।

इंडियन बैंक को जून तिमाही में 2,403 करोड़ रुपए का हुआ मुनाफा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने चालू वित्त वर्ष 20224-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अप्रैल-जून तिमाही में बैंक का मुनाफा 41 फीसदी बढ़कर 2,403 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बैंक को 1,709 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इंडियन बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि खराब कर्ज में कमी से अप्रैल-जून तिमाही में बैंक के नतीजे बेहतर रहे हैं। बैंक के मुताबिक पहली तिमाही में इंडियन बैंक की कुल आय बढ़कर 16,945 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 14,759 करोड़ रुपये थी। चेन्नई स्थित बैंक की पहली तिमाही में ब्याज आय सालाना आधार पर 13,049 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,039 करोड़ रुपये हो गई। बैंक के मुताबिक परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में उसकी सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 30 जून, 2024 तक कुल कर्ज पर 3.77 फीसदी थी, जो एक साल पहले 5.47 फीसदी था। बैंक ने बताया कि उसका शुद्ध एनपीए भी सालाना आधार पर 0.70 फीसदी से घटकर 0.39 फीसदी पर आ गया। एनपीए घटने के कारण खराब कर्ज के लिए प्रावधान पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान 930 करोड़ रुपये से घटकर 896 करोड़ रुपये रह गया। इसके अलावा बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 30 जून, 2023 को 15.78 फीसदी की तुलना में बढ़कर 16.47 फीसदी हो गया है।

आय कर विभाग का कोलगेट-पामोलिव को 248.74 करोड़ का टैक्स नोटिस

नई दिल्ली। आय कर विभाग ने कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड को ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े मामले में 248.74 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है। एफएमसीजी कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) के प्रमुख ने कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देंगे। यह कंपनी दांतों की देखभाल के क्षेत्र में काम करती है। वित्त वर्ष 2023-24 में सीपीआईएल की शुद्ध बिक्री 5,644 करोड़ रुपये थी। कंपनी की ओर से एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, नोटिस 26 जुलाई को मिला। ट्रांसफर प्राइसिंग से संबंधित मुद्दों के लिए आयकर की मांग 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए है। सीपीआईएल ने कहा कि मांग राशि में 79.63 करोड़ रुपये की ब्याज राशि शामिल है। सीपीआईएल ने कहा कि इस आदेश के कारण कंपनी के वित्तीय संचालन या अन्य गतिविधियों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह मांग मुख्य रूप से स्थानांतरण मूल्य-संबंधी मुद्दों के कारण की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पॉकेट में...

राहुल ने कहा, आज भी चक्रव्यूह में छह लोग हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजीत डोभाल, अंबानी और अडाणी कंट्रोल कर रहे हैं। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने राहुल गांधी को टोका। उनसे कहा कि जो व्यक्ति सदन का सदस्य न हो उसके बारे में सदन में बोलने से परहेज करना चाहिए। खास तौर नेता प्रतिपक्ष का पद संभालने वाले व्यक्ति को सदन में मर्यादित आचरण करना चाहिए। लेकिन राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष की बात नहीं सुनी और अपना प्रलाप जारी रखा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उनसे फिर कहा, आप संवैधानिक पद पर हैं। आपके कई माननीय सदस्यों ने मुझे लिखकर दिया है कि जो भी इस सदन का सदस्य नहीं है, उनका नाम नहीं लेंगे। आपने लिखकर दिया है, क्या आप अपने लिखे का भी पालन नहीं करना चाहते? बिरला ने कहा, मैं नेता प्रतिपत्र से यह अपेक्षा करूंगा कि वे सदन के नियम और मर्यादा बनाए रखें।

इसके बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, अगर आप चाहते हैं तो मैं इस सूची से एनएसए अजीत डोभाल, अंबानी और अडाणी का नाम हटा लेता हूं। राहुल के ऐसा कहते ही लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें फिर से टोका। लोकसभा स्पीकर ने कहा, सदन नियम प्रक्रियाओं से चलता है। इसके बावजूद राहुल गांधी सदन में अराजक तरीके से बोलते रहे। इसके बाद सदन में सत्ता पक्ष के सांसदों ने राहुल गांधी के अमर्यादित आचरण के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी।

ओम बिरला ने राहुल गांधी से कहा, आपके उपनेता मुझे लिखित में पत्र दे गए हैं कि कोई व्यक्ति जो इस सदन का सदस्य नहीं है, उसके बारे में टिप्पणी नहीं की जाएगी। इस पर राहुल गांधी ने उल्टा लोकसभा अध्यक्ष से ही सवाल पूछना शुरू कर दिया। आखिरकार लोकसभा अध्यक्ष को यह कहना पड़ा, आप मुझसे सवाल पूछने के लिए अधिकृत नहीं हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी राहुल गांधी को टोका और उन्हें सदन में तमीज से पेश आने को कहा। रिजिजू ने यह भी कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन के नियमों की जानकारी नहीं है।

पर समाधान...

जयशंकर ने यह भी कहा कि चीन के साथ भारत के संबंध अच्छे नहीं हैं।उन्होंने कहा कि हमारे बीच एक समस्या है या मैं कहना चाहूंगा कि भारत और चीन के बीच एक मुद्दा है। मुझे लगता है कि हम दोनों को इस पर बात करनी चाहिए और समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने इस महीने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ दो बार हुई अपनी बैठक को जिक्र करते हुए कहा कि जाहिर है, दुनिया के अन्य देशों की भी इस मामले में रुचि होगी, क्योंकि हम दो बड़े देश हैं और हमारे संबंधों की स्थिति का बाकी दुनिया पर प्रभाव पड़ता है, लेकिन हम अपने बीच के वास्तविक मुद्दे को सुलझाने के लिए अन्य देशों की ओर नहीं देख रहे हैं।जयशंकर और वांग की पिछले सप्ताह लाओस की राजधानी में मुलाकात हुई थी, जहां उन्होंने दक्षिण पूर्व एशियाई संगठन (आसियान) की बैठकों में भाग लिया था। बैठक के दौरान उन्होंने मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के बाद सैनिकों को पीछे हटाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए मजबूत मार्गदर्शन देने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की थी। चार जुलाई को जयशंकर और वांग ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान कजाखस्तान की राजधानी अस्ताना में मुलाकात की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने...

अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण नहीं मिलेगा। 50 प्रतिशत आरक्षण वाली पुरानी व्यवस्था ही लागू हो गई।बिहार सरकार ने आरक्षण संशोधन बिल के जरिए आरक्षण दायरा बढ़ा 65 फीसदी कर दिया था। 10 प्रतिशत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को जोड़ दें जो कुल 75 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा। 21 नवंबर 2023 को बिहार सरकार ने इसको लेकर गजट प्रकाशित कर दिया था। इसके बाद से शिक्षण संस्थानों और नौकरी में अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अतिपिछड़ा को 65 फीसदी आरक्षण का लाभ मिल रहा था।

केजरीवाल और...

तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केजरीवाल की पेशी हुई थी। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल से ही गिरफ्तार किया था।सीएम केजरीवाल के अलावा पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता की भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुई थी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई और के. कविता की भी न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी थी। इससे पहले 12 जुलाई को अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी, जिसकी जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है।केजरीवाल को विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया था। वह अपनी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामलों के सिलसिले में पेश हुए थे।

तमिलनाडु में...

अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों से जुड़े लोगों की हत्या कर दी गई। इसे लेकर विपक्ष ने राज्य सरकार को घेरा है और आरोप लगाया है कि तमिलनाडु में अराजकता का माहौल है और सीएम एमके स्टालिन अक्षम हैं। एआईएडीएमके ने आरोप लगाया है कि सत्ताधारी डीएमके के लोग ही अराजकता फैला रहे हैं और सरकार के दबाव में पुलिस भी उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है।

एआईएडीएमके के प्रवक्ता कोवई सत्यम ने एक बयान जारी कर कहा कि 24 घंटे से भी कम समय में तमिलनाडु में तीन राजनीतिक पार्टियों के नेताओं की हत्या कर दी गई है। जिन लोगों की हत्याएं हुईं, उनमें से एक एआईएडीएमके के नेता, दूसरे भाजपा के नेता और तीसरे कांग्रेस के नेता थे। इससे साफ पता चलता है कि तमिलनाडु में अराजकता का माहौल है और सीएम एमके स्टालिन पूरी तरह से अक्षम साबित हो रहे हैं। राज्य में अराजकता फैलाने और कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाले लोग भी डीएमके के हैं। पुलिस भी सत्ताधारी पार्टी से जुड़े लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है क्योंकि पार्टी हाईकमान ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि सत्ताधारी दल से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई न की जाए।भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि तमिलनाडु में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। जुलाई की शुरुआत में दलित नेता बसपा के आर्मस्ट्रांग की निर्मम हत्या के बाद पिछले तीन दिनों में हमने लगातार राजनीतिक हत्याएं देखी हैं एक भाजपा नेता की, एक एआईडीएमके नेता की और एक कांग्रेस नेता की। इससे पता चलता है कि कानून व्यवस्था एमके स्टालिन के नियंत्रण से बाहर है, लेकिन, राहुल गांधी या कांग्रेस पार्टी के पास इस पर कोई स्टैंड लेने का समय नहीं है। इस पर इंडी गठबंधन का कोई रुख नहीं है। यह उनके दोहरे एजेंडे, उनके दोहरे चेहरे और उनके लिए असुविधाजनक मुद्दे पर बोलने की उनकी कायरता को दर्शाता है।

तमिलनाडु के शिवगंगई इलाके में शनिवार रात को एक भाजपा नेता की बेरहमी से हत्या कर दी गई। जिस नेता की हत्या की गई, वह शिवगंगई के भाजपा जिला सचिव थे। भाजपा नेता जब अपने ईंट के भट्ठे से घर लौट रहे थे, तभी उन पर कुछ हथियारबंद लोगों ने हमला किया। इस घटना की निंदा करते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि असामाजिक तत्वों को सरकार या पुलिस का कोई डर नहीं हैं। पुलिस सीएम के नियंत्रण में है और वही ये सब राजनीतिक ड्रामा कर रहे हैं।एक अलग घटना में कुड्डालोर इलाके में एआईएडीएमके के कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। पीड़ित की पहचान पद्मनाभन के रूप में हुई है। एआईएडीएमके नेता पर कुछ हथियारबंद लोगों ने हमला किया और पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी।

सोपोर विस्फोट ...

लेकिन अस्पताल ले जाते समय उसकी भी मौत हो गई। अधिकारियों ने मृतकों की पहचान शायर कॉलोनी निवासी नजीर अहमद नदरू, आजम अशरफ मीर और आदिल राशिद भट के रूप में की गई है। चौथे व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है। विस्फोट उस समय हुआ, जब एक स्क्रैप डीलर ट्रक से सामान उतार रहा था।

बलूचों को अगवा...

दुनिया को संदेश देते हुए कहा कि सुरक्षा बल ग्वादर में स्थानीय लोगों पर गोलाबारी और गोलीबारी कर रहे हैं, जिससे किसी को भी शहर में प्रवेश करने या बाहर जाने से रोका जा रहा है। यही नहीं, ग्वादर में इंटरनेट भी बैन किया जा चुका है।

ग्वादर में कड़ाई तह से बढ़ गई है, जब से महरंग बलूच के नेतृत्व वाली बलूच यकजहती समिति (बीवाईसी) ने 13 जून 2024 को कराची प्रेस क्लब में बलूच नरसंहार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की घोषणा की थी। इसके बाद से महरंग बलूच और अन्य बीवाईसी नेताओं को उत्पीड़न और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार (27 जुलाई 2024) को स्थिति और भी खराब हो गई। महरंग बलूच ने कहा, सेना ने बलूचिस्तान को सैनिक इलाके में बदल दिया है। हम बलोच लोग शांत हैं और शांति से ही विरोध कर रहे हैं। हम लोकतांत्रिक अधिकारों से आवाज उठा रहे हैं और बलूचों को बलूच नरसंहार के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार है।

इस मामले में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेतृत्व वाली बलूचिस्तान सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए ग्वादर में विरोध प्रदर्शन के आयोजन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। महरंग ने कहा कि बीवाईसी ने कुछ घंटों के लिए सार्वजनिक सभा आयोजित करने की योजना बनाई थी, जिसमें पूरे राज्य से लोग शामिल होने वाले थे। लेकिन बलूचिस्तान सरकार और आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) ने कार्यकर्ताओं के घरों पर छापे मारना और बलूचों का अपहरण करना शुरू कर दिया है। अब तक 200 से ज़्यादा बलूचों को हिरासत में लिया जा चुका है।

मस्तुंग में धरने का नेतृत्व कर रहे कार्यकर्ता बेबर्ग बलूच ने कहा, मस्तुंग में सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं, जिसमें 14 लोग घायल हो गए, जबकि एक व्यक्ति की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। प्रांत के अन्य इलाकों, जिनमें दलबांडिन, मकरान, तुर्बत, मस्तुंग और ग्वादर शामिल हैं, में संचार सेवाएं बंद कर दी गई हैं और वहां के लोगों की स्थिति के बारे में कोई नहीं जानता। केच में भी धरना जारी है, स्थानीय लोग स्वेच्छा से बाजार बंद कर रहे हैं और विरोध प्रदर्शन में शामिल हो रहे हैं। इस बीच, संचार पूरी तरह से कट गया है, और लोगों को नहीं पता कि ग्वादर में क्या हो रहा है।

ग्वादर के जिला कलेक्टर ने महरंग बलूच को फोन पर धमकाते हुए कहा कि उन्हें और बीवाईसी नेतृत्व को गोली मारने का आदेश है। उन्होंने यह भी कहा कि जब मोबाइल सेवाएं बंद हो जाएंगी, तो वे बीवाईसी नेतृत्व के खिलाफ अपना अभियान शुरू कर देंगे। तब से ग्वादर प्रांत के बाकी हिस्सों से पूरी तरह से कट गया है, और यहां तक कि स्थानीय पत्रकारों या कार्यकर्ताओं को भी स्थिति के बारे में पता नहीं है। महरंग बलूच ने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों और कार्यकर्ताओं से राज्य की क्रूर हिंसा की निंदा करने और इस समय बलूचों के साथ खड़े होने की अपील की।

बता दें कि ग्वादर में पाकिस्तान चीन की मदद और पैसों से सीपीईसी प्रोजेक्ट के तहत पोर्ट बना रहा है। यहां हाईवे से लेकर कई प्रोजेक्ट हो रहे हैं, जिनका बलोच विरोध कर रहे हैं। बलूचों को कुचलने के लिए पाकिस्तान सरकार लगातार क्रैकडाउन कर रही है। यही नहीं, चीन के दबाव में बलूच प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सेना को काम पर लगा दिया गया है। हजारों बलूचों के गायब होने के मामले में लाखों बलोच प्रदर्शन भी कर रहे हैं, लेकिन चीन के दबाव में पाकिस्तान सरकार अपने ही लोगों को मारने से नहीं चूक रही है।

पाकिस्तानी ईसाई फराज...

इसके बाद पाकिस्तान में ईसाई कार्यकर्ता के खिलाफ सिर तन से जुदा का आह्वान किया गया। उनके खिलाफ पोस्टर जारी किया गया। पोस्टर में लिखा है, शरिया के अनुसार, ऐसे व्यक्ति मौत की सजा का हकदार है। ऐसे व्यक्ति को मौत की सजा दी जानी चाहिए। जामिया दारुल उलूम ने मुसलमानों से अपील की है कि वो थाईलैंड जाकर फराज परवेज से बदला लें।

फेसबुक पर पोस्ट की गई वीडियो में इस्लामी उलेमा मुहम्मद राशिद मदानी ने परवेज की हत्या की बात कही है। जिसके बाद इस संवाददाता ने थाईलैंड से फराज परवेज से बात की। इस पर उन्होंने कहा, मेरे सिर पर इनाम रखने का मकसद यही है कि मैं हिंदू लड़कियों के धर्म परिवर्तन और रेप के खिलाफ जो आवाज उठाता हूं वो शांत हो जाए। फराज परवेज ने भयावह योजनाओं का खुलासा करते हुए कहा, पाकिस्तानी मुसलमान मुझे फोन कर रहे हैं, भारतीय दूतावास के अधिकारी होने का नाटक कर रहे हैं। वे मेरी मदद करने का दावा करते हैं और जोर देते हैं कि मैं उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलूं। यह हनी ट्रैपिंग जैसा है। वे मुझे पकड़ना चाहते हैं, प्रताड़ित करना चाहते हैं और फिर मुझे मार डालना चाहते हैं।

दिल्ली सरकार...

की सफाई करवाने की मांग हो रही थी। लेकिन विधायक दुर्गेश पाठक ने लोगों की बुनियादी मांगों को नजरअंदाज किया। मानसून की बारिश से निपटने के लिए लोगों की मांगे पूरी होनी चाहिए थी। अगर समय रहते ऐसा कर लिया गया होता जो छात्रों को अपनी जिंदगी से हाथ नहीं धोना पड़ता, लेकिन जेल में बंद मुख्यमंत्री केजरीवाल को सत्ता का मोह है। एमसीडी में दो वर्षों से आप की सरकार है। एमसीडी ने ठीक ढंग से काम नहीं किया। विधायक ने भी लोगों की शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया। आज लगभग घंटे भर की बारिश से दिल्ली की ये दुर्दशा हो गई।

हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों की मौत को प्रशासन की बड़ी लापरवाही के तौर पर देखा जा रहा है। अगर समय रहते प्रशासन की टीम हरकत में आ जाती तो इन छात्रों की जान बचाई जा सकती थी। देश की राजधानी में बच्चे आईएएस, आईपीएस बनने का सपना लेकर आते हैं, लेकिन वे इस बात अंजान होते हैं कि उनकी जान की किसी को भी परवाह नहीं। हादसे के चार घंटे बाद प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू किया, जो न केवल बड़ी लापरवाही है, बल्कि यह दर्शाता है कि ऐसे दर्दनाक हादसे आगे भी होते रहेंगे। दरअसल, जलभराव की वजह से इस साल होने वाली दिल्ली की ये पहली घटना नहीं है। इससे पहले 22 जुलाई 2024 पटेल नगर में दोपहर बारिश के बाद चाय पीकर अपने पीजी लौट रहे छात्र की गली के गेट से करंट लगने से मौत हो गई। वह यहां यूपीएससी कर तैयारी कर रहा था। वहीं 29 जून 2024 को समयपुर बादली के सिरसापुर अंडरपास में बारिश का पानी भर गया, जिसमें डूबने से दो लड़कों की मौत हो गई थी। इसी तरह 28 जून 2024 को दिल्ली के ओखला इंडस्ट्रियल एरिया के पास बने अंडरपास में भरे पानी में डूबने से एक 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई।

इस हादसे ने कोचिंग सेंटरों के सुरक्षा उपायों के दावों की पोल खोल कर रख दी है। हादसे के बाद तमाम छात्र सरकार और कोचिंग सेंटर के खिलाफ नारेबाजी और प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब दिल्ली के कोचिंग सेंटरों में छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ हुआ है। इससे पहले दिल्ली के मुखर्जी नगर में 15 जून 2023 को एक कोचिंग सेंटर में आग लगने से 61 लोग घायल हो गए थे। जांच में पता चला कि आग बिजली के मीटर में लगी थी, जो देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग में फैल गई। हादसे के वक्त कोचिंग सेंटरों में करीब 200-250 छात्र मौजूद थे। कुछ छात्रों को तो खिड़की तोड़कर तीसरी मंजिल से नीचे छलांग लगानी पड़ी। खैर, ताजा मामले को लेकर दिल्ली मेयर शैली का कहना है कि अगर इस मामले एमसीडी के अधिकारी शामिल मिलते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, अगर ऐसे गैर कानूनी तरीके से कोचिंग सेंटर चल रहे हैं तो उन पर भी कार्रवाई होगी और अधिकारी पर भी कार्रवाई होगी। ऐसे समय में हमें आरोप-प्रत्यारोप नहीं करना चाहिए बल्कि कार्रवाई करनी चाहिए।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में राजेंद्र नगर थाने में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में कोचिंग सेंटर बिल्डिंग सिस्टम के मैनेंजमेंट और ड्रेनेज सिस्टम से जुड़े दो लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं, तीन मृत छात्रों में से एक श्रेया यादव के रिश्तेदार का आरोप है कि इस हादसे को लेकर उन्हें कोचिंग संस्थान और प्रशासन से आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्हें खबर देखने के बाद इस हादसे के बारे में पता चला, जिसके बाद वे मुर्दाघर गए। उन्होंने पहचान के लिए चेहरा दिखाने को कहा, लेकिन उन्हें यह कहकर इनकार कर दिया गया कि यह पुलिस का मामला है।

ओल्ड राजेंद्र नगर हादसे को लेकर आक्रोशित एक छात्र ने दावे के साथ कहा, एमसीडी कहती है कि यह एक आपदा है लेकिन मैं इसे पूरी तरह से उनकी लापरवाही मानता हूं। आधे घंटे की बारिश में ही घुटने तक पानी भर जाता है। आपदा तो कभी-कभी होती है। मेरे मकान मालिक ने बताया कि वह पिछले 10-12 दिनों से पार्षद से कह रहे थे कि नाली की सफाई करवाई जाए। पहली मांग है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और घायलों, मरने वालों की सही संख्या बताई जाए। आपदा प्रबंधन के लोगों ने मुझे बताया है कि 8-10 लोगों की मौत हुई है।

ओल्ड राजेंद्र नगर की घटना पर आप विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि ये लो लाइन एरिया है। इसी लाइन से पानी बहता है या तो नाला, सीवर टूट गया है और पानी बेसमेंट में भर गया। टीमें अपना काम कर रही हैं। भाजपा को भी जवाब देना चाहिए कि उन्होंने पिछले 15 साल से क्या किया। नाला क्यों नहीं बना। एक साल में सारे नाले नहीं बन सकते। राजनीति की जरूरत नहीं है। इस मामले पर राजनीति करने के बजाय गंभीरता से सोचना होगा। इन बच्चों के माता-पिता पर क्या बीत रही होगी, ये वही जानते होंगे। उन्होंने दिल्ली में अपने बच्चों को पढ़ने और देश की सेवा के लिए भेजा था, लेकिन उन्हें क्या पता था कि उनकी पूरी दुनिया ही उजड़ जाएगी। क्या आम नागरिकों की जान की कोई कीमत नहीं है? क्या यह सरकारी सिस्टम की नाकामी द्वारा की गई हत्या नहीं है? इन छात्रों की मौत के जिम्मेदार लोगों पर हत्या का केस चलाकर उचित कार्रवाई करनी होगी। ताकि फिर कोई छात्र सिस्टम की नाकामी का शिकार न हो पाए।

छात्रों की मौत के बाद 13 कोचिंग सेंटर सील

नई दिल्ली, 29 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित कोचिंग इंस्टीट्यूट के हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम ने एक्शन लेते हुए बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन का उल्लंघन करने वाले कोचिंग संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की है।

एमसीडी ने 13 कोचिंग सेंटरों को सील कर दिया है। दिल्ली कोचिंग सेंटर के बाढ़ग्रस्त में तीन सिविल सेवा उम्मीदवारों के डूबने के बाद क्षेत्र में कोचिंग सेंटरों की पहचान करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन एमसीडी ने किया है।एमसीडी के अधिकारियों के अनुसार राजेंद्र नगर के विभिन्न इलाकों में स्थित इन कोचिंग सेंटरों को सील कर दिया गया है। जिन कोचिंग संस्थानों को सील किया गया है वो सभी बिल्डिंग के बेसमेंट में क्लासरूम चला रहे थे, जो कि नियमों का उल्लंघन है। सील किए गए कोचिंग इंस्टीट्यूट में आईएएस गुरुकल, चहल अकादमी, प्लूटस अकादमी, साई ट्रेडिंग, आईएएस सेतु, टॉपर्स अकादमी, दैनिक संवाद, सिविल्स डेली आईएएस, करियर पावर, 99 नोट्स, विद्या गुरु, गाइडेंस आईएएस और ईज़ी फॉर आईएएस शामिल हैं।

कोचिंग संस्थान में 3 छात्रों की मौत के बाद दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने संभागीय आयुक्त को मौतों पर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी ऐसा होना बड़ा ही दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है।

गौरतलब है कि मध्य दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर में राव आईएएस कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से शनिवार को दो छात्राओं की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बेसमेंट में और भी छात्र फंसे हुए हैं। फिलहाल मौके पर दमकल विभाग और एनडीआरएफ की टीम राहत बचाव कार्य में लगी है। मोटर के जरिए बेसमेंट से पानी निकाला जा रहा है। वहीं, दिल्ली सरकार की राजस्व मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव को इस मामले की जांच करने तथा 24 घंटे में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

ओल्ड राजेंद्र नगर स्थित राव आईएएस स्टडी सेंटर के कोचिंग सेंटर में शनिवार रात अचानक पानी भर गया। इससे वहां अफरा-तफरा मच गई। कुछ छात्र कोचिंग सेंटर से बाहर निकलने में कामयाब हो गए, जबकि बेसमेंट में अंधेरा होने के कारण कई बच्चे अंदर फंसे रह गए। मामले की सूचना मिलते ही दमकल और एनडीआरएफ की टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया और देर रात तीन शवों को बाहर निकाला।

केदारेश्वर महादेव में आस्था का सैलाब,गंगा जल से अभिषेक

पवित्र श्रावण मास में इटावा में केदारेश्वर महादेव मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। इटावा से हरिद्वार गए 101 कावड़ियों के जत्थे ने वापस लौट कर शिवशिला का गंगाजल से अभिषेक किया।

केदारेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण के दूसरे सोमवार को भोर से ही शिवशिला पर अभिषेक का सिलसिला चल पड़ा। पूजा अर्चना करने के लिए बड़ी तादाद में श्रद्धालु कतारबद्ध नजर आये।

महारानी अवंती बाई लोधी स्मृति संस्थान के बैनर तले इटावा से करीब 101 कावाड़िये हरिद्वार गंगा नदी से गंगा जल लेने गए थे। करीब 500 किमी की दूरी तय करके आज यह सभी कावड़िये इटावा लौट आए हैं, इटावा पहुंचने पर सभी कावड़ियों ने केदारेश्वर मंदिर में शिवशिला पर गंगा जल चढ़ाया ।

इससे पहले फर्रुखाबाद स्थित गंगा नदी के श्रृंगीरामपुर से कावड़ लेकर शिवभक्त आए है लेकिन यह पहला मौका है जब हरिद्वार से शिवभक्त कावड़ लेकर के

केदारेश्वर मंदिर पहुंचे हैं।

केदारेश्वर महादेव का यह मंदिर करीब से उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर का आभास कराता है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते समय 10 फुट ऊंचे प्लेटफॉर्म पर सड़क की तरफ मुंह किए काले रंग के नंदी की प्रतिमा मंदिर के आकर्षण को और अधिक बढ़ा रही है। इस मंदिर में भव्य शालिग्राम शिला नेपाल से लाकर स्थापित की गई है।

मंदिर का मुख्य भवन तो उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर की तरह है लेकिन पूरे परिसर की डिजाइन तंजौर के वृहदीश्वर मंदिर की प्रतिकृति होगी। मंदिर का निर्माण एक खास ग्रेनाइट पत्थर 'कृष्ण पुरुष शिला' से किया गया है जो पूरे केवल तमिलनाडु में कन्याकुमारी के पास ही मिलता है। दुनिया में सबसे मजबूत माने जाने वाले इन पत्थरों की आयु कम से कम तीन लाख वर्ष आंकी गयी है।

केदारेश्वर महादेव मंदिर में गर्भगृह का भवन यानी 'विमानम' भी दक्षिण भारतीय मंदिरों की तुलना में अधिक ऊंचा है। इस तरह यह दक्षिण और उत्तर की संस्कृति का मिलाजुला रूप पेश करता है। मंदिर के गर्भगृह भवन की ऊंचाई 74 फुट है। यह 10 फुट ऊंचे प्लेटफॉर्म पर स्थित है। इस प्रकार आधार जमीन से यह 84 फुट ऊंचा है जो उत्तराखंडके केदारनाथ मंदिर की 85 फुट की ऊंचाई से एक इंच कम है। उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए केदारेश्वर महादेव मंदिर की ऊंचाई अपेक्षाकृत कम रखी गई है।

केदारनाथ मंदिर की भांति केदारेश्वर मंदिर के शिखर पर 12 फुट ऊंचा लकड़ी का 'शिखरम' बनाया गया है। इस मंदिर के गर्भगृह की छत और 'विमानम' के बीच खोखला स्थान रखने के साथ छत पर एक छोटा छेद 'ब्रोंद्र होल' इस तरह रखा गया है कि गर्भगृह में बजने वाले शंख, घंटी और डमरू की गूंज पूरे परिसर में सुनाई दे।

कामिका एकादशी के दिन इन वस्तुओं से करें भगवान विष्णु की पूजा

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व है, और कामिका एकादशी इनमें से एक प्रमुख व्रत है। यह व्रत सावन माह के 11वें दिन पड़ता है। इस वर्ष यह व्रत 31 जुलाई, 2024 को मनाया जाएगा। कामिका एकादशी भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। इस दिन भक्त पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ व्रत रखते हैं और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। मान्यता है कि इस व्रत का पालन करने से सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

पूजा सामग्री

कामिका एकादशी की पूजा विधि में इन सामग्री का होता है उपयोग चौकी, पीला या लाल वस्त्र, ऋतु फल, दूध-दही, शहद, गोपी चंदन, हल्दी,फूल, लौंग, आम का पत्ता, नारियल और सुपारी, पान, धूप, दीप, दीया, घी, पीला चंदन, अक्षत, कुमकुम मिठाई, तुलसी दल, पंचमेवा, गंगाजल, शुद्ध जल, हवन कुंड, हवन सामग्री, एकादशी कथा की पुस्तक एवं देवी लक्ष्मी के शृंगार की सामग्री।

धार्मिक महत्व

कामिका एकादशी का हिंदू धर्म में बड़ा महत्व है। यह दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। सावन माह में आने के कारण यह अत्यधिक फलदायी माना जाता है।

यह चतुर्मास के दौरान पड़ने वाली पहली एकादशी भी है, जो इसे और भी विशेष बनाती है। मान्यता है कि जो भक्त पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ इस व्रत को रखते हैं, उन्हें अपने बुरे कर्मों से छुटकारा मिलता है और जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है।

व्रत का फल

कहा जाता है कि कामिका एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु के निवास स्थान वैकुंठ धाम में स्थान मिलता है और अश्वमेघ यज्ञ के समान फल मिलता है। इसलिए भक्तों को यह व्रत पवित्रता और श्रद्धा से करना चाहिए।

विष्णु जी को भोग

भगवान विष्णु को पंचामृत और पंजीरी का भोग अर्पित किया जाता है। कामिका एकादशी का व्रत रखते समय भक्तों को संयम, नियम और पवित्रता का पालन करना चाहिए। इस व्रत के दौरान किए गए पुण्य कर्मों से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लाते हैं।

सावन का दूसरा मंगला गौरी व्रत

जानें पूजा विधि, मुहूर्त और मंत्र जाप

वैसे तो सावन का महीन भागवान शिव को प्रिय है। इस दौरान श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना करने से व्यक्ति को भोलनाथ की विशेष कृपा प्राप्त होती है। सावन में सिर्फ शिवजी की नहीं बल्कि मां पार्वती की भी पूजा की जाती है। सावन महीन के हर मंगलवार को किए जाने वाला मंगलागौरी व्रत मां पार्वती को समर्पित हैं। मान्यता है कि यह व्रत महिलाएं आपने पति की लंबी आयु के लिए किया जाता है। सावन के दूसरे मंगला गौरी व्रत पर मां गौरी की विधिपूर्वक पूजा अर्चना और व्रत का पालन करने से अंखड सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वहीं कुवारी लड़कियां भी इस व्रत को करती हैं। कहा जाता है जो भी कुंवारी लड़की इस व्रत का पालन करती हैं, उसे मनचाहा वर मिलता है।

मंगला गौरी व्रत तिथि और मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, सर्वार्थ सिद्धि योग 04 बजकर 41 मिनट से 10 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। इसके साथ ही अमृत काल सुबह 08 बजकर 02 मिनट से 09 बजकर 36 मिनट तक रहेगा। इसके बाद विजय मुहूर्त दोपहर 02 बजकर 43 मिनट से 03 बजकर 37 मिनट तक होगा। यह समय किसी भी शुभ कार्य के लिए बहुत ही बेहतर माना जाता है।

मंगला गौरी व्रत पूजा विधि

मंगला गौरी व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान कर साफ सुथरे वस्त्र धारण कर लें। इसके बाद व्रत का संकल्प लें। पूजा घर और मंदिर की साफ साफाई कर लें। मां मंगला गौरी की पूजा करने के लिए महिलाएं लाला रंग के वस्त्र धारण करें। उसके बाद एक चौकी पर मां गौरी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। उसके बाद मां गौरी का ध्यान कर मां गौरी को आभूषण पहनाएं और श्रृंगार करें। मां गौरी के सामने घी का दीपक जलाए। उसके बाद मां गौरी के मंत्रों का जाप करें और कथा का पाठ करें। मां को खीर, मौसम के फलों का भोग लगाएं और अंत में माता की आरती उतारकर पूजा संपन्न करें। इसके बाद पूजा में हुई गलितियों के लिए मां पार्वती से क्षमा मांगे।

मंगाल गौरी पूजान मंत्र

सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सवार्थ साधिके।
शरण्येत्र्यंबके गौरी नारायणी नमोस्तुते।।
कर्पूरगौरं करुणावतारं संसारसारं भुज-गेन्द्रहारम्। सदा बसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानीसहितं नमामि।।
ह्रीं मंगले गौरि विवाहबाधां नाशय स्वाहा।
ॐ गौरीशंकराय नमः

मंगला गौरी व्रत का महत्व

मंगला गौरी व्रत विशेष रूप से महिलाएं रखती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवी पार्वती ने इसी व्रत का पालन कर भगवान शिव को प्रसन्न किया था और उन्हें पति के रूप में प्राप्त किया था। मंगला गौरी के व्रत से जीवन में खुशहाली और घर में सुख-समृद्धि बढ़ती है। साथ ही संतान प्राप्ति का आशीर्वाद भी मिलता है। पूरे सावन मंगला गौरी की उपासना करने से मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है।

अगस्त में भूलकर भी इन तिथियों पर न करें शुभ कार्य

वरना काम में आएगी बाधा

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, इस समय गुरु ग्रह वृषभ राशि में विराजमान हैं। भद्रा विष्टि करण में शुभ और मांगलिक कार्य करना वर्जित हैं। धार्मिक मत है कि भद्रा विष्टि करण के दौरान सगाई, विवाह, गृह प्रवेश और समेत आदि मांगलिक कार्य करने से शुभ फल की प्राप्ति नहीं होती है। ज्योतिष भद्रा विष्टि करण की अवधि के दौरान घर का निर्माण, शुभ यात्रा और कोई नया प्रोजेक्ट शुरू करना अन्य शुभ कार्य स्थगित करनी की राय देते हैं। ऐसा माना है कि विष्टि करण में किए जाने वाले इन कार्यों में बाधा उत्पन्न होती है। शुभ कार्यो को करने से करने से जीवन पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। आइए, पंडित हर्षित शर्मा जी से अगस्त महीने में भद्रा विष्टि करण की तिथियां और समय जानते हैं।

विष्टि करण, अगस्त 2024

02 अगस्त को विष्टि करण समय दोपहर 03 बजकर 28 मिनट से 03 अगस्त को मध्य रात्रि 03 बजकर 38 मिनट तक है। इस दौरान भूलकर भी शुभ कार्य न करें।

08 अगस्त को विष्टि करण समय सुबह 11 बजकर 23 मिनट से 09 अगस्त रात्रि 12 बजकर 36 मिनट तक है। यह गणना अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार है।

इसके बाद 12 अगस्त को भद्रा विष्टि करण का योग है। 12 अगस्त को सुबह 07 बजकर 58 मिनट से मिनट से रात्रि 08 बजकर 48 मिनट तक है।

पंडित हर्षित शर्मा जी की मानें तो 15 अगस्त को भी भद्रा यानी विष्टि करण का साया है। 15 अगस्त को रात्रि के 10 बजकर 13 मिनट से 16 अगस्त की सुबह 09 बजकर 40 मिनट तक है।

दिन सोमवार, 19 अगस्त, रात्रि के 03 बजकर 08 से सोमवार, 19 अगस्त, समय दोपहर के 01 बजकर 38 मिनट तक। इसके बाद 19 अगस्त को भद्रा का अशुभ योग बन रहा है। 19 अगस्त को रात्रि के 03 बजकर 08 से 19 अगस्त की दोपहर के 01 बजकर 38 मिनट तक है।

भद्रा का साया 22 अगस्त को भी है। 22 मई को भद्रा योग रात्रि 03 बजकर 28 मिनट से शुरू होगा जो अगले दिन यानी 22 अगस्त को दोपहर 01 बजकर 44 मिनट पर समाप्त होगा। इस दिन भी शुभ कार्य न करें। इसके बाद 25 अगस्त को सुबह 05 बजकर 29 मिनट से लेकर शाम 05 बजकर 01 मिनट तक विष्टि करण का योग है।

अगस्त महीने में भद्रा विष्टि करण की अंतिम तिथि 28 अगस्त को है। इस दिन विष्टि करण का योग दोपहर 01 बजकर 19 मिनट से लेकर रात 01 बजकर 21 मिनट तक है।

एक ऐसी जगह जहां बहने लगता था गाय का दूध, खुदाई की तो निकला शिवलिंग

आज भी प्रकट होती हैं 3 देवियां!

भारत के जिस भी हिस्से में आप जाएंगे, आपको वहां कोई न कोई खास मंदिर दिख जाएगा। दिल्ली हो या मुंबई, आपको हर जगह अद्भुत मंदिर दिखेंगे। मुंबई के ऐसे ही एक अनोखे मंदिर की कहानी आज हम आपके लिए लेकर आए हैं, जिसका नाम है धकलेश्वर महादेव मंदिर। यह मंदिर मुंबई के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। इसका निर्माण 1835 में हुआ था। मंदिर में श्री महादेव की मूर्ति है। महाराष्ट्र और दुनिया भर से भक्त शांति और समृद्धि के लिए यहां आते हैं। साल 2008 में इस मंदिर को भक्तों के लिए खोला गया था।

जमीन के अंदर से निकला था शिवलिंग

बहुत समय पहले जब मुंबई का इतना विकास नहीं हुआ था। तब एक चरवाहा गाय चराने इस इलाके में आता था। एक जगह गाय का दूध अपने आप गिरने लगता था। गाय के मालिक को इस बात का पता चलने पर उसने इस जगह खुदाई करवाई। तब जमीन के अंदर से शिवलिंग निकला। सेठ दादा ढाक जी ने इस मंदिर का निर्माण करवाया।

हर दिन प्रकट होती हैं 3 देवियां

मंदिर की मान्यता कुछ ऐसी है कि यहां सिर्फ इंसान ही नहीं, बल्कि भगवान भी आते हैं। वो भी महादेव के दर्शन करने के लिए। रात्रि 12 बजे से 4 बजे के बीच तीन देविया महादेव का दर्शन करने आती हैं। इन देवियों में महालक्ष्मी, मां सरस्वती और महाकाली का नाम शामिल है। कई लोगों ने अपनी आंखों से इस घटना को होते हुए देखा भी है।

सारी मन्नत होती है पूरी

इस मंदिर में महादेव से मांगी हुई हर मन्नत पूरी होती है। तभी हर दिन दूर-दूर से लोग इस मंदिर में पूजा-पाठ के लिए पहुंचते हैं। धकलेश्वर महादेव मंदिर की कहानी और इतिहास लोगों को बहुत दिलचस्प करता है।

व्यापारियों की आस्था का केंद्र है ये 200 साल पुराना शिव मंदिर, पेड़ से प्रकट हुआ था शिवलिंग

कुमाऊं का प्रवेश द्वार हल्द्वानी आर्थिक राजधानी के रूप से भी जानी जाती है। कुमाऊं के कण-कण में देवी-देवताओं का वास माना जाता है। कुमाऊं मंडल ऋषि-मुनियों की तपोस्थली भी रही है। हल्द्वानी में पिपलेश्वर मंदिर की बड़ी मान्यता है। इस मंदिर की अपने आप में एक अनोखी कहानी है। यहां आने वाला हर भक्त भोलेनाथ से अपनी मनोकामना मांगता है। माना जाता है कि भगवान शंकर अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूरी भी करते हैं।

हल्द्वानी शहर में पटेल चौक के पास भगवान शिव का पिपलेश्वर महादेव मंदिर स्थित है। यह मंदिर 200 साल पुराना बताया जाता है। इस मंदिर के पास वट और पीपल का वृक्ष भी है, जिनकी आपस में शादी कराई गई। इस मंदिर पर भक्तों का अटूट विश्वास है और भक्त दूर-दूर से इस मंदिर पर आते हैं। पिपलेश्वर मंदिर में भगवान शिव के साथ-साथ भगवान शनिदेव, बजरंग बली और भैरव बाबा की मूर्ति भी स्थापित है।

क्या है मंदिर की मान्यता?

मान्यता है कि बाबा महादेव गिरी को भगवान शिव ने यहीं पर दर्शन दिए थे। 200 साल पुराना पीपल का पेड़ आज भी इस मंदिर का साक्ष्य है, जिस वजह से मंदिर को पिपलेश्वर महादेव के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि इसी पेड़ की जड़ से शिवलिंग की उत्पत्ति हुई थी। जिसके बाद से भक्तों ने इस शिवलिंग को चांदी की पतली चादर से ढक इसे मंदिर में स्थापित किया। बताया

जाता है कि बाबा महादेव गिरी ने पीपल के पेड़ के नीचे बरसों तपस्या की थी, जिसके बाद भगवान शंकर ने उन्हें स्वपन में आकर दर्शन दिए थे।

व्यापारियों की आस्था का केंद्र है ये मंदिर

इस मंदिर में भगवान शिव के साथ-साथ भगवान शनि और बजरंगबली और भैरव बाबा की मूर्ति भी स्थापित है। मंदिर शहर के मुख्य बाजार में होने के चलते इस मंदिर में व्यापारियों की बड़ी आस्था है। व्यापारी अपना काम शुरू करने से पहले भगवान शिव के मंदिर में माथा टेकने के साथ ही भगवान शिव को जलाभिषेक अवश्य करते हैं। सोमवार और शनिवार को इस मंदिर में श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ दिखाई देती है। कहा जाता है कि लोहे के कारोबार से जुड़ा व्यवसाय शुरू करने और नए वाहन खरीदने वालों लोग पहले मंदिर में पूजा जरूर करवाते हैं। शनिवार के दिन मंदिर में इनका तांता लगा रहता है। लोग यहां शनिदोष से मुक्ति के लिए भी आते हैं। महाशिवरात्रि और श्रावण मास में यहां पर भारी संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से पहुंचते हैं।

पहली बार रख रहीं हैं हरियाली तीज व्रत

नवविवाहिताओं को इन खास बातों का रखना होगा ख्याल, जरूर पढ़ें व्रत कथा

श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय महीना है और इस महीने में आने वाले व्रत और पर्व का विशेष महत्व है। वैसे तो इस महीने में हर सोमवार को भोलेनाथ की आराधना की जाती है और मंगलवार के दिन माता पार्वती की। लोग इस दिन व्रत रखते हैं और शिव-पार्वती की भक्ति करते हैं। इसी प्रकार इस महीने में आने वाली हरियाली तीज व्रत को भी बेहद खास बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि, हरियाली तीज का व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। वहीं सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए यह व्रत रखती हैं। लेकिन, इस व्रत के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए जो आपको शुभ फल दे सकती हैं।

मेंहदी जरूर लगाएं

हरियाली तीज का पर्व सुहागिन महिलाओं के लिए खास माना गया है। इस दिन महिलाएं व्रत रखती हैं और विधि विधान से पूजा करती हैं। इस पर्व पर मेंहदी का विशेष महत्व बताया गया है। यह नव विवाहित महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वैवाहिक जीवन की शुरुआत का प्रतीक है।

हरे रंग के वस्त्र जरूर पहनें

श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरियाली तीज का पर्व आता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। इस पर्व के दौरान चारों ओर हरियाली नजर आती है और यह जीवन, उर्वरता, और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में इस दिन नवविवाहित महिलाओं को हरे रंग की साड़ी जरूर पहनें।

सोलह श्रृंगार जरूर करें

आपको बता दें कि माता पार्वती को स्त्रीत्व और सुहाग की देवी माना जाता है और 16 श्रृंगार को उनका प्रतीक माना गया है। ऐसे में हरियाली तीज पर जब आप माता पार्वती की पूजा करती हैं तो 16 श्रृंगार करना ना भूलें। इससे आपके जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

तीज व्रत कथा जरूर पढ़ें

यदि आप हरियाली तीज का व्रत रख रही हैं तो इस दिन विधि विधान से भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने के साथ ही तीज की कथा जरूर पढ़ें अथवा सुनें। इससे आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहता है।

कल्कि के बाद राज साब से धमाल मचाएंगे प्रभास

पैन इंडिया सुपरस्टार प्रभास अपनी हालिया ब्लॉकबस्टर कल्कि 2898 एडी की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। इसके अलावा उनकी अपकमिंग फिल्म राजा साब को लेकर भी काफी चर्चा है। इस ग्रैंड हॉरर एंटरटेनर ने हाल ही में अपने पोस्टर से फैंस को प्रभावित किया है, अब मेकर्स ने एक और नए पोस्टर के साथ मारुति द्वारा निर्देशित राजा साब के टीजर की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। मेकर्स ने अनाउंस किया कि फिल्म की मोस्ट अवेटेड झलक 29 जुलाई को सामने आएगी।फैन इंडिया झलक टाइटल के साथ प्रभास की राजा साब का टीजर उनके फैंस के लिए एक गिफ्ट की तरह है। मेकर्स ने प्रभास को स्टाइलिश लुक में दिखाते हुए एक नया लुक पोस्टर भी रिलीज किया। पोस्टर में, वह एक मैरून जैकेट और धूप का चश्मा पहने हुए हैं, जो फूलों से सजी एक पुरानी कार की ओर झुके हुए हैं। पोस्टर पर लिखा है कि राजा साब की पहली झलक 29 जुलाई को शाम 5:03 बजे रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद ने किया है, जिसमें थमन एस ने म्यूजिक दिया है। इसमें शामिल प्रोडक्शन कंपनियां पीपल मीडिया फैक्ट्री और जीएसके मीडिया हैं। पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, वारे वारे वारे वारे वचेसादु राजा साब, जिस प्यारे लाडले को हम सभी प्यार करते हैं वह वापस आ रहे हैं, राजा साब कल शाम 5:03 बजे आएंगे।मारुति द्वारा निर्देशित अपकमिंग फिल्म एक हॉरर-कॉमेडी है जिसमें शानदार वीएफएक्स है। इस मजेदार फिल्म में प्रभास घनी दाढ़ी और लंबे बालों के साख अलग ही अंदाज में नजर आएंगे। प्रभास के अलावा इसमें मालविका मोहनन और निधि अग्रवाल के लीड रोल प्ले करने की उम्मीद है। कई भाषाओं में आने वाली यह फिल्म 2025 की शुरुआत में रिलीज होगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रभास फिलहाल कल्कि 2898 एडी की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। इसके अलावा प्रभास के पास निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की एक्शन फिल्म स्पिरिट भी पाइपलाइन में है। फिल्म में एक्टर एक पुलिस वाले का रोल प्ले कर सकते हैं।

शर्लिन चोपड़ा ने ब्लू बॉडीकॉन ड्रेस में दिए पोज

एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा को फॉलो करने वाले जानते हैं कि वो अपने ग्लैमरस अंदाज के लिए कितनी फेमस हैं। हाल ही में उन्होंने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो वायरल हो रहीं।एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ग्लैरमस एक्ट्रेस हैं और वो खुलकर बोलती हैं कि अगर इंडस्ट्री में टिकना है तो उन्हें ऐसा अंदाज रखना होगा। हाल ही में उनकी ब्लू ड्रेस वाली तस्वीरें आईं जिसे फैंस पसंद कर रहे हैं।40 वर्षीय एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा अपने बेबाक अंदाज और बयानों के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीरें देख फैंस आहें भरने लगते हैं।शर्लिन चोपड़ा ने हाल ही में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। ब्लू रंग की वन पीस ड्रेस में शर्लिन बेहद ग्लैमरस नजर आ रही हैं। उनके इसी अंदाज के तो फैंस दीवाने हैं।तस्वीरें शेयर करते हुए शर्लिन चोपड़ा ने लिखा, उसकी आंखे खुद के शब्दाकोष बनाती हैं।।।सीखने के लिए कितनी सुंदर भाषा है।इसके साथ ही शर्लिन चोपड़ा ने अलग-अलग पोज में कई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों पर फैंस के एक से बढ़कर एक कमेंट्स भी कर रहे हैं।इंस्टाग्राम पर शर्लिन चोपड़ा के 16 मिलियन से ज्यादा फॉलोवर्स हैं। यहां शर्लिन अक्सर ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो शर्लिन चोपड़ा ने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी। बाद में शर्लिन को बॉलीवुड फिल्मों में काम करने का मौका मिला।शर्लिन चोपड़ा ने अब तक कामसूत्रा, रेड स्वास्तिक, वजह तुम हो, नॉटी बॉय, टाइम पास, जवानी दीवानी, रकीब और गेम जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

विजय एंटनी की काव्यात्मक एक्शन फिल्म तूफ़ान 2 अगस्त को सिनेमाघरों में होगी रिलीज़

विजय मिल्टन द्वारा निर्देशित विजय एंटनी की अगली फिल्म तूफ़ान 2 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। कुछ दिन पहले रिलीज़ हुए ट्रेलर में निर्माताओं ने कहा था कि फ़िल्म जुलाई में रिलीज़ होगी, लेकिन तारीख़ नहीं बताई। अब 2 अगस्त को रिलीज़ होने की पुष्टि हो गई है।कमल बोरा, डी। ललिता, बी। प्रदीप और पंकज बोरा इस फ़िल्म को इनफिनिटी फ़िल्म वेंचर्स के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह कंपनी इससे पहले राघवन और विजय एंटनी अभिनीत हथिया का निर्माण कर चुकी है। निर्देशक विजय मिल्टन काव्यात्मक एक्शन एंटरटेनर शैली में फ़िल्म तूफ़ान बना रहे हैं।

निर्माताओं ने घोषणा की है कि वे 2 अगस्त को दुनिया भर में फिल्म तूफ़ान को एक भव्य थिएटर रिलीज़ के लिए ला रहे हैं। यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जिसने उस समाज का भविष्य बदल दिया जो उसे नीची नजर से देखता था। फिल्म एक द्वीप पर आधारित है, और इसकी शूटिंग अंडमान और दीव दमन में की गई थी।

फिल्म तूफ़ान से रिलीज़ हुए गानों और ट्रेलर को अच्छी प्रतिक्रिया मिली।फिल्म के कलाकारों में मेघा आकाश, दाली धनंजय, मुरली शर्मा, पृथ्वी अंबर, थलाइवासल विजय और सरन्या पोनवन्नन प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

निर्देशक विजय मिल्टन ने इस फिल्म में सिनेमैटोग्राफर के रूप में भी काम किया है। विजय एंटनी ने गाने लिखे हैं। विजय एंटनी को आखिरी बार रोमांटिक कॉमेडी रोमियो में देखा गया था, जिसमें उनके साथ मिरनालिनी रवि थीं, जिसे विनायक वैथियानाथन ने निर्देशित किया था।

महिला स्वास्थ्य से जुड़े अनुसंधानों में कमी पर अपूर्वा अरोड़ा ने जताई चिंता

हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज फैमिली आज कल में दिखने वाली एक्ट्रेस अपूर्वा अरोड़ा ने महिलाओं के लिए उचित स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की कमी पर चिंता व्यक्त की है।पीसीओडी (पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम) से जूझने वाली एक्ट्रेस ने कहा कि चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद महिलाओं को समर्पित शोधों की कमी है।पीसीओडी एक हार्मोन से जुड़ी बीमारी है, जिसमें महिलाओं में सामान्य फर्टिलिटी साइकिल बाधित हो जाता है।एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए अपूर्वा ने कहा, (महिला शरीर के बारे में) समझ में यह कमी महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण पर गलत असर डालता है। महिलाएं दुनिया की आधी आबादी हैं, और अगर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल रही है, तो यह एक समाज के रूप में हमारी प्रगति पर सवाल उठाता है।एक्ट्रेस ने कहा, पारंपरिक रूप से, महिलाओं को अधिकार वाले पदों पर कम प्रतिनिधित्व दिया गया है और अक्सर उन्हें उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए मान्यता नहीं मिली है। स्वास्थ्य सेवा में लैंगिक समानता हासिल करने और सभी की जरूरतें पूरी करने के लिए इन मुद्दों पर काम करना महत्वपूर्ण है, जो आम तौर पर छोटे कदम लगते हैं।हिंदी, गुजराती, पंजाबी और कन्नड़ फिल्मों में काम कर चुकी अपूर्वा ने यह भी बताया कि कैसे योग ने उन्हें पीसीओडी से संबंधित लक्षणों से राहत दिलाने में मदद की है।उन्होंने कहा कि योग उनकी फिटनेस यात्रा में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कई तरह के व्यायाम आजमाए, लेकिन योग ही उनके लिए फायदेमंद साबित हुआ है।उन्होंने कहा, योग ने मुझे पिछले कुछ साल में पीसीओडी से संबंधित लक्षणों से राहत दिलाने में मदद की है और साथ ही पुरानी चोटों को ठीक करने में भी सहायक रहा है।

धनुष के जन्मदिन पर रिलीज हुआ कुबेर का नया पोस्टर

साउथ सुपरस्टार-डायरेक्टर धनुष 41 साल के हो गए है। इस खास मौके पर जहां उनके अपने और फैंस जन्मदिन की शुभकामनाएं दे रहे हैं। वहीं, फिल्म इंडस्ट्री के लोग उनके तोहफे दे रहे हैं। हाल ही में कुबेर मेकर्स ने फिल्म से धनुष का नया पोस्टर जारी किया है और उन्हें बर्थडे विश किया है। इसके लिए मेकर्स ने सोशल मीडिया का सहारा लिया है।रविवार को श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी प्रोडक्शन हाउस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर धनुष का नया पोस्टर जारी कर उन्हें बर्थडे विश किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, धनुष सर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। शेखर कम्मुला के कुबेर में और भी बेहतरीन परफॉर्मेंस और यादगार पल देखने को मिलेंगे।कुबेर के नए पोस्टर में धनुष का

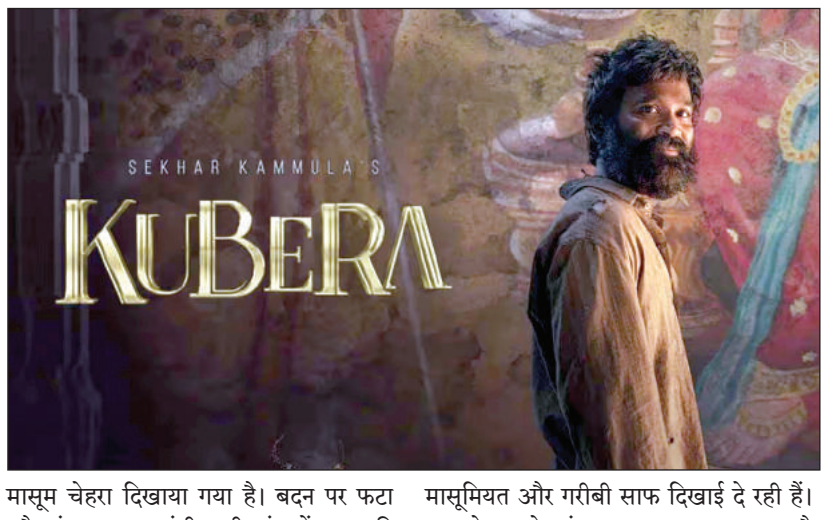

मासूम चेहरा दिखाया गया है। बदन पर फटा और गंदा कपड़ा, लंबी दाढ़ी-मूंछ में धनुष की मासूमियत और गरीबी साफ दिखाई दे रही हैं। इस पोस्टर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक्टर फिल्म में एक ऐस पर्सनालिटी को रिप्रेजेंट करेंगे, जो अपनी गरीबी और समस्याओं से जूझ रहा है। धनुष का ये नया अवतार उनके फैंस का दिल छू गया है।इससे पहले मेकर्स ने फिल्म से नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना का फर्स्ट लुक शेयर किया था। वीडियो में वह एक गड्ढे से एक बैग निकालती है, जो नोटो से भरा रहता है। रश्मिका का ये लुक फैंस को काफी पसंद आया है।कुबेर को डायरेक्ट शेखर कम्मुला ने किया है। इसमें नागार्जुन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, रश्मिका मंदाना एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। एसके की कुबेर श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस की निर्मित पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे तमिल, तेलुगु और हिंदी में एक साथ शूट किया जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। ख़राब दौर हमें बहुत–कुछ देता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकें। जो लोग बीते कुछ दिनों से काफी व्यस्त थे उन्हें आज अपने लिए फुर्सत के पल मिल सकते हैं। वैवाहिक जीवन में सूखे–सर्दीले दौर के बाद आपको धूप नसीब हो सकती है। सोशल मीडिया पर ज़रूरत से ज़्यादा वक़्त गुज़ारना न केवल समय की बर्बादी है, बल्कि सेहत के लिहाज़ से भी अच्छा नहीं है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज–मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी। यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। यात्राओं से तुरंत लाभ तो नहीं होगा, लेकिन इसके चलते अच्छे भविष्य की नींव रखी जाएगी। रात को आज आप अपने किसी करीबी के साथ घूमने जा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। सबको अपनी महफ़िल में दावत दें। क्योंकि आपके पास आज अतिरिक्त ऊर्जा है, जो आपको किसी पार्टी या कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करेगी। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। सामाजिक उत्सवों में सहभागिता का मौक़ा है, जो आपको प्रभावशाली व्यक्तियों के संपर्क में लाएगा। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दुःख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। यह बात आज आपके जुबान पर आ सकती है क्योंकि आप के घर में आज स्वादिष्ट भोजन बन सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता–पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। अपने प्रिय की बातों के प्रति आप ज़रूरत से ज़्यादा संवेदनशील रहेंगे– आपको अपने जज़्बात पर क़ाबू रखने की ज़रूरत है और ऐसा कुछ करने से बचें जो मामले को और भी बिगाड़ दे। आपका व्यक्तित्व ऐसा है कि ज्यादा लोगों से मिलकर आप परेशान हो जाते हैं और फिर अपने लिए वक्त निकालने की कोशिश करने लग जाते हैं। इस लिहाज से आज का दिन आपके लिए बहुत उम्दा रहने वाला है। आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए। बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। जो लोग आपके लिए सबसे ज़्यादा अहमियत रखते हैं, उन्हें अपनी बात समझाने में आप ख़ासी दिक़्क़त महसूस करेंगे। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और जमीन बेचकर उन्हें अच्छा धन लाभ हो सकता है। दोस्त और रिश्तेदार आपकी मदद करेंगे और आप उनके साथ काफ़ी ख़ुशी महसूस करेंगे। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। संभव है कि आज आप लज़ीज़ खाने का लुत्फ़ उठा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे। किसी ख़ूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है। इसलिए वाद–विवाद की हालत में पुराने दिनों की यादों को ताज़ा करना न भूलें। सोच–समझकर फ़ैसला करें कि आप किसके साथ बाहर जाने वाले हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। छोटे बच्चे आपको व्यस्त रखेंगे और दिली सुकून देंगे। अपने प्रिय के साथ आज अच्छी तरह बर्ताव करें। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं ।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 30 जुलाई 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी सायं 04:42 तक
नक्षत्र : कृतिका प्रातः 10:19 तक
योग : वृद्धि सायं 03:49 तक
करण : विष्टि सायं 04:46 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:47 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:40 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा सायं 04:42 तक
मंगलागौरी पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में विपक्ष के हंगामें के कारण सदन की कार्यवाही तीन बार करनी पड़ी स्थगित

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में सोमवार को विपक्षी सदस्यों द्वारा संलबूर में एक दलित शिक्षक की हत्या एवं सीकर में एक दलित छात्र की हत्या के मामले को लेकर सदन में जोरदार हंगामा करने से सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी।

शून्यकाल में विधायक थावर चंद ने स्थगन प्रस्ताव के तहत संलबूर में दलित शिक्षक की हत्या का मामला उठाया और कहा कि इस मामले में पीड़ित परिवार को 21 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया हैं जो बहुत कम हैं। उन्होंने कहा कि उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड में सरकार ने एक करोड़ रुपए का मुआवजा एवं एक आश्रित को नौकरी दी थी जबकि इस मामले में सरकार ने भेदभाव किया है। उन्होंने इस मामले में भी पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिये जाने की मांग की।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित विपक्ष के सदस्य भी खड़े हो गए और बोलने लगे और सदन में शोरगुल हुआ। विपक्ष के सदस्य इस मामले को लेकर वेल की तरफ बढने लगे और सदन में हंगामा होने लगा। इस दौरान विधायक स्थगत प्रस्ताव के तहत ही विधायक पितराम सिंह काला ने सीकर में दलित छात्र की हत्या का मामला उठाया और विपक्ष के सदस्य दलितों पर अत्याचार के मुद्दे को लेकर सदन की वेल में आ गए और नारेबाजी करने लगे जिससे सदन में हंगामा हुआ। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हंगामा कर रहे सदस्यों को टोका लेकिन विपक्ष के सदस्य नारेबाजी करते रहे। श्री देवनानी ने हंगामा कर रहे विपक्ष के सदस्यों से कहा कि संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल जवाब दे रहे हैं सभी सदस्य अपनी जगह पर जाये लेकिन विपक्ष के सदस्य वेल में डटे रहे और हंगामा जारी रहा। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष के सदस्य जवाब सुनना नहीं चाहते हैं ये सदन में हंगामा मचाना चाहे रहे हैं।

इस दौरान जोगाराम पटेल जवाब देने के लिए खड़े हुए लेकिन विपक्ष के सदस्य वेल में हंगामा करते रहने से वह वापस बैठ गए। इस दौरान हंगामा कम नहीं होता देख जोगाराम पटेल फिर उठे और उन्होंने कहा कि सीकर में छात्र की हत्या के मामले की जांच कराकर एक दो दिन में इस मामले की पूरी रिपोर्ट सदन को बता दी जायेगी। इसके बाद भी विपक्ष के सदस्यों का हंगामा जारी रहा।पर्ची के माध्यम से विधायक गणेशराम बंसल, आदूराम मेघवाल, रामसहाय वर्मा एवं हरलाल सिंह सहारण ने अपनी बात रखी लेकिन हंगामें के कारण उनकी बात भी स्पष्ट रुप से सुनाई नहीं दीई। बाद में हंगामें के कारण सदन की कार्यवाही करीब पौने एक बजे भोजन अवकाश तक पन्द्रह मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। इसके बाद एक से दो बजे तक भोजनावकाश रहा और दो बजे सदन की कार्यवाही फिर शुरु होने पर विपक्ष के सदस्यों के सदस्यों ने फिर इसी मुद्दे पर अपना हंगामा जारी रखने पर दो बजकर छह मिनट पर सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गई। दो बजकर 36 मिनट पर सदन की कार्यवाही फिर शुरु होते ही आधे घंटे के लिए तीन बजकर छह मिनट तक फिर स्थगित कर दी गई। तीन बजकर छह मिनट पर सदन की कार्यवाही पुन: शुरु होने पर श्री देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार मंगलवार को इन मुद्दों पर शून्यकाल के बाद जवाब देगी। इसके बाद हंगामा शांत हो गया और सदन की कार्यवाही सुचारु चलने लगी।

भाजपा विधायक बालमुकुंद ने की राजस्थान में यूसीसी जल्द लागू करने की मांग

जयपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा है कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को जल्द से जल्द राजस्थान में लागू किया जाना चाहिए। राजस्थान में भाजपा नेता और राज्य मंत्री यूसीसी को लेकर लगातार बात कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। कुछ समय पहले, मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा था कि राज्य सरकार उत्तराखंड की तरह ही विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश करने की योजना बना रही है। हालांकि, भजनलाल सरकार ने अभी तक कोई कदम नहीं उठाया है।

भाजपा विधायक आचार्य हिंदू समुदाय से जुड़े मुद्दे उठाते रहे हैं। उन्होंने मांग की है कि एक देश और एक कानून को जल्द लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम एक देश और एक कानून की मांग कर रहे हैं और मुझे विश्वास है कि इसे जल्द ही लागू किया जाएगा। मैंने अपनी ओर से केंद्र सरकार के समक्ष भी यह मांग उठाई है। झुंझुनू में कांवड़ियों के साथ पुलिस की मारपीट की खबरों पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांवड़ियों के साथ किसी भी तरह का अभद्र व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले की बिना किसी पक्षपात के जांच की जाएगी और यदि कोई अधिकारी इसमें शामिल है तो उसे भी निलंबित किया जाएगा।

रविवार रात लोहार्गल धाम में भारी भीड़ होने के कारण पुलिस ने कांवड़ियों पर लाठियों से हमला किया। आचार्य ने कहा कि उन्हें इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर मिला है। उन्होंने कहा, इस तरह की हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। फिलहाल, मामले में चीजें स्पष्ट नहीं हैं।

भाजपा विधायक ने आगे कहा कि कांग्रेस के शासन में माफिया फल–फूल रहे थे। लेकिन भाजपा के सत्ता में आते ही उनकी हरकतों पर लगाम लग गई। उन्होंने कहा, अब माफियाओं का राज खत्म हो गया है, इसलिए वे मुख्यमंत्री को धमका रहे हैं। हमारे सीएम ने कांग्रेस के राज में पनप रहे माफियाओं के राज को खत्म कर दिया है। इसलिए अब जेल में बंद लोग डरे हुए हैं और इसलिए वे सीएम को धमका रहे हैं। बता दें कि रविवार को सीएम भजनलाल शर्मा को जेल से बदमाशों ने धमकाया था।

महिला कोच यौन शोषण मामला में पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ आरोप तय

चंडीगढ़, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जूनियर कोच यौन शोषण मामले में फंसे हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ चंडीगढ़ जिला अदालत में केस चल रहा है। सोमवार को अदालत में आरोपी पूर्व मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ आरोप तय कर दिए गए हैं। संदीप सिंह के खिलाफ आरोप तय करने की कार्रवाई में ही लगभग डेढ़ वर्ष से ज्यादा समय लगा है। अब इस मामले में संदीप सिंह के खिलाफ केस चलेगा। गौरतलब है कि 26 दिसंबर 2022 को जूनियर महिला कोच ने हरियाणा के मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न सहित अन्य आरोप लगाते हुए चंडीगढ़ पुलिस में शिकायत दी थी। जांच के बाद 31 दिसंबर की रात 11 बजे

सेक्टर–26 थाने में संदीप सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 342, 354, 354ए, 354बी, 506 के तहत पुलिस ने केस दर्ज किया था। इसके बाद डीएसपी (पूर्व) पलक गोयल के सुपरविजन में मामले की जांच के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की गई थी। इसमें साइबर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर रंजीत सिंह, महिला थाना प्रभारी इंस्पेक्टर उषा और एक महिला एसआई को शामिल किया गया था।

जनता के सुझावों पर तैयार संकल्प पत्र पर काम करेंगे : मोहन लाल बडौली

करनाल, 29 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस गुटबाजी का शिकार है। भाजपा परिवार की तरह कार्य करती है। भाजपा जनता के सुझावों से एक संकल्प तैयार करेगी। जहां की जनता जो कार्य चाहती है, सरकार उसी प्रकार से कार्य करेगी।

बड़ौली करनाल में भाजपा कार्यालय कर्ण कमल पहुंचे। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, पूर्व मेयर रेणू बाला गुप्ता आदि ने उनका स्वागत किया। इस मौके पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि 23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया है। देश को 1947 तक विकसित बनाने का जो संकल्प

लिया है, ये बजट उसी संकल्प का हिस्सा है। लोगों को सभी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। महिलाओं, युवाओं, गरीबों, किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। कई नई योजनाओं का समावेश बजट में किया गया है। इस बजट की तुलना जब कांग्रेस के कार्यकाल से करेंगे, तो सही जानकारी होगी कि उससे तीन गुना बजट बढ़ाया गया है। देश के हर जिलों को नेशनल हाईवे से जोड़ने का कार्य हो या फिर युवाओं को रोजगार देने के लिए बहुत कार्य किया गया। चार करोड़ एक लाख युवाओं को रोजगार दिए जाने की योजना है। महिलाओं को लखपति दीदी बनाने की योजना है। ये बजट प्रशंसनीय है।

कांग्रेस की यात्रा पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग एक दूसरे को पीछे करने में लगे है। कांग्रेस की जो सोच है, जो कल्चर है, उसका सभी को पता लगेगा। कांग्रेस की सोच हमेशा से ही देश को तोड़ने की रही है। जब भी कोई अच्छी बात होती है, तो कांग्रेसी उसमें बुराई ढूढ़ने लगते है। विधान सभा चुनाव की तैयारी पर उन्होंने कहा कि भाजपा के लाखों कार्यकर्ता जनता के बीच में रहकर जनता के सुझाव लेकर संकल्प पत्र तैयार करेंगे। संगठन को मजबूत करते हुए कार्यकर्ता चुनाव को लेकर देश की मजबूती के लिए काम करेंगे। लगातार बूथ की बैठकें चल रही हैं। भाजपा कार्यकर्ता सभी बूथों पर जाएंगे। कुछ बूथ बढ़ेंगे। सभी बार्डो और गांवों में कार्यकर्ता जाकर एक अभियान के रूप में जाएंगे। टिकट वितरण के सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस में तो गुटबाजी है, भाजपा में कोई गुटबाजी नहीं है, भाजपा एक परिवार की तरह काम करती है।

ओलंपिक में रमिता पदक से चूकीं, पिता बोले

हौसला नहीं टूटा, न हमारा न बेटी का अगली बार पदक जरूर लाएगी

कुरुक्षेत्र, 29 जुलाई (एजेंसियां)। रमिता 10 मीटर एयर राइफल महिला इवेंट में सातवें स्थान पर रहीं और पदक लाने से चूक गईं। इससे रमिता व उसके परिजनों के साथ–साथ हर किसी को दुख हुआ लेकिन न रमिता और न ही उसके परिजनों का हौसला टूटा है। रमिता के पिता अरविंद जिंदल कहते हैं कि बेटी ने ओलंपिक में पूरी मेहनत से खेला। यह कम नहीं है। इस बार फाइनल में चूकी तो कोई बात नहीं। न बेटी का हौसला टूटा है और न ही हमारा।

इस बार नहीं तो अगली बार सही लेकिन बेटी देश के लिए ओलंपिक से मेडल जरूर लाएगी। उसने फोन कर अपने

मैच के बारे में बताया तो वहीं कहा कि वह अपनी हार को आगे नहीं रखती बल्कि अगली बार जीत के लिए प्रयास करती रहेगी। वह देश की झोली में एक दिन मेडल जरूर डालेगी।

उधर पिता अरविंद जिंदल कहते हैं कि रमिता बेटी होते हुए भी बेटे की तरह है और हमें उस पर पूरा नाज है। छोटे से कस्बे लाडवा से ओलंपिक में जाना ही कोई छोटी बात नहीं। माता–पिता व अन्य परिजन बेटी का मैच देखने के लिए सुबह से ही टेलीविजन के आगे बैठे रहे। बता दें कि रमिता ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन दूसरी सीरीज में वह पिछड़ गईं जिसके बाद वापसी नहीं कर सकीं।

रमिता ने 10.2 शॉट के साथ शुरुआत की थी जिससे वह संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर पहुंच गई थीं और बाहर होने से 0.2 अंक आगे थीं। इसके बाद उन्होंने फिर 10.2 का शॉट खेला जिससे रमिता संयुक्त रूप से छठे स्थान पर खिसक गईं। रमिता ने इसके बाद शूटऑफ में 10.5 का स्कोर किया, लेकिन रमिता की प्रतिद्वंद्वी मुलर ने 10.8 का स्कोर कर खुद को मुकाबले में बनाए रखा।

गौवंश को जलाने के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में भीलवाडा जिले के पारोली थाना क्षेत्र में पेट्रोल डालकर गौवंश को जलाने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी साहिलनूर लौहार को गिरफ्तार कर लिया। यह आरोपित कस्बे में ही वेल्डिंग की दुकान चलाता है और इसकी दुकान के बाहर आए गौवंश को उसने जला दिया। घटना को गंभीरता से लेते हुये प्रशासन ने आरोपित की दुकान को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। इस बीच, ग्रामीणों के आह्वान पर आज पारोली कस्बा के बाजार बंद रहे। एहतियातन पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है।गौरतलब है कि रविवार शाम को हुई घटना के बाद देर रात पारोली थाने पर जुटे ग्रामीणों ने एफआईआर दी और आरोपितों की गिरफ्तारी, अवैध केबिनों को हटाने की मांग को लेकर बंद का आह्वान किया था। गौवंश को जलाने के आरोपित साहिलनूर लौहार को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद प्रशासन ने आरोपित की शॉप को अतिक्रमण मानते हुये बुलडोजर चलाकर शॉप को ध्वस्त कर दिया। तोडफोड़ की इस कार्रवाई के दौरान वहां बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे।

टोहाना में चाय वाले ने वकील से नौकरी के नाम पर सात लाख ठगे

फतेहाबाद, 29 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में फतेहाबाद जिले के टोहाना में चाय की कैंटीन चलाने वाले ने सरकारी नौकरी की परीक्षा पास कराने के नाम पर वकील को लाखों रुपए का चूना लगा दिया।

रत्ताथेह गांव निवासी सतबीर ने पुलिस अधीक्षक को दी शिकायत में बताया कि टोहाना लघु सचिवालय में अमन नामक शख्स चाय की कैंटीन चलाता है। जो पैसों से सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देता है। सतबीर ने 2021 में पंजाब के एक्साइज विभाग में इंस्पेक्टर के लिए फॉर्म भरा था, जिसका चाय कैंटीन संचालक को पता था। अक्टूबर 2021 में उसने मोहाली में पेपर दिया, जो ठीक नहीं रहा, जिस पर उसे फिर बरगलाया गया। पीड़ित अमन 2017 से टोहाना सिविल कोर्ट में वकालत रहा है। साथ ही सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा था। अमन ने सतबीर से 13 लाख रुपए में काम करवाने की बात कही, लेकिन उसके पास रुपए नहीं थे। इसके बाद अमन ने सात लाख रुपए एडवांस और बाकी रुपए काम के बाद देने की बात कही। सौदा फिक्स होने के बाद अमन ने सतबीर को टोहाना के आशा राम से मुलाकात कराई। इसके बाद सतबीर ने अलग–अलग ट्रांजेक्शन कर 6 लाख 30 हजार रुपए आरोपियों को दे दिए। लेकिन परीक्षा परिणाम में उसका नंबर नहीं आया और अमन फेल हो गया।

गलवा नदी में बहे तीन युवक, दो को बचाया और एक की तलाश जारी

सवाई माधोपुर, 29 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के चौथ का बरवाड़ा थाना क्षेत्र में बहने वाली गलवा नदी में तेज बहाव जारी है। टोंक जिले में हुई बारिश के चलते गलवा नदी लगातार उफान पर है। इसी के चलते नाहरी गांव के पास गलवा नदी की रपट पार करते हुए तीन युवक नदी में बह गए। आसपास के लोगों की सहायता से नदी में बहने वाले तीन में से दो लोगों को तो बचा लिया गया, लेकिन पानी ज्यादा होने के कारण एक युवक नदी के बहाव में बह गया, जिसका समाचार लिखीजाने तक पता नहीं लग पाया है। मौके पर ग्रामीणों के साथ प्रशासन द्वारा नदी में बहे युवक की लगातार

तलाश की जा रही है।

जगमोदा गांव के आशाराम मीना ने बताया कि वह नदी के पास अपने साथियों के साथ नहा रहा था। चौथ का बरवाड़ा के कपिल वर्मा अभिषेक वर्मा एवं राहुल वर्मा तीनों रपट के ऊपर से गुजर रहे थे। इसी दौरान तीनों तेज बहाव के कारण फिसलकर नदी में चले गए। आशाराम ने बताया कि उसने व उसके साथियों ने तेज बहाव में उतरकर कपिल एवं अभिषेक को बचा लिया, लेकिन राहुल पुत्र भागचंद वर्मा निवासी चौथ का बरवाड़ा तेज बहाव में बह गया है। जिसका पता नहीं लग पा रहा है। मौके पर पानी की अधिकता होने के कारण ग्रामीण मशक्कत तो कर रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल पा रही है। वहीं दूसरी ओर मौके पर पुलिस प्रशासन पहुंच गया है ग्रामीणों की सहायता से सर्च ऑपरेशन चालू कर दिया है।

सिरसा में वीजा के नाम पर 35 लाख की ठगी

सिरसा, 29 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा निवासी सतपाल ने पुलिस को शिकायत देकर कहा है कि जखल के एक विज इमिग्रेशन संचालक हरपाल सिंह ने उसके बेटे व बहू को वर्क वीजा के बजाय टूरिस्ट वीजा देकर 35 लाख की ठगी कर ली। इस संबंध में जखल पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। सतपाल ने बताया कि उसका बेटा गुरजिंद्र जाखल में अमनप्रीत से विवाहित है। गुरजिंद्र का अपने साले पैरी खिप्पल के माध्यम से जाखल के एक वीजा इमिग्रेशन संचालक हरपाल से मुलाकात हुई। जिसने दोनों पति–पत्नी को कनाडा वर्क परमिट पर भेजने की बात कही, उन्होंने अपनी बेटी रबजोत को भी साथ ले जाने की बात कही। शिकायतकर्ता अनुसार आरोपियों ने पहले मना कर दिया, लेकिन बाद में कहा गया कि 35 लाख रुपए में यह संभव है। जिस पर उन्होंने फरवरी 2023 में पेमेंट कर दी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्हें 10 मार्च 2023 को कनाडा भेजा गया, लेकिन वहां जाकर उन्हें पता चला कि उन्हें टूरिस्ट वीजा पर कनाडा भेजा गया है, जिससे उनके साथ धोखाधड़ी की गई।

बीच सड़क पर रेल पुलिस और बिहार पुलिस आपस में भिड़े, खूब चले लात और घूंसे

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार में बीच सड़क पर रेल पुलिस और जिला पुलिस आपस में भीड़ गये। पहले कुछ देर तक लोगों को समझ में नहीं आया कि यह लड़ाई किस वजह से हो रही है इसलिए लोग तबतक इस लड़ाई का मजा लेते रहे और वीडियो बनाते रहे। जब मामला समझ में आया तब लोग हैरान हो गये।

घटना समस्तीपुर जिले के पटोरी थाना क्षेत्र की है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि शराब माफिया ट्रेन से शराब की खेप ले जा रहा था। आउटर पर ट्रेन के रुकते ही शराब कारोबारी ट्रेन से शराब उतारा और फिफ्रर तेजी से रेलवे क्षेत्र को पारकर सड़क पर आ गया। सड़क पर आते ही कारोबारी को पटोरी थाने की 112 कि पुलिस ने पकड़ लिया।

तब तक इस बात कि जानकारी रेल पुलिस को लग गई। सूचना मिलते ही रेल पुलिस सड़क पर आ गई और उस शराब को जब्त करने के लिए दोनों उस आर अपना अधिकार जताने लगे। जीआरपी का कहना था कि यह मेरे क्षेत्र का मामला था, आप शराब पकड़ने वाले कौन। जबकि 112 पुलिस का कहना था यह सिविल क्षेत्र का मामला है और यह क्षेत्र आपका नहीं है, इसलिए यह मामला भी आपका नहीं है। इसी बात को लेकर जीआरपी और 112 की पुलिस आपस में भिड़ गई। दोनों के बीच मारपीट भी हुई। कुछ रेल पुलिस सादी वर्दी में भी थी। बीच सड़क पर हुए मारपीट का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो रविवार सुबह की बताई गई है। उधर, वायरल हो रहे इस वीडियो के बाद पटोरी डीएसपी बी के मेधावी ने पूरे मामले की जांच करने की बात कही है।

पटोरी के डीएसपी बी के मेधावी ने बताया कि मामले की जानकारी उन्हें मीडिया के माध्यम से ही मिली है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि जांच उपरांत दोषी पर कार्रवाई की जाएगी।

बेतिया में बोरे में बंधी मिली महिला की सिर कटी लाश, इलाके में फैली सनसनी

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया में बोरे में बंधी एक महिला की सिर कटी लाश मिली, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। यह सूचना मिलते ही मौके पर सैकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। घटना रविवार की देर शाम की है। यह घटना जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के महोदीपुर पंचायत के मिरटोली गांव के पास बेलघाटी नहर की है।

जानकारी के अनुसार, रविवार की देर शाम बेलघाटी नहर की तरफ कुछ लोग गए तो देखा कि एक बोरा तैरता हुआ जा रहा है। बोरे से बाहर मनुष्य के हाथ की तरह दिखाई दे रहा था। लोगों को शक हुआ कि इसमें किसी का शव है। उसके बाद इसकी सूचना

पुलिस को दी गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने नहर में तैरते बोरे को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला। जब बोरा खोलकर देखा गया तो उसमें एक महिला का शव निकला। हालांकि उसका सिर काट दिया गया था। शव दस से पंद्रह दिन पुराना लग रहा था। ऐसा लग रहा था कि किसी महिला की हत्या कर उसके शव को बोरे में बांधकर नहर में फेंक दिया गया हो, ताकि शिनाख्त न हो सके।

हालांकि पुलिस शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई। वहीं, इस मामले को लेकर इलाके में चर्चाएं शुरू हो गईं। जितने मुंह उतनी बातें सुनने को मिल रही हैं। लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं।

इधर, थानाध्यक्ष अखिलेश मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ग्रामीणों के सहयोग से शव की शिनाख्त करने में जुटी हुई है।

महिला को बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार कार बीस फुट नीचे नहर में गिरी

चार लोग घायल

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया में सोमवार को सड़क पार कर रही एक महिला को बचाने के चक्कर में एक तेज रफ्तार कार बीस फुट नीचे नहर में गिर गई।

इससे घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल कायम हो गया और सैकड़ों की संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। घटना जिले के मझौलिया थानाक्षेत्र के बेतिया-मोतिहारी नेशनल हाईवे स्थित थ्रेसरी चौक के पास की है।

उसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से परिजनों ने आनन-फानन में सभी घायलों को नहर में गिरी कार से निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सभी का इलाज चल रहा है। सभी की गंभीर स्थिति बनी हुई है। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई।

घटना को लेकर में स्थानीय लोगों ने बताया कि सभी कार सवार मोतिहारी की तरफ से बेतिया की ओर जा रहे थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे स्थित थ्रेसरी चौक के पास एक महिला सड़क पार कर रही थी, जिसे कार चालक ने बचाना चाहा और उस कोशिश में कार नहर में जा गिरी। हालांकि, ग्रामीणों के सहयोग से सभी को नहर से बाहर निकाल लिया गया। फिर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इधर, प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष अमरकांत ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। मौके पर पुलिस पदाधिकारी को भेजा गया है। मामले की जांच-पड़ताल कर कार्रवाई की जाएगी।

तनिष्क शो रूम लूटकांड : एसटीएफ ने झारखंड के दो संदिग्धों को लिया हिरासत में

मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर पर भी शक

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया के तनिष्क ज्वेलरी शो रूम में हुई 3.70 करोड़ की लूटकांडमें एसटीएफ की टीम ने अररिया जिले में छापेमारी कर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। साथ ही कई साक्ष्य एकत्रित किए हैं। हिरासत में लिए गए दो संदिग्धों से एसटीएफ की टीम ने अररिया नगर थाना में पूछताछ कर रही है। दोनों झारखंड के साहेबगंज निवासी हैं। दोनों की निशानदेही के आधार पर एसटीएफ की टीम ने पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में पदस्थापित प्रोफेसर को भी हिरासत में लिया गया है। प्रोफेसर अररिया के कृष्णापुरी वार्ड संख्या 9 के रहने वाले हैं। उनसे भी पूछताछ चल रही है।

बताया जा रहा है कि गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ और पूर्णिया पुलिस टीम ने रविवार को पूर्णिया मेडिकल कॉलेज में पदस्थापित प्रोफेसर के अररिया स्थित मकान में छापेमारी की। यही से दोनों संदिग्धों को हिरासत में लिया। यह दोनों पूर्णिया मेडिकल कॉलेज के प्रोफसर के घर रहते थे।

दोनों एक माह पूर्व प्रोफेसर के मकान में किराये पर रहने आया था, जो अपने आप को दिल्ली में पढ़ने की बात बता रहा था। वहीं युवक के परिजन को अररिया में रहने की जानकारी उसके परिजनों को भी नहीं है।

पूछताछ के दौरान दोनों युवकों ने पलासी निवासी एक युवती का नाम बताया, जो रक्सोल निवासी युवक को खाना पहुंचाने का काम करती थी। एसटीएफ के साथ आयी एफएसएल की टीम ने कृष्णापुरी स्थित मकान से कई साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस झारखंड के साहबगंज, बिहार के मुजफ्फरपुर, अररिया व पश्चिम बंगाल के मालदा में भी छापामारी कर रही है।

एसटीएफ व पूर्णिया पुलिस की टीम को लूटकांड में अररिया से कई सुराग हाथ लगे हैं। सूत्र बता रहे हैं वारदात के बाद लुटेरों ने शॉपिंग मार्ट, विकास मार्केट स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों से भी जमकर खरीदारी की है। इसके अलावा कई ऐसे साक्ष्य मिले हैं, जिसे पुलिस गंभीरता से ले रही है। एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पांच अलग-अलग टीम का गठन किया है। टीम झारखंड, बंगाल की पुलिस से भी संपर्क में है। टीम का दावा है कि जल्द ही सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इंजीनियरिंग कॉलेज बेतिया के 14 विद्यार्थियों का बेहतर पैकेज पर प्रतिष्ठित कंपनी में चयन, जताई खुशी

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया के गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज कुमारबाग के 14 छात्रों का चयन एक प्रतिष्ठित कंपनी में हुआ है, जिससे छात्रों सहित महाविद्यालय प्रबंधन में खुशी का माहौल है। महाविद्यालय के प्लेसमेंट समन्वय साकेत कुमार ने बताया कि सभी 14 छात्रों को रीनेक्स टेक्नोलॉजी नामक कंपनी ने विस्तृत चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुना है। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, तकनीकी साक्षात्कार और एचआर साक्षात्कार शामिल थे। इन छात्रों ने अपनी कठिन मेहनत और समर्पण से यह सफलता हासिल की है।

साथ ही उन्होंने बताया कि चयनित छात्रों में इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल सिविल इंजीनियर विभाग के छात्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि छात्रों का चयन पांच लाख 20 हजार के पैकेज पर हुआ है। चयनित छात्र सपना कुमारी, सुमन कुमारी, निक्की कुमारी, कुमारी अंजलि, पम्मी कुमारी, नम्रता कुमारी, कुंदन कुमार, पुलकित पांडे, अमित कुमार, ऐश्वर्या भारती, उत्सव करन, रोशनी कुमारी, शुभम कुमारी और उत्तम कुमार यादव सफलता पाकर प्रसन्न दिखे। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय संस्थान द्वारा प्रदान की जा रही रोजगारपरक शिक्षा और प्राध्यापकों द्वारा दिए गए उचित मार्गदर्शन को दिया।

वहीं, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर विजय कुमार गुप्ता ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों का चयन रीनेक्स टेक्नोलॉजी जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में होना संस्थान के लिए गौरव की बात है। यह संस्थान की शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता और छात्रों के मेहनत का परिणाम है।

बेगूसराय बाल गृह से पांच किशोर फरार पीछे का दरवाजा तोड़कर भागे पांच

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय में बाल गृह से पांच बाल बंदी (किशोर) फरार हो गए हैं। पांचों बाल गृह के पीछे का दरवाजा तोड़कर भाग निकले। सुबह गिनती के दौरान पांच अनुपस्थित पाए गए तो तो बाल गृह में हड़कंप मच गया। बाल गृह प्रशासन ने फौरन पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। साथ ही पांचों के परिजनों से भी जानकारी ले रही है। पुलिस का कहना है कि बाल गृह से पांच किशोर के भागने की सूचना मिली है। इनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है। आसपास के जिलों की पुलिस को भी जानकारी दे दी गई है। स्थानीय लोगों ने बताया है कि रविवार की रात तकरीबन 12:00 बजे पीछे से कूदने की आवाज आई तो पता चला कि इस बालगृह में रह रहे पांच लड़का पीछे के दरवाजे को तोड़कर फरार हो गया है। उन्होंने बताया है कि इस घटना की सूचना वहां पर आ रहा है गार्ड को दिया गया। उन्होंने बताया कि काफी खोजबीन किया गया है लेकिन अभी तक किसी का आता पता नहीं चल सका है। इधर, बाल गृह के पदाधिकारी कुछ भी बताने से बस्ती नजर आ रहे हैं।

दो भाइयों को अपराधियों ने मारी गोली एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

पटना के फतुहा थाना के मकसूदपुर गांव में रविवार की देर रात सिगरेट देने से इनकार करने पर अपराधियों ने दो भाइयों को गोली मार दी। इसमें एक भाई की मौत इलाज के दौरान हो गया, जबकि दूसरे भाई की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे गांव में सनसनी का माहौल कायम हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस के वरीय पदाधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने गांव में नाकाबंदी कर अपराधियों की तलाश में गहन छापेमारी की। हालांकि इस छापेमारी में पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस का दावा है कि अपराध ही जल्द से जल्द पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

बताया जा रहा है कि फतुहा के मकसूदपुर गांव में रविवार की देर रात दो भाई जो अपनी गुमटी चला कर परिवार का भरण पोषण किया करते है। देर रात दुकान बंद कर अपने घर लौट रहे थे।

इस बीच मोटरसाइकिल से दो अपराधी उनके घर के नजदीक पहुंचे और दुकान खोलकर सिगरेट की मांग करने लगे। इस बीच दोनों भाइयों ने बताया कि दुकान बंद हो चुकी है और रात भी काफी हो गया है। इसलिए वह सिगरेट देने में असमर्थ है। इतना सुनते ही अपराधी गुस्सा हो गए और पिस्तौल निकाल कर ताबड़तोड़ गोलीबारी करने लगे। इस घटना में रमन कुमार एवं रुदल कुमार दोनों भाई को गोलियां लगीं।

इधर, गोली की आवाज सुनते ही आसपास के गांव के लोग मौके पर पहुंचे। इस बीच अपराधी मौके से फरार हो गए। गांव के लोगों ने इसकी सूचना फतुहा थाने को दी। सूचना मिलते ही फतुहा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।

सूचना पाकर फतुहा के एसडीपीओ भी घटनास्थल पर पहुंच गए। घायल दोनों भाई को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रमन दास की मौत इलाज के दौरान हो गई। गंभीर रूप से घायल रुदल दास को डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए पटना के एनएमसीएच रेफर कर दिया है। फतुहा डीएसपी निखिल कुमार ने बताया कि अपराधियों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। उन्होंने बताया कि अपराधियों की बाइक को जब्त कर लिया गया है और जल्द ही अपराधी को भी पुलिस गिरफ्तार कर लेगी।

जमुई में युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

परिजनों की डांट-फटकार से था नाराज

जमुई (एजेंसियां)।

जमुई में परिजनों की डांट-फटकार से नाराज एक युवक ने किउल-जसीडीह रेल खंड के चौरा रेलवे हॉल्ट के पास ट्रेन के आगे कूद कर अपनी जान दे दी। मामला जिले के गिद्धौर प्रखंड के ढोलकटवा गांव का है। मृतक की पहचान ढोलकटवा गांव निवासी बिंदेश्वरी यादव के बेटे नवीन कुमार के रूप में की गई है। इधर, घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक, रविवार को घरेलू विवाद को लेकर बिंदेश्वरी यादव ने अपने बेटे नवीन कुमार को डांट-फटकार लगाई थी। इस बात से नाराज नवीन कुमार घर से निकल गया। फिर किउल-जसीडीह रेल खंड के चौरा रेलवे हॉल्ट के पास पहुंचकर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। जब इस बात की जानकारी परिजनों को मिली तो वे घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं, किसी स्थानीय द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

उसके बाद स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। साथ ही मामले की छानबीन में जुट गई। घटना को लेकर गिद्धौर थानाध्यक्ष रीता कुमारी ने बताया कि ढोलकटवा गांव में किसी बात से नाराज होकर एक युवक ने ट्रेन के आगे आकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज कर मामले की छानबीन कर रही है। इधर, घटना के बाद परिजनों में मातम पसर गया। घर वालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com